RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2020-22 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

12वां स्थापना वर्ष

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 12 » अक्टूबर 2022 » मूल्य : 40 रु.

किसान क्रेडिट कार्ड | **कृषि यंत्र के लिए ऋण** | **दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)** | **मत्स्य पालन हेतु ऋण**

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से

- श्री देवकरण जावरिया (शा.प्र. आष्टा)
- श्री धरमसिंह परमार (पर्यवेक्षक आष्टा)
- श्री मनोहरसिंह ठाकुर (पर्यवेक्षक आष्टा)
- श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र. कोठरी)
- श्री अजबसिंह ठाकुर (पर्यवेक्षक कोठरी)
- श्री दयाराम पाटीदार (शा.प्र. मेहतवाड़ा)
- श्री जिनेन्द्र जैन (पर्यवेक्षक मेहतवाड़ा)
- श्री उदयसिंह ठाकुर (शा.प्र. जावर)
- श्री जिनेन्द्र जैन (पर्यवेक्षक जावर)
- श्री राजेन्द्र सोलंकी (शा.प्र. हकीमाबाद)
- श्री चन्दरसिंह बडोलिया (पर्य. हकीमाबाद)

श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री अरुण मिश्रा (उपायुक्त सहकारिता) | श्री कमल मकाश्रे (क्षेत्रीय शाखा प्रबंधक) | श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डाबरी, जि.सीहोर
श्री रूपचंद्र वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खड़ीहाट, जि.सीहोर
श्री बद्रीप्रसाद वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पगारिया राम, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र पाठक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमूलिया भाटी, जि.सीहोर
श्री देवीसिंह जायसवाल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरा, जि.सीहोर
श्री नरेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बागेर, जि.सीहोर
श्री मौंगीलाल ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुगली, जि.सीहोर
श्री राजाराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया पार, जि.सीहोर
श्री रामेश्वर विश्वकर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर
श्री रामसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गवाखेड़ा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानियाकला, जि.सीहोर
श्री रमेश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर
श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कजलास , जि.सीहोर
श्री नियाज मोहम्मद (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जावर, जि.सीहोर
श्री जिनेन्द्र जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुरावर, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भंवरीकलां, जि.सीहोर
श्री सुरेन्द्रसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर
श्री रूपसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ग्वाली, जि.सीहोर
श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर
श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दुपाड़िया, जि.सीहोर
श्री सजनसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हकीमाबाद, जि.सीहोर
श्री मोहनसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लोरासखुर्द, जि.सीहोर
श्री हेमराजसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मैना, जि.सीहोर
श्री गोविन्द सरोठिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सेवदा, जि.सीहोर
श्री प्रह्लादसिंह चौधरी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

शुभ दीपावली

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 12 » अंक : 12 » अक्टूबर 2022 » मूल्य : 40 रु.

12 वाँ स्थापना वर्ष

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर
आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित
स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज

» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी

» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी

» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी

» सलाहकार मंडल :
व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)

» विशेष संवाददाता
इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)

» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी
111/ए-ब्लॉक, शहनाई-।। रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186

» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com

» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

3
नए सामाजिक अनुबंध जरूरी
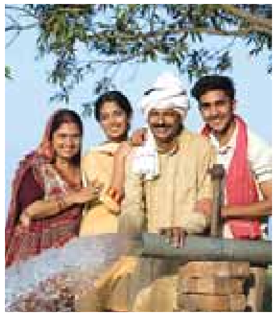

11
अंधकार पर प्रकाश का विजयोत्सव

17
गेहूँ उत्पादन की नई तकनीक

22
राजनीतिक युग का अवसान

23
कैसे चुनें स्टार्टअप कंपनी का जॉब ऑफर

60
टीवी एक्टर्स में डिप्रेशन का टीना ने खोला राज
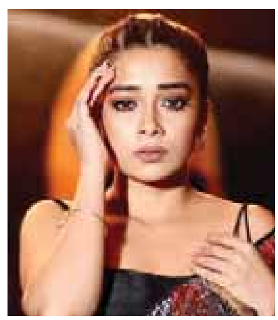

संपादकीय

भारत का बढ़ता प्रभुत्व

इस वर्ष देश कोरोना की दहशत से मुक्त होकर दीपावली मनाने जा रहा है। मानसून की वर्षा पूरे देश में लगभग सामान्य रही है। कुछ राज्यों में जरूर अल्प वर्षा हुई और कुछ राज्य अतिवृष्टि के शिकार हुए बावजूद इसके कुल मिलाकर मानसून की औसत वर्षा अच्छी रही और खरीफ फसलों की स्थिति भी संतोषजनक रही। दीपावली के पूर्व ही मंडियों में नए अनाज की आवक शुरू हो चुकी है और किसानों को अपनी उपज का मूल्य भी संतोषजनक मिल रहा है। कृषि मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 में खाद्यान्न उत्पादन 316.06 मिलियन टन अनुमानित है जो वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त उत्पादन की तुलना में 5.32 मिलियन टन अधिक है। इस बार सरकार ने मोटे

अनाज के उत्पादन पर अधिक जोर दिया है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को मिलेट ईयर घोषित किया है। इस वर्ष कुल 50.86 मिलियन टन मोटे अनाज का उत्पादन अनुमानित है जो औसत उत्पादन की तुलना में 3.28 मिलियन टन अधिक है। दलहन का उत्पादन 26.6 मिलियन टन अनुमानित है जो विगत 5 वर्षों के औसत की तुलना में 3.14 मिलियन टन अधिक है। इसी प्रकार तिलहन उत्पादन 37.5टन अनुमानित है जो वर्ष 2020 के दौरान 35.5 मिलियन टन की तुलना में 1.20 मिलियन टन अधिक है। गन्ना और कपास के उत्पादन में भी वृद्धि हो रही है। दुनिया के 10 प्रमुख कृषि उत्पादक देशों में भारत का नंबर चौथे स्थान पर है। पहले स्थान पर चीन, दूसरे पर अमेरिका और तीसरे पर ब्राज़ील है। चीन के पास दुनिया की कुल कृषि योग्य भूमि का केवल 10% हिस्सा है लेकिन उत्पादन में वह नंबर है। चीन में फल और सब्जियों का उत्पादन भी बहुतायत से होता है। कपास के अलावा गेहूं, चावल और मक्का वहां की तीन प्रमुख फसलें हैं। इन फसलों का उत्पादन चीन के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 90% होता है। दुनिया को लगभग 50% सब्जियों की आपूर्ति चीन करता है। इस वर्ष भारत में दलहन और तिलहन के रकबे में गिरावट आई है, जबकि मोटे अनाज और कपास का रकबा बढ़ा है। मोटे अनाज की बोवनी 178.96 लाख हेक्टेयर में हुई, जबकि पिछले वर्ष 171.62 लाख हेक्टेयर में हुई थी। कपास के रकबे में खासी वृद्धि हुई है 117.68 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 125.69 लाख हेक्टेयर हो गया है। इस वर्ष मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र में कपास की भरपूर उपज हुई है और किसानों को दाम भी संतोषजनक मिल रहे हैं। कहीं कहीं अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसल को जरुर हानि हुई है लेकिन कुल मिलाकर स्थित अच्छी है। दशहरे दीपावली के त्योहारों का उत्साह खरीफ की फसल पर ही निर्भर करता है। खरीफ की अच्छी फसल ने उत्साह बढ़ा दिया है। बाज़ार गुलजार हैं ज्वैलरी, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं और जमीन, मकानों की खरीद फरोख्त चल पड़ी है, जिनमें कोरोना महामारी के कारण पिछले दो सालों से ठहराव आ गया था। वर्षा अच्छी और देर तक होने से रबी फसलों के आसार भी उज्जवल हैं। कुछ जिंसों के निर्यात पर प्रतिबंधों के बावजूद देश का कृषि निर्यात साल 2022-23 में 20% बढ़ा है। डीजीसीआईएस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल अप्रैल से अगस्त के बीच भारत का कृषि निर्यात 23 अरब डालर अर्थात 1.99 लाख करोड़ रुपए का रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 20% अधिक है। सर्वाधिक निर्यात गेहूं और चावल का हुआ है। कोरोना से उबर कर देश की अर्थव्यवस्था भी पटरी पर आने लगी है। सब मिलाकर स्थित भारत के अनुकूल है। यद्यपि विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। ब्रिटेन को पछाड़ कर भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह दावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की जीडीपी के आधार पर किया है। उत्साह से लबरेज इस दीपपर्व पर हम सभी स्नेहियों और सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन करते हैं। दीपावली सभी के लिए मंगलमय हो।

बृजेश त्रिपाठी

नए सामाजिक अनुबंध जरूरी

■ एन.के. सिंह
चेयरमैन, 15वां वित्त आयोग

हमें खुद से यह पूछना चाहिए कि एक विकसित देश हम कैसे बनेंगे, और इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें किस तरह के बदलावों की जरूरत है? हमें जीवन प्रत्याशा के साथ-साथ ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुंच, इंटरनेट की उपलब्धता, जीवन व संपत्ति की सुरक्षा और आय की असमानता को पाटने जैसे अहम मापदंडों पर सुधार करने की आवश्यकता है।

पचहत्तर साल पहले भारत को भूख और भुखमरी से निपटने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। उस काल-खंड में विदेशी मुद्रा पाने के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ी थी। हमारे सामने तब एक आजाद मुल्क बने रहने और अति-गरीबी से मुक्ति के लिए अपने आर्थिक विकास को गति देने की भी चुनौती थी। बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, घरेलू व निर्यात संबंधी प्रतिस्पर्द्धी बुनियादी ढांचे और कृषि व विनिर्माण क्षमताओं के आधुनिकीकरण को लेकर भी हम प्रयासरत थे। इसी तरह, सामंती व्यवस्था से ऊपर उठते हुए हमें एक ऐसे युग में प्रवेश करना था, जहां समानता और सामाजिक गतिशीलता को अधिक प्रोत्साहन मिले। इस लिहाज से देखें, तो इन सभी अहम कसौटियों पर हमने अच्छी-खासी तरक्की की है।

मगर क्या हमने अवसर भी गंवाए, गलतियां भी कीं? वास्तव में, हर सफलता कमियों और गंवाए गए अवसरों के साथ ही रेखांकित की जाती है। जैसे, यह समझ से परे है कि कैसे हमने अत्यधिक नियंत्रण वाले केंद्रीकृत योजनाबद्ध मॉडल को लगातार बनाए रखा। यह भी बहुत साफ नहीं कि साल 1991 के आर्थिक सुधार उस समय की मजबूरी थे या हमारी चयन संबंधी आजादी का प्रतिफल? विकल्प तभी सार्थक होते हैं, यदि चुनने के रास्ते कई हों। साल 1991 में हमारे पास चयन के विकल्प सीमित थे।

इस परिस्थिति में यदि हम यहां से अगले 25 वर्षों के लिए अपनी यात्रा शुरू करते हैं, तो 100वें साल पर भारत के लिए हमारी खोज क्या होगी? उन लक्ष्यों की झलक स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के संबोधन में हमें मिलती है, जिनमें सामाजिक सुधार और पुनर्रचना भी शामिल हैं। उनके 'पांच प्रण' के हर प्रण में दूरगामी बदलाव नजर आते हैं और इनमें सबसे अहम है भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प। लिहाजा, हमें खुद से यह पूछना

चाहिए कि एक विकसित देश हम कैसे बनेंगे, और इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें किस तरह के बदलावों की जरूरत है?

व्यापक अर्थों में इसका मतलब है, सामाजिक अनुबंध की पुनर्रचना। सन् 1762 में जीन-जैक्स रूसो द्वारा गढ़े गए मूल सामाजिक अनुबंध में शासन संरचना और उसके प्रति दायित्व को लेकर नागरिकों में सहमति थी। बेशक समय की कसौटी पर यह अनुबंध काफी हद तक खरा उतरा है, लेकिन अगले 25 वर्षों के बदलाव की प्रकृति और उसकी रफ्तार पुराने अनुभवों के मुकाबले अलग हो सकती है। जाहिर है, नए सामाजिक अनुबंध से तात्पर्य यह है कि न केवल नागरिक अधिकारों को लेकर, बल्कि उसके कर्तव्यों को लेकर भी नए प्रावधान तय करने की जरूरत है। सवाल है कि एक उच्च आय वाले विकसित देश में हम कैसे शुमार होंगे?

एक, हमें आर्थिक विकास की उन दरों को पाना होगा, जो हमारी प्रति व्यक्ति आय को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की परिभाषा के मुताबिक तय 20 हजार डॉलर नॉमिनल जीडीपी या विश्व बैंक के मापदंड के अनुरूप 12,696 डॉलर के करीब ले आए। अभी हम एक मध्य-आय वाले देश हैं। सिंगापुर सरकार के वरिष्ठ मंत्री टी शणमुगरत्नम ने प्रथम अरुण जेटली व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों की औसत आय बढ़ाने और अधिक रोजगार पैदा करने के लिए भारत को अगले 25 वर्षों तक आठ से दस फीसदी की दर से विकास करना होगा। यह अनुमान लगाया गया है कि इसके लिए आईएमएफ स्तर के हिसाब से 9.36 प्रतिशत और विश्व बैंक के स्तर के लिहाज से 7.39 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को हासिल करना अनिवार्य होगा।

साफ है, व्यापार विकास की मुख्य धुरी होगा। हमें एक ऐसी व्यापार नीति तंत्र की जरूरत है, जो वास्तविक विनिमय दरों से आगे जाता हो, बल्कि अर्थव्यवस्था को अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए व्यापार, रसद, परिवहन और नियामक ढांचे में उल्लेखनीय सुधार कर सके। आयात शुल्कों की संकीर्ण व्याख्या आत्मनिर्भर भारत के दर्शन से उलट है। जब तक प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर आयात उपलब्ध न होंगे, निर्यात क्षमता प्रतिस्पर्द्धी नहीं बन सकेगी। इसके अलावा, चीन के उदय सहित बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं व बदलावों को देखते हुए हमारी व्यापार रणनीति को एक अलग पटकथा की जरूरत है।

दो, मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) पर ध्यान देने की जरूरत है। हमें जीवन प्रत्याशा के साथ-साथ ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुंच, इंटरनेट की उपलब्धता, जीवन व संपत्ति की सुरक्षा और आय की असमानता को पाटने जैसे अहम मापदंडों पर सुधार करने की आवश्यकता है। हमें अपने एचडीआई स्कोर को 0.645 के मौजूदा मध्यम स्तर से 0.8 के करीब ले जाने की जरूरत है, ताकि हम उच्च स्तर पर पहुंच सकें। इसके लिए हमें मान्यता प्राप्त निर्यात निकायों की सिफारिशों के अलावा, शिक्षा व स्वास्थ्य देखभाल पर नए सिरे से जोर देने के लिए 2020 की नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में की गई प्रतिबद्धताओं के पालन की आवश्यकता है। ■

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिन की बधाई...
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम

अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री परमानंद गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त सह.)
श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एस.धनवाल (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. धार

प्रधानमंत्री ने 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण के बाद जन समारोह को किया सम्बोधित

प्रलय के प्रहार से मुक्त है महाकाल नगरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के सांस्कृतिक वैभव की पुनर्स्थापना का लाभ न केवल भारत को अपितु पूरे विश्व एवं समूची मानवता को मिलेगा। उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' की स्थापना इसी की कड़ी है। यह काल के कपाल पर कालातीत अस्तित्व का शिलालेख है। उज्जैन आज भारत की सांस्कृतिक अमरता की घोषणा और नये कालखण्ड का उद्घोष कर रहा है। हमारे लिये धर्म का अर्थ कर्तव्यों का सामूहिक संकल्प, विश्व का कल्याण एवं मानव मात्र की सेवा है। हमने आजादी के पहले जो खोया था, उसकी आज पुनर्स्थापना हो रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी आज उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण के बाद जन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के सांस्कृतिक वैभव की पुनर्स्थापना का लाभ न केवल भारत को अपितु पूरे विश्व एवं समूची मानवता को मिलेगा। उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' की स्थापना इसी की कड़ी है। यह काल के कपाल पर कालातीत अस्तित्व का शिलालेख है। उज्जैन आज भारत की सांस्कृतिक अमरता की घोषणा और नये कालखण्ड का उद्घोष कर रहा है। हमारे लिये धर्म का अर्थ कर्त्तव्यों का सामूहिक संकल्प, विश्व का कल्याण एवं मानव मात्र की सेवा है। हमने आजादी के पहले जो खोया था, उसकी आज पुनर्स्थापना हो रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी आज उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण के बाद जन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 'श्री महाकाल लोक' दिव्य है। यहाँ सब कुछ अलौकिक, अविस्मरणीय एवं अविश्वसनीय है। महाकाल की आराधना अन्त से अनन्त की यात्रा है, आनन्द की यात्रा है, इससे काल की रेखाएँ भी मिट जाती हैं। महाकाल लोक

'श्री महाकाल लोक' में भगवान श्री महाकाल हुए अवतरित

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मन्दिर में 'श्री महाकाल लोक' का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा रिमोट का बटन दबाते ही रंगीन कलावे (रक्षा सूत्र) निर्मित शिव लिंग के रूप में भगवान महाकाल मानों स्वयं प्रकट हो गये। साथ ही पूरा वातावरण शिवमय हो गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'श्री महाकाल लोक' का भ्रमण कर निर्मित कलाकृतियों को देखा। प्रधानमंत्री ने लोकार्पण के पूर्व श्री महाकाल लोक में उपस्थित साधु-सन्तों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री महाकाल लोक में निर्मित भित्ति चित्रों, स्तंभों एवं प्रतिमाओं में वर्णित शिव लीलाओं की जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री महाकाल लोक में भगवान श्री शंकर की ध्यानस्थ प्रतिमा, सप्तर्षि मंडल आदि का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने ई-कार्ट में बैठ कर 900 मीटर लम्बे 'श्री महाकाल लोक' परिसर में निर्मित नयनाभिराम धार्मिक-आध्यात्मिक और शिव लीला पर आधारित कला रूपों का अवलोकन किया।

आने वाली कई पीढ़ियों को अलौकिक दिव्यता और सांस्कृतिक ऊर्जा की चेतना प्रदान करेगा। इस अदभुत कार्य के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, उनकी सरकार और मन्दिर समिति का मैं हृदय से अभिनन्दन करता हूँ, जिन्होंने निरन्तर पूरे समर्पण से सेवा-यज्ञ किया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन वह नगरी है, जो प्रलय के प्रहार से भी मुक्त है। 'प्रलयो न बाध्यते, तत् महाकाल पूज्यते'। उज्जैन न केवल काल गणना एवं ज्योतिषिय गणना का केन्द्र है, अपितु यह भारत की आत्मा का केन्द्र भी है। यह पवित्र सात पुरियों में एक है। यहाँ भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की। विक्रमादित्य के प्रताप से भारत के स्वर्णकाल की शुरूआत हुई। विक्रम संवत महाकाल की भूमि से ही शुरू हुआ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि उज्जैन के क्षण-क्षण में इतिहास, कण-कण में आध्यात्म और कोने-कोने में ईश्वरीय ऊर्जा है। यहाँ कालचक्र के चौरासी कल्पों के प्रतीक चौरासी महादेव, चार महावीर, छह विनायक, आठ भैरव, अष्टमातृका, नौ ग्रह, दस विष्णु, ग्यारह रूद्र, बारह आदित्य, चौबीस देवियाँ एवं 88 तीर्थ हैं। इन सबके केन्द्र में कालाधिराज महाराज विराजमान हैं। पूरे ब्रह्माण्ड की ऊर्जा को ऋषियों ने प्रतीक रूप में समाहित किया। उज्जैन ने एक हजार वर्षों तक भारत की सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान, गरिमा, साहित्य, कला का नेतृत्व किया। कालिदास एवं बाणभट्ट की रचनाओं में यहाँ की सभ्यता, संस्कृति, शिल्प और वैभव का वर्णन मिलता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि किसी राष्ट्र का सांस्कृतिक वैभव, उसकी पहचान उसकी सफलता की सबसे बड़ी निशानी है। भारत में हमारे धार्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का निरन्तर विकास किया जा रहा है। उज्जैन सहित सोमनाथ, केदारनाथ, बद्रीनाथ आदि केन्द्रों का समुचित विकास किया जा रहा है। चारधाम प्रोजेक्ट में ऑल वेदर रोड बनाये जा रहे हैं। हमने स्वदेश दर्शन एवं प्रसाद योजनाएँ चलाई हैं। हमारे धार्मिक एवं आध्यात्मिक केन्द्रों का गौरव पुनर्स्थापित हो रहा है। महाकाल लोक आज अतीत के गौरव के साथ भविष्य के स्वागत के लिये तैयार हो चुका है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में हजारों वर्षों से कुंभ मेले की परम्परा है। हर बारह वर्ष में हम अमृत मंथन करते हैं और उसमें निकलने वाले अमृत पथ पर चलते हैं। पिछले कुंभ मेले में मैं उज्जैन आया था। उस समय मेरे मन में श्री महाकाल लोक सम्बन्धी संकल्प आया, जिसे आज संकल्प के रूप में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने चरितार्थ किया है, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। आज प्राचीन मूल्यों पर नया भारत खड़ा हो रहा है। हमारी विज्ञान और शोध की परम्पराएँ जीवित हैं। खगोल विद्या के क्षेत्र में चंद्र यान, गगन यान मिशन महत्वपूर्ण सफलताएँ हैं। रक्षा के क्षेत्र में हम आत्म-निर्भर हैं। हमारे युवा स्किल, स्पोर्ट्स, स्टार्टअप्स के क्षेत्र में विश्व में भारत का डंका बजा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत में ही सभ्यता के सूर्य का उदय हुआ। हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम् एवं सर्वे भवन्तु सुखिनः भी है। हमारा सन्देश विश्व कल्याण का है। भारत के इसी सन्देश को स्वामी विवेकानन्द ने सारी दुनिया को दिया। एक नरेन्द्र ने जो किया दूसरा नरेन्द्र आज उसे पूरा कर रहा है। हमारा योग, उपनिषद, गीता-ज्ञान, आयुष वे दुनिया में लेकर गये। आज श्री नरेन्द्र मोदी गौरवशाली, वैभवशाली,

शक्तिशाली भारत का निर्माण कर रहे हैं।

श्री चौहान ने कहा कि 2016 के सिंहस्थ में विचार महाकुंभ भी हुआ था, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी आये थे। विचार महाकुंभ में 51 अमृत बिन्दु निकले, जिनमें से एक श्री महाकाल लोक की स्थापना का कार्य भी था। प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से इस कार्य की शुरूआत की गई। वर्ष 2018 में केबिनेट ने इसे स्वीकृति दी, वर्ष 2019-20 में यह कार्य मंद हो गया, लेकिन वर्ष 2020 के बाद तेजी से हुआ। आज इसका लोकार्पण हो रहा है। भगवान शिव सबका कल्याण करने वाले हैं, थोड़ी-सी पूजा से वे प्रसन्न हो जाते हैं, जिसे दुनिया ठुकराती है, उसे अपनाते हैं। उन्होंने पूरी दुनिया को अमृत दिया और स्वयं जहर पिया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज भौतिकता से दग्ध मानवता को शाश्वत शान्ति का अदभुत दर्शन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत करायेगा। हम सभी भारत के नवनिर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ दें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उपस्थित सभी को विश्व एवं प्राणीमात्र के कल्याण का संकल्प दिलाया।

प्रारम्भ में प्रधानमंत्री श्री मोदी को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नन्दी द्वार की प्रतिकृति भेंट की। श्री मोदी का मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रूद्राक्ष की माला, अंग वस्त्र एवं पगड़ी पहना कर स्वागत किया। प्रसिद्ध भजन गायक श्री कैलाश खेर ने सुमधुर शिव-स्तुति प्रस्तुत की।

उल्लेखनीय है कि श्री महाकाल लोक के लोकार्पण अवसर पर महाकाल मन्दिर सहित पूरे प्रदेश के प्रमुख मन्दिरों एवं देवस्थलों पर रोशनी की गई और स्थानीय लोगों ने स्क्रीन पर लोकार्पण

प्रधानमंत्री ने महाकालेश्वर मन्दिर में पूजा-अर्चना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जैन में 'श्री महाकाल लोक' के लोकार्पण से पूर्व श्री महाकालेश्वर मन्दिर में पूजा-अर्चना की। विधि-विधान से पं. घनश्याम शर्मा ने पूजन करवाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी सायं 6 बजे श्री महाकालेश्वर मन्दिर पहुँचे। सफेद धोती, अंग-वस्त्र, केसरिया दुपट्टा, माथे पर त्रिपुण्ड और गले में रूद्राक्ष की माला धारण किये हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूरे भक्ति-भाव से भगवान श्री महाकाल का पूजन एवं आरती की। उन्होंने भगवान श्री महाकालेश्वर का जप एवं ध्यान भी किया।

समारोह को देखा। मन्दिरों में भजन-कीर्तन सहित शिव आरती भी हुई। चारों ओर शिव महिमा की गूँज सुनाई दी। सभी लोग श्री महाकाल लोक के लोकार्पण से आनन्दित और भक्तिमय हो गये।

धार्मिक और आध्यात्मिक रूप में विकसित किये गये श्री महाकाल लोक को देख कर भारत सहित अन्य देश के लोग भी मंत्रमुग्ध हो उठे। बनारस कॉरिडोर की तर्ज पर बने इस लोक के आकर्षण से कोई भी अछूता नहीं रहा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी श्री महाकाल लोक को देख कर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों पर प्रसन्नता जाहिर की।

समारोह में छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके, झारखंड के राज्यपाल श्री रमेश बैस, केन्द्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधियाकारिता मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार खटीक, इस्पात राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, केन्द्रीय जलशक्ति एवं खाद्य प्र-संस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री प्रहलाद पटेल सहित मध्य प्रदेश के मंत्रीगण एवं बड़ी संख्या में साधु-सन्त, श्रद्धालु और नागरिक उपस्थित थे। ■

'श्री महाकाल लोक' को जिसने देखा मंत्रमुग्ध हो गया

माननीय सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर रोड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री जगदीश कनौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री एम.एल. गजभिये (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री अनिल हर्षवाल (प्रभारी सीईओ)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

सौजन्य से

श्री परमानंद यादव (शा.प्र. देपालपुर) श्री राजेश चौधरी (शा.प्र. गौतमपुरा) श्री कैलाश परिहार (शा.प्र. अटाहेड़ा)

श्री रामचंद्र चौहान (पर्य. देपालपुर) श्री कैलाश चौधरी (पर्य. अटाहेड़ा)

श्री राधेश्याम ठाकुर (पर्य. देपालपुर) श्री नरेन्द्रसिंह परमार (पर्य.गौतमपुरा)

सेवा सह. संस्था मर्या. छोटी कलमेर, जि.इंदौर
श्री कंवरसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. खजराया, जि.इंदौर
श्री बाबूलाल मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. चान्देर, जि.इंदौर
श्री रामचंद्र चौहान (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. लिम्बोदापार, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. गोकलपुर, जि.इंदौर
श्री गिरधर पटेल (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. सगड़ोद, जि.इंदौर
श्री बाबूलाल मौर्य (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. जलोदिया पंथ, जि.इंदौर
श्री रामचंद्र चौहान (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. देपालपुर, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. बनेड़िया, जि.इंदौर
श्री भवानीशंकर चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. जलोदिया ग्यान, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्र सिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. बछोड़ा, जि.इंदौर
श्री ओमप्रकाश बैरागी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. भील बड़ोली, जि.इंदौर
श्री राधेश्याम गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. गिरोता, जि.इंदौर
श्री नरेन्द्रसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. छड़ौदा, जि.इंदौर
श्री लाखनसिंह परमार (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. अत्याणा, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. गौतमपुरा, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण गौड़ (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. मेंढकवास, जि.इंदौर
श्री सत्यनारायण सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. कनवासा, जि.इंदौर
श्री कैलाश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. माई, जि.इंदौर
श्री कैलाश चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. नाव्दा, जि.इंदौर
श्री घनश्याम पंवार (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. अटाहेड़ा, जि.इंदौर
श्री संतोष पटेल (प्रबंधक)

सेवा सह. संस्था मर्या. जाल्या , जि.इंदौर
श्री घनश्याम पवार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

अंधकार पर प्रकाश का विजयोत्सव

अमावस्या घोर अंधकार का प्रतीक है और इसी रात्रि को दीपावली यानी प्रकाश का पर्व मनाया जाता है। यानी साफ है कि हम अंधकार पर प्रकाश के विजय का उत्सव मनाते हैं। अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की मनुष्य की आदिकालीन इच्छा रही है। तमसो मा ज्योतिर्गमय। पारंपरिक रूप से अमीर-गरीब सभी अपने-अपने ढंग से दीपावली का उत्सव मनाते हैं और अपने लिए उजाले की खोज करते हैं। हर कोई अपने घर और उसके आसपास साफ-सफाई करता है, स्वच्छता का ध्यान रखता है, रोशनी का इंतजाम करता है।

अंधकार के अनेक रूप हैं और उन रूपों की खोज और उनके बारे में जानकारी हम केवल इतिहासबोध से कर सकते हैं। जब हम कहते हैं कि यह समय बड़ा अंधकारपूर्ण है, तो यह अंधकार किन रूपों में है, इसे तो हमारा समय ही बताएगा। इसलिए दीपावली तो हर वर्ष मनाई जाती है, लेकिन हर दीपावली नई होती है और हर अंधकार नया होता है। दीपावली मनाते हुए हमें ध्यान रखना होगा कि हमारे इस समय का अंधकार क्या है?

महंगाई, बेरोजगारी, महामारी, सांप्रदायिक विद्वेष-ये सब हमारे समय के अंधकार हैं। महामारी शुरू होने पर जब अचानक लॉकडाउन की घोषणा की गई, तो दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लाखों प्रवासी श्रमिक हजारों किलोमीटर दूर अपने गांव-घर की ओर पैदल ही चल पड़े। रास्ते में वे जिन भयावह कठिनाइयों को झेलते हुए महज अपनी और अपने परिजनों की जान बचाने के लिए पलायन कर रहे थे, उस समय के दृश्य देखकर आंखें भर जाती थीं और आज भी उस मंजर को याद कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

न जाने कितने रास्ते में ही भूख से मर गए, बहुत से लोग दुर्घटनाओं में मर गए। उनके प्रति प्रशासन तंत्र का संवेदनहीन रवैया भी अंधकार ही कहा जाएगा। यह हमारी मानसिक संकीर्णता और आर्थिक असमानता का अंधकार है कि एक तरफ हजारों-लाखों लोगों की नौकरियां छिन गईं, सैकड़ों लोग आत्महत्याएं कर रहे हैं, लाखों लोग भयंकर गरीबी में

शुभ महूर्त

24 अक्टूबर 2022 (सोमवार) को देवी लक्ष्मी के पूजन का शुभ मुहूर्त- शाम 6 बजकर 54 मिनट से आरंभ होकर रात 8 बजकर 16 मिनट तक रहेगा। यानि आप 1 घंटे 21 मिनट के मध्य देवी लक्ष्मी का पूजन संपन्न कर सकते हैं। वहीं दिवाली वाले दिन प्रदोष काल शाम 5 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर रात 8 बजकर 16 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आप पूजा की तैयार कर सकती हैं। वृषभ काल शाम 6 बजकर 54 मिनट से आरंभ होकर 8 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। इस दौरान आप देवी लक्ष्मी की पूजा के साथ ही देवी जी की आरती कर सकती हैं और प्रसाद वितरण भी कर सकती हैं।

दिवाली पर शुभ चौघड़िया सायंकाल मुहूर्त- शाम 5 बजकर 29 मिनट से आरंभ होकर रात 7 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा रात्रि में 10 बजकर 29 मिनट से प्रारंभ होकर 12 बजकर 5 मिनट तक भी यह मुहूर्त आपको लाभ पहुंचाएगा।

धकेल दिए गए, वहीं दूसरी तरफ अरबों रुपये खर्च कर आईपीएल का आयोजन हो रहा है। सेंसेक्स लगातार बढ़त पर है।

देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ गई है। अपार धन-संपत्तियां पैदा की जा रही हैं। यह सब हमारे समय के अंधकार के ही तो रूप हैं। एक तरफ संचय की समृद्धि का हिमालय है, दूसरी तरफ गरीबी का रसातल है। यह हमारे समय का महान अंधकार है-है अमानिशा, उगलता गगन घन अंधकार। आज हमारे समय में अंधकार का सबसे भयावह रूप प्रकृति का प्रकोप है।

पेड़-पौधे, नदियां-झरने, विविध प्रकार के जीव इस धरती की शोभा हैं। लेकिन हमने पेड़ों को काट डाला, पहाड़ों को खोद डाला, नदियों को प्रदूषित कर दिया और हवा में भी जहर घोल दिया। हम अंधेरे पर उजाले और अज्ञान पर ज्ञान के विजय का पर्व दीपावली मनाते हैं और उत्सव मनाते हुए हवा में पटाखों का जहर घोलने की नासमझी करते हैं! मनुष्य ने प्रकृति का शोषण करना ही विकास मान लिया है।

ऐसे में मुझे जयशंकर प्रसाद की कामायनी की याद आ रही है, जिसके नायक मनु ने श्रद्धा की उपेक्षा करके बुद्धि-केवल बुद्धि का भरोसा कर लिया है। वह बुद्धि और विवेक का अंतर भूल गया है। फलतः विकास विनाश का समानार्थक हो गया है। विवेकहीनता हमारे समय का सबसे भयावह अंधकार है। इस तरह सबका साथ-सबका विश्वास हमारी सांस्कृतिक उदारता की पारंपरिक सदिच्छा है, किंतु इस इच्छा रूपी लक्ष्मी को क्रिया से संयुक्त होना चाहिए। केवल इच्छा व्यर्थ होगी। हमें अंधकार के इन रूपों के विरुद्ध प्रकाश पर्व मनाना है। इन समस्याओं से पार पाना है। हमारे देश की सबसे बड़ी विशेषता है-इसकी विविधता। यह विविधता इसकी घुट्टी में पड़ी है। लोग, भाषा, संस्कृति, रहन-सहन, पोशाकें, धर्म-पंथ, पर्व-त्योहार ही नहीं, ऋतुओं में भी विविधता है।

इस विविधता का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि यह विविधता ही हमारी आंतरिक शक्ति है। अगर कोई एकता की बात करता है, लेकिन विविधता का सम्मान न करके एकरूपता की वकालत करता है, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। एकता और एकरूपता अलग-अलग चीजें हैं। अगर हम वाकई इस देश की समृद्धि और कल्याण चाहते हैं, तो हमें महालक्ष्मी की समग्रता में पूजा करनी पड़ेगी और इस देश की विविधता का सम्मान करना पड़ेगा। मन के कलुष को मिटाना होगा, तभी ज्ञान और समृद्धि का प्रकाश फैलेगा। ■

धनतेरस

पाँच दिवसीय पर्व की शुरुआत धनतेरस से होगी जिसे धन त्रयोदशी नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज, धन के देवता कुबेर और आयुर्वेदाचार्य धन्वन्तरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे और उनके साथ आभूषण व बहुमूल्य रत्न भी समुद्र मंथन से प्राप्त हुए थे। तभी से इस दिन का नाम धनतेरस पड़ा। इस दिन बर्तन, धातु या आभूषण खरीदने की परम्परा है। विशेष रूप से चाँदी खरीदी का महत्व बताया गया है क्योंकि चाँदी चंद्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है।

रूप चौदस

दीप पर्व का दूसरा दिन नरक चतुर्दशी है जिसे रूप चौदस और काली चौदस भी कहते हैं। इसी दिन नरकासुर का वध कर भगवान श्रीकृष्ण ने 16100 कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से ससम्मान मुक्त कराया था। इस उपलक्ष्य में दीपों की बारात सजाई जाती है। इस दिन रात दीये जलाने की प्रथा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन सूर्योदय से पूर्व उबटन लगाकर स्नान करने से समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और पुण्य की प्राप्ति होती है।

लक्ष्मी पूजन

तीसरा दिन दीप पर्व का प्रमुख दिन है जिसे दीपावली कहा गया है। यह विशेष रूप से लक्ष्मी पूजन का पर्व है। कार्तिक माह की अमावस्या को ही समुद्र मंथन से माँ लक्ष्मी प्रकट हुई थी जिन्हें धन, वैभव, ऐश्वर्य अर सुख-समृद्धि की देवी माना जाता है। इस दिन माँ लक्ष्मी के स्वागत के लिए दीप दलाए जाते हैं ताकि अमावस्या की रात का अंधकारमयी वातावरण रोशन हो सके।

अन्नकूट या गोवर्धन पूजा

दीपावली का चौथा दिन अन्नकूट या गोवर्धन पूजा को समर्पित है। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाया जाता है। इसे पड़वा या प्रतिपदा भी कहा गया है। इस दिन घर के गोधन बैल, गाय, बकरी आदि को स्नान करवाकर उन्हें सजाया जाता है। फिर आंगन में गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उनका पूजन कर पकवानों का भोग लगाया जाता है।

भाईदूज

दीप पर्व का पाँचवाँ दिन भाई दूज और यम द्वितीया है। यह पाँच दिवसीय दीप पर्व का अंतिम दिन है। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ करने और भाई की लम्बी आयु के लिए है। रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को घर बुलाता है जबकि भाईदूज पर बहन अपने भाई को अपने घर बुलाकर उसका तिलक करती है और स्नेह से भोजन करवाती है।

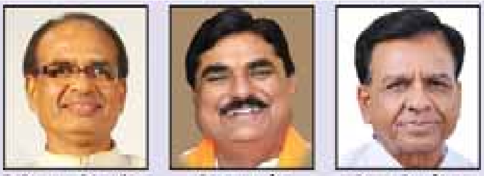

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

सुश्री निधि सिंह (भारसाधक अधिकारी) | **श्री कुमार सिंह अनारे** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बड़नगर, (जि.उज्जैन)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री पुरुषोत्तम कुमार (भारसाधक अधिकारी) | **श्री पन्नालाल भरतुनिया** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति खाचरौद, (जि.उज्जैन)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री जगदीश देवड़ा (प्रभारी मंत्री)

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री नवीन छलौते (भारसाधक अधिकारी) | **श्री विमल सिंह** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति उन्हैल, (जि.उज्जैन)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री बिहारी सिंह (भारसाधक अधिकारी) | **श्री जगदीशसिंह परमार** (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति मंदसौर, (जि.मंदसौर)

मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री माननीय डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया का जन्म 2 अक्टूबर 1969 को मध्य प्रदेश राज्य के भिंड जिले के ज्ञानपुरा गाँव में कमला देवी एवं शिवनाथ सिंह भदौरिया के यहाँ हुआ। वह अपने माता-पिता के जन्मे तीसरी संतान हैं। अरविन्द सिंह भदौरिया की माँ एक आदर्श धार्मिक गृहणी तथा पिताजी पुलिस विभाग में अपनी सेवाएँ दिया करते थे। बहुत ही कम उम्र में वे आरएसएस की शाखा से जुड़े, जिसके साथ एक लंबे समय तक सम्बंधित रहे। युवावस्था में वह छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल हुए। सन 2007 में अर्चना भदौरिया के साथ वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया।

राजनीतिक करियर

अरविन्द सिंह भदौरिया ने अपने छात्र जीवन से 1984 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से छात्र राजनीति शुरू की। सन 1986 में इन्हे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भिंड नगर का नगर मंत्री बनाया गया। इसके बाद सन 1987 में भिंड जिले के संयोजक, तत्पश्चात भिंड जिले के एम.जे.एस महाविद्यालय से छात्रसंघ का चुनाव लड़ा, इसके बाद सन 1989 में विभाग संयोजक बने। 1990 में अभाविप के पूर्णकालिक बन गए। सन 1990 से 1994 तक दो संभाग क्रमशः भोपाल तथा ग्वालियर संयुक्त संभाग के संगठन मंत्री रहे, तत्पश्चात 1994 में मध्य भारत प्रान्त के प्रान्त मंत्री बने। 1995 से 2003 तक मध्य भारत प्रान्त के प्रान्त संगठन मंत्री रहे। इसके बाद इन्हे 2003-04 तक युवा मोर्चा के संगठन मंत्री के रूप में जिम्मेदारी दी। 2003 विधानसभा चुनाव प्रबंधन टोली का प्रभार सौंपा गया। इसके बाद 2004 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए, 2005 में इनको मध्य प्रदेश भाजपा का प्रदेश मंत्री बनाया गया जोकि 2011 तक लगातार (5 बार) बने रहे। सन 2011 से 2014 तक भारतीय जनता पाटी किसान मोर्चा के क्रमशः राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय महामंत्री बने। 2014 से 2016 तक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री रहे। 2015 से इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी निर्वाचित राज्य प्रबंध समिति सदस्य रहे, बाद में सन 2016 से 2019 तक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष बने। इस दौरान सन 2018 से राज्य वाइस प्रेसिडेंट इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी म.प्र बने।

अरविन्द सिंह भदौरिया सन 2008 में पहली बार अटेर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के कद्दावर नेता, पूर्व मंत्री और पूर्व नेता प्रतिपक्ष सत्यदेव कटारे को हराकर विधायक बने। 2018 में पुनः मध्य प्रदेश राज्य की अटेर विधानसभा से दूसरी बार विधायक चुने गए। ऑपरेशन लोटस- 2020 के समय अरविन्द सिंह भदौरिया की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण रही। ये 2020 में शिवराज सरकार का पुनः गठन होने पर केबिनेट मंत्री, सहकारिता एवं लोक प्रबंधन बने। ■

समस्त किसान भाइयों को
दीपावली की
शुभकामनाएँ
जन-जन के लाड़ले नेता
माननीय सहकारिता मंत्री
डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को
जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
सौजन्य से
श्री देवीसिंह कलमे
(शा.प्र. पेटलावद)
श्री योगेश रत्नावत
(शा.प्र. बामनिया)
श्री मनोज शुक्ला
(शा.प्र. झकनावदा)
श्री कर्मेन्द्र सिंह सोलंकी
(शा.प्र. रायपुरिया)
श्री संजय रोहितसिंह
(शा.प्र. सारंगी)
श्री मन्नूसिंह खतोड़िया
(शा.प्र. मेघनगर)
श्री राधेश्याम बारिया
(शा.प्र. कल्याणपुरा)
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
खेत पर रोड निर्माण हेतु ऋण
श्री जगदीश कन्नौज
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री आर.एस. वसुनिया
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पेटलावद, जि.झाबुआ
श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मठमठ, जि.झाबुआ
श्री गेन्दालाल पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. टेमरिया, जि.झाबुआ
श्री कमलेश ओझा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बोड़ायता, जि.झाबुआ
श्री लक्ष्मीनारायण पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बामनिया, जि.झाबुआ
श्री भेरूलाल पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बरवेट, जि.झाबुआ
श्री अन्नूसिंह गामड़ (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. करवड़, जि.झाबुआ
श्री रमेश सोलंकी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रंभापुर, जि.झाबुआ
श्री गरवरसिंह कठोटा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खवासा, जि.झाबुआ
श्री दिनेश खतेड़िया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मदरानी, जि.झाबुआ
श्री मानसिंह वसुनिया (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. भामल, जि.झाबुआ
श्री चैनसिंह राठौर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मांडली, जि.झाबुआ
श्री नटवरसिंह हाड़ा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. झकनावदा, जि.झाबुआ
श्री शैलेन्द्र सिंह (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मेघनगर, जि.झाबुआ
श्री संजय नागर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बौलासा, जि.झाबुआ
श्री शैलेन्द्र सिंह (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. नौगाँवा, जि.झाबुआ
श्री दिनेश बैरागी (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. रायपुरिया, जि.झाबुआ
श्री लालसिंह डोडियार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. पंचपिपलिया, जि.झाबुआ
श्री वीरसिंह डामोर (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. बेकल्दा, जि.झाबुआ
श्री लालसिंह डोडियार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. कल्याणपुरा, जि.झाबुआ
श्री तारसिंह निनामा (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. मोहनकोट, जि.झाबुआ
श्री रमेशचंद्र पाटीदार (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. खेड़ा, जि.झाबुआ
श्री नटवरसिंह नायक (प्रबंधक)
आ.जा.सेवा सह. संस्था मर्या. सारंगी, जि.झाबुआ
श्री मनोहर वर्मा (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

जन-जन के लिए सरल, सहज और सदैव तत्पर मंत्री श्री पटेल

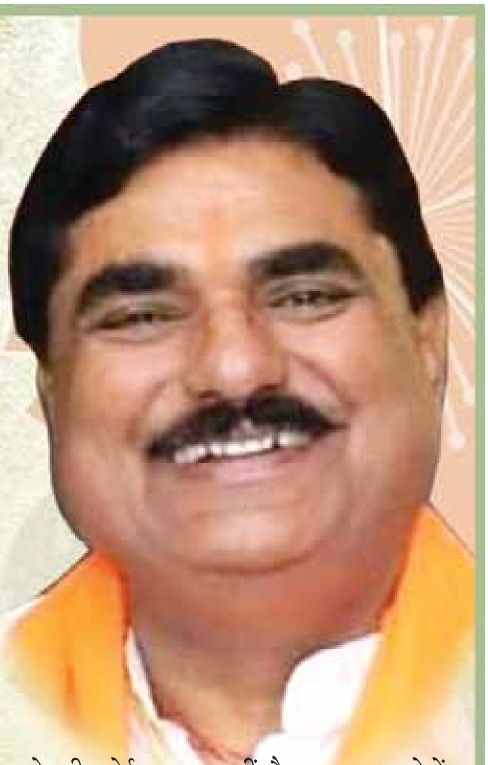

किसानों की जमीनी समस्याओं को बखूबी जानने वाले और उनका स्थाई हल खोज निकालने की सोच रखने वाले प्रदेश के किसान-कल्याण तथा कृषि मंत्री श्री कमल पटेल का जन्म 6 अक्टूबर 1961 को हरदा में हुआ था। दिन-रात किसानों की चिंता करने वाले श्री पटेल ने अपनी सूझबूझ के साथ कृषि क्षेत्र में जो नवाचार करवाये है, उनका लाभ सीधे किसानों को मिला है। यहाँ तक कि उनकी बनाई गई कई रणनीतियों को केन्द्र और राज्य सरकार ने योजनाओं का रूप देकर प्रभावी तरीके से किसानों के हित में लागू भी किया है। उन्हीं योजनाओं में से एक योजना 'स्वामित्व योजना' के रूप में किसानों के लिये वरदान बन गई है।

जनतंत्र का अर्थ जन-सेवा, जन-आकांक्षा, जनहित और जन-संप्रभुता में निहित है। जन-कल्याण के प्रति सतत जवाबदेही से ही जन-विश्वास बढ़ता है, जो अंततः लोकप्रियता का मजबूत आधार होता है। मध्यप्रदेश के कृषि मंत्री श्री पटेल उन चुनिंदा जनप्रिय राजनेताओं में शुमार है, जो आमजन से सरलता से मिलते हैं, सहजता से उपलब्ध होते हैं और सहृदयता से जन-कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। जनहित उनका ध्येय होता है और जनता की खुशहाली के लिए वे प्रतिबद्धता से हर समय प्रयासरत रहते हैं।

मध्यप्रदेश के वरिष्ठ राजनेताओं में शामिल श्री पटेल के जनहित के कार्य उनकी शख्सियत का प्रतिबिम्ब है। किसानों को उनकी जमीन का मालिकाना हक दिलाने के लिए प्रयासरत रहे श्री पटेल प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के लागू होने के दिन 24 अप्रैल 2020 को भारत की ग्रामीण क्षेत्रों की आजादी का दिन कहते हैं। किसान-कल्याण मंत्री श्री पटेल ने इस योजना के क्रियान्वयन को नये आयाम देते हुए सबसे पहले एक साल की अवधि में पूर्ण कर इतिहास रच दिया। देश में मध्यप्रदेश का हरदा जिला सबसे पहले स्वामित्व योजना के सम्पूर्ण दस्तावेज तैयार कर 402 राजस्व ग्रामों की आबादी को स्वामित्व दस्तावेज वितरण करने वाला जिला बना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 6 अक्टूबर 2021 में इसके साक्षी बने और उन्होंने श्री कमल पटेल को योजना के क्रियान्वयन एवं जन्म-दिन की बधाई दी।

मंत्री श्री पटेल ग्रामीणों और किसानों की समस्याओं के निदान के लिये सदैव संवेदनशील रहे है। उन्होंने हरदा में वर्ष 2020 में ÷आपकी समस्या का हल-आपके घर÷ अभियान शुरू किया था। प्रारंभिक दिनों में जब कृषि मंत्री स्वयं जनता के बीच उपस्थित हुए और उन्होंने साफ कहा कि अब जनता को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाने की कोई जरूरत नहीं है। तब कुछ लोगों, अधिकारी एवं जन प्रतिनिधियों के मन मे संशय था। श्री पटेल स्वयं दृढ़ संकल्पित होकर कार्य को अमलीजामा पहनाने में जुट गए। वे स्वयं उपस्थित होते, गाँव में चौपाल करते और अधिकारियों को प्रोत्साहित कर जनता से संवाद करते रहे, इसका परिणाम यह हुआ कि हरदा जिले में लोगों को योजनाओं का लाभ मिलने लगा।

लगभग डेढ़ दशक पहले शिवराज सरकार में राजस्व मंत्री के रूप में किसानों के जीवन में बदलाव लाने भू-अधिकार पुस्तिका की अनूठी पहल की थी। मुख्यमंत्री आवास मिशन में मकान निर्माण के लिए राशि उपलब्ध कराने का प्रावधान भी किया गया था। मंत्री श्री पटेल ने वर्तमान सरकार में कृषि मंत्री बनने के बाद किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों से ही नर्मदापुरम संभाग के किसानों को ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल के लिए ताप्ती नदी पर बने बांध से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हुआ। इतना ही नहीं ग्रीष्मकालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी भी संभव हो सकी।

श्री पटेल एक ऐसे राजनेता है, जो कृत-संकल्पित होकर लोक-कल्याण को अपना अंतिम ध्येय समझते है। खरगोन में दंगा पीड़ित परिवार की बेटी की शादी के लिए मामेरा लेकर पहुँच जाते हैं। हरदा के लोगों का इंदौर के निजी अस्पतालों में उपचार करवाते हैं। गरीब बच्चों की फीस भरते हैं। बहनों को नर्सिंग कॉलेजों से डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। जनता के बीच वे एक ऐसा चेहरा है, जिसमें सादगी और सेवा के अटूट भाव हैं। असल में क्षेत्र में उनकी पहचान एक भाई और बेटे जैसी है, जो विश्वसनीय और अडिग है। ■

गेहूँ उत्पादन की नई तकनीक

भूमि का चुनाव-खेत की तैयारी

गेहूँ की खेती के लिए काली, गुमट एवं हल्की जमीन जिसमें पानी की उपलब्धता होना आवश्यक है। अक्टूबर, नवंबर माह में दो-तीन जुताई कर खेत तैयार करें। पर्याप्त नमी के अभाव में आवश्यकतानुसार पलेवा कर खेत की तैयारी करें। यदि प्रति वर्ष संभव न हो तो हर दूसरे तीसरे वर्ष 10-15 टन प्रति हैक्टेयर गोबर की अच्छी सड़ी हुई खाद या कम्पोस्ट अवश्य प्रयोग में लाएँ।

बीज उपचार

बीज जनित रोगों के बचाव के लिए दो से तीन ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीज को थायरस/ कार्बेंडाजिम से बीज उपचारित करें। पीएसबी कल्चर 5 ग्राम/किलो बीज से उपचारित करने पर फास्फोरस की उपलब्धता बढ़ती है।

बोनी का समय

असिंचित तथा अर्द्धसिंचित गेहूँ की बोवनी 20 अक्टूबर से 10 नवंबर तक एवं सिंचित क्षेत्र में 10 नवंबर से 25 नवंबर तक की जा सकती है। इसके अलावा देर से बोए जाने वाले गेहूँ की दिसंबर तक बोवाई की जा सकती है। गेहूँ की बोवाई में तापमान 20 डिग्री के आसपास हो तो अंकुरण अच्छा होता है।

बीज दर/बोने की विधि

100 किलो प्रति हैक्टेयर। देर से बोए जाने पर बीज दर में 20 से 25 प्रतिशत वृद्धि की जा सकती है। गेहूँ में 1000 दानों में वजन के आधार पर बीज की दर निर्धारित करें। सामान्यतः 1000 दानों का वजन जितने ग्राम आए उतने कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ उपयोग में लाएँ। बोनी किस्मों में 4 से 5 से.मी. गहराई तथा असिंचित किस्मों में 5 से 6 से.मी. गहराई पर बीज की बोवाई करें। कतार से कतार की दूरी 20 से 22 से.मी. रखें।

लागत में कमी (नई तकनीक)

*बीज एवं उर्वरक में महँगे आदान की मात्रा कम करने के लिए मेड़-नाली पद्धति अपनाने से बीज दर 30-35 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

*उर्वरक की खपत में कमी

*नींदा नियंत्रण आसान

*सिंचाई में पानी की कम मात्रा

जीरो टिलेट तकनीक :

धान की पछेती फसल की कटाई के उपरांत खेत में समय पर गेहूँ की बोवनी के लिए समय नहीं बचता और खेत, खाली छोड़ने के अलावा किसान के पास विकल्प नहीं बचता ऐसी दशा में एक विशेष प्रकार से बनाई गई बीज एवं खाद ड्रिल मशीन से गेहूँ की बुवाई की जा सकती है।

जिसमें खेत में जुताई की आवश्यकता नहीं पड़ती। धान की कटाई के उपरांत बिना जुताई किए मशीन द्वारा गेहूँ की सीधी बुवाई करने की विधि को जैसे टिलेज कहा जाता है। इस विधि

उपयुक्त किस्मों का चयन : क्षेत्रवार बोवनी के समय एवं सिंचाई जल उपलब्धता के आधार पर

1. मालवा अंचल : रतलाम, मंदसौर, इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर, धार, देवास तथा गुना का दक्षिणी भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित :** जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1500, एच.आई. 1531, एच.डी. 4672 (कठिया)
- **सिंचित (समय से) :** जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 273, एच.आई. 1544, एच.आई. 8498 (कठिया), एम.पी.ओ. 1215
- **सिंचित (देरी से) :** जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी.2864, एच.आई. 1454

2. निमाड़ अंचल : खंडवा, खरगोन, धार एवं झाबुआ का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित:**जे.डब्ल्यू.3020,जे.डब्ल्यू. 3173, एच.आई. 1500, जे.डब्ल्यू. 3269
- **सिंचित (समय से) :** जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, एच.आई. 1418
- **सिंचित (देरी से) :** इस क्षेत्र में देरी से बुवाई से बचें। समय से बुआई को प्राथमिकता क्योंकि पकने के समय पानी की कमी। किस्में : जे.डब्ल्यू. 1202, एच.आई. 1454

3. विंध्य पठार : रायसेन, विदिशा, सागर, गुना का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित :** जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531, एच.आई. 8627 (कठिया)
- **सिंचित (समय से) :** जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, एच.आई. 1544, जी.डब्ल्यू. 273, जे.डब्ल्यू. 1106 (कठिया), एच.आई. 8498 (कठिया), एम.पी.ओ. 1215 (कठिया)
- **सिंचित (देरी से) :** जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी. 2864, डी.एल. 788-2

4. नर्मदा घाटी : जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, हरदा

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित :** जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531, जे.डब्ल्यू. 3211, एच.डी. 4672 (कठिया)
- **सिंचित (समय से) :** जे.डब्ल्यू. 1142, जी.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 1201, एच.आई. 1544, जे.डब्ल्यू. 1106, एच.आई. 8498, जे.डब्ल्यू. 1215
- **सिंचित (देरी से) :** जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी. 2932

5. बैनगंगा घाटी : बालाघाट एवं सिवनी क्षेत्र

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित :** जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू.3211,जे.डब्ल्यू.3288, एच.आई. 1544
- **सिंचित (समय से) :** जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, एच.आई. 1544, राज 3067
- **सिंचित (देरी से) :** जे.डब्ल्यू. 1202, एच.डी. 2932, डी.एल. 788-2

6. हवेली क्षेत्र : रीवा, जबलपुर और नरसिंहपुर का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित :** जे.डब्ल्यू. 3020, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1500
- **सिंचित (समय से) :** जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1106, जी.डब्ल्यू. 322, एच.आई. 1544
- **सिंचित (देरी से) :** जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एच.डी. 2864, एच.डी. 2932

7. सतपुड़ा पठार : छिंदवाड़ा एवं बैतूल

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित:** जे.डब्ल्यू.17, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531
- **सिंचित (समय से) :** एच.आई. 1418, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1215, जी.डब्ल्यू. 366
- **सिंचित (देरी से) :** एच.डी. 2864, एम.पी. 4010, जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203

8. गिर्द क्षेत्र : ग्वालियर, भिंड, मुरैना एवं दतिया का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित :** जे.डब्ल्यू. 3288, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1531, जे.डब्ल्यू. 3269, एच.डी. 4672
- **सिंचित (समय से) :** एच.आई. 1544, जी.डब्ल्यू. 273, जी.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1106, जे.डब्ल्यू. 1215, एच.आई. 8498
- **सिंचित (देरी से) :** एम.पी. 4010, जे.डब्ल्यू. 1203, एच.डी. 2932, एच.डी. 2864

9. बुंदेलखंड क्षेत्र : दतिया, शिवपुरी, गुना, टीकमगढ़, छतरपुर एवं पन्ना का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित :** जे.डब्ल्यू. 3288, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1500, एच.आई. 1531
- **सिंचित (समय से) :** जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, राज 3067, एम.पी.ओ. 1215, एच.आई. 8498
- **सिंचित (देरी से) :** एम.पी. 4010, एच.डी. 2864
- **विशेष :** सभी क्षेत्रों में अत्यंत देरी से बुवाई की स्थिति में **किस्में :** एच.डी. 2404, एम.पी. 1202
- **उन्नत कठिया किस्म :** एच.डी. 8713 (पूसा मंगल), एच.आई. 8381 (मालवश्री), एच.आई. 8498 (मालवा शक्ति), एच.आई. 8663 (पोषण), एम.पी.ओ. 1106 (सुधा), एम.पी.ओ. 1215, एच.डी. 4672 (मालव रत्न), एच.आई. 8627 (मालव कीर्ति)
- **सिंचित देर से बुवाई के लिए उपयुक्त किस्में :** जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3173

सिंचाई		नत्रजन	स्फुर	पोटाश
असिंचित खेती		40	20	10
अर्द्धसिंचित	एक सिंचाई दो सिंचाई	40 80	30 40	15 20
पूर्ण सिंचित	समय पर बोवाई देर से बोवाई	120 80	60 40	40 30

को अपनाकर गेहूँ की बुवाई देर से होने पर होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है एवं खेत को तैयारी पर होने वाले खर्च को भी कम किया जा सकता है। इस तकनीक को चिकनी मिट्टी के अलावा सभी प्रकार की भूमियों में किया जा सकता है। जीरो टिलेज मशीन साधारण ड्रिल की तरह ही है। इसमें टाइन चाकू की तरह है। यह टाइंस मिट्टी में नाली जैसी आकार की दरार बनाता है जिससे खाद एवं बीज उचित मात्रा एवं गहराई पर पहुँचता है।

जीरो टिलेज तकनीक के लाभ

1. इस मशीन द्वारा बुवाई करने से 85-90 प्रतिशत ईंधन, ऊर्जा एवं समय की बचत की जा सकती है।

2. इस विधि को अपनाने से खरपतवारों का जमाव कम होता है।

3. इस मशीन के द्वारा 1-1.5 एकड़ भूमि की बुवाई 1 घंटे में की जा सकती है। यह कम ऊर्जा की खपत तकनीक है अतः समय से बुवाई की दशा में इससे खेत तैयार करने की लागत 2000-2500 रु. प्रति हैक्टेयर की बचत होती है।

4. समय से बुवाई एवं 10-15 दिन खेत की तैयारी के समय को बचा कर बुवाई करने से अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है।

5. बुवाई शुरू करने से पहले मशीन का अंशशोधन कर ले जिससे खाद एवं बीज की उचित मात्रा डाली जा सके।

6. इस मशीन से सिर्फ दानेदार खाद का ही प्रयोग करें जिससे खाद एवं बीज की उचित मात्रा डाली जा सके।

7. इस मशीन में सिर्फ दानेदार खाद का ही प्रयोग करें, जिससे पाइपों में अवरोध उत्पन्न न हो।

8. मशीन के पीछे पाटा कभी न लगाएँ।

फरो इरीगेशन रेज्ड बेड (फर्व) मेड़ पर बुवाई तकनीक

मेड़ पर बुवाई तकनीक किसानों में प्रचलित कतार में बोवनी या छिड़ककर बोवनी से सर्वथा भिन्न है। इस तकनीक में गेहूँ को ट्रैक्टर चलित रोजर कम ड्रिल से मेड़ों पर दो या तीन कतारों में बीज बोते हैं। इस तकनीक से खाद एवं बीज की बचत होती है एवं उत्पादन भी प्रभावित नहीं होता है।

मेड़ पर फसल बोने से लाभ

1. बीज, खाद एवं पानी की मात्रा में कमी एवं बचत, मेड़ों में संरक्षित नमी लंबे समय तक फसल को उपलब्ध रहती है एवं पौधों का विकास अच्छा होता है।

2. गेहूँ, उत्पादन लागत में कमी।

3. गेहूँ की खेती नालियों एवं मेड़ पर की जाती इससे फसल गिरने की समस्या नहीं होती। मेड़ पर फसल होने से जड़ों की वृद्धि अच्छी होती है एवं जड़ें गहराई से नमी एवं पोषक तत्व अवशोषित करते हैं।

4. इस विधि से गेहूँ उत्पादन में नालियों का प्रयोग सिंचाई के लिए किया जाता है। यही नालियाँ अतिरिक्त पानी की निकासी की भी सहायक होती है।

5. दलहनी एवं तिलहनी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है।

6. मशीनों द्वारा निंदाई गुड़ाई भी की जा सकती है।

7. अवांछित पौधों को निकालने में आसानी रहती है।

खाद-उर्वरक

गेहूँ के लिए सामान्यतः नत्रजन स्फुर एवं पोटाश 4:2:1 के अनुपात में देना चाहिए। मिट्टी परीक्षण अवश्य कराएँ। परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फेट एवं पोटाश की मात्रा का निर्धारण करें। जिंक सल्फेट का प्रयोग 3 फसल के उपरांत 25 कि.ग्रा./हैक्टे. की दर से करें।

(अ) बोवाई के समय स्फुर एवं पोटाश की पूरी तथा नत्रजन

नींदानाशक रसायनों की मात्रा एवं प्रयोग समय

नींदानाशक	खरपतवार	दर/हे.	प्रयोग का समय
पेंडीमिथेलीन	संकरी एवं चौड़ी	1.0 कि.ग्रा.	बुवाई के तुरंत बाद
सल्फोसल्फूरान	संकरी एवं चौड़ी	33.5 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक
मेट्रीब्यूजिन	संकरी एवं चौड़ी	250 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक
2, 4-डी	चौड़ी पत्ती	.4-.5 किग्रा	बुवाई के 35 दिन तक
आइसोप्रोट्यूरान	संकरी पत्ती	750 ग्रा.	बुवाई के 20 दिन तक
आइसोप्रोट्यूरान + 2, 4-डी	चौड़ी एवं संकरी पत्ती	750 ग्रा.+ 750 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक

की 1/3 मात्रा बोवाई के समय उपयोग करें।

(ब) नत्रजन की शेष मात्रा दो बराबर हिस्सों में बाँटकर पहली तथा दूसरी सिंचाई के साथ दें।

(स) असिंचित खेती में पूरी उर्वरक की मात्रा बोवाई के समय दें तथा असिंचित खेती में नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम सिंचाई कर दें।

सिंचाई

पहली सिंचाई 25 दिनों के अंतराल में अवश्य करें क्योंकि इस समय काऊन रूप बनती हैं जिससे कल्ले ज्यादा होंगे। दूसरी सिंचाई 40 से 45 दिन में, तीसरी सिंचाई 60 से 70 दिन में, चौथी सिंचाई 80 से 90 दिन में, पाँचवीं सिंचाई 90 से 100 दिन में दुग्धावस्था में देने से अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। नई विकसित किस्मों में 5-6 सिंचाई की आवश्यकता नहीं 3-4 सिंचाई पर्याप्त (55-60 क्विंटल उपज) हैं। जहाँ तक संभव हो स्प्रिंकलर का उपयोग करें। एक सिंचाई अवस्था, पूरे कल्ले निकलने पर, दाना बनने के समय, चार सिंचाई : किरीट अवस्था, पूरे कल्ले निकलने पर, फूल आने पर, दुधिया अवस्था।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवारों द्वारा 25-35 प्रतिशत तक उपज में कमी आने की संभावना बनी रहती है। यह कमी फसल में खरपतवारों की सघनता पर निर्भर करती है। गेहूँ की फसल में होने वाले खरपतवार मुख्यतः दो भागों में बाँटे जाते हैं।

1. **चौड़ी पत्ती :** बथुआ, सेंजी, दूधी, कासनी, जंगली पालक, अकरी, जंगली मटर, कृष्णनील, सत्यानाशी, हिरनखुरी आदि।

2. **सँकरी पत्ती :** मोथा, कांस, जंगली जई, चिरैया बाजरा एवं अन्य घासें।

रासायनिक विधि से नींदा नियंत्रण को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि इससे समय की बचत होती है एवं आर्थिक रूप से भी लाभप्रद रहता है। इस विधि से नींदा नियंत्रण (तालिका में दर्शाए अनुसार) करते हैं।

पौध संरक्षण

प्रमुख कीटों में निम्नलिखित कीट ज्यादा नुकसान करते हैं :

1. **तना छेदक :** फसल के फूटान के समय इसका प्रयोग होता है। इसके नियंत्रण हेतु क्वीनालफास 25 ईसी एक लीटर दवा को 400 से 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टयर छिड़काव करें।

2. **मकड़ी एवं तेला :** यदि फसल पर लाल मकड़ी दिखाई दे तो डायमेथोएट 30 ईसी या फास्फोमिडान 85 डब्ल्यू.सी. का 300 मि.ली. 300 से 400 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

3. **झुलसा रोग :** फसल पर झुलसा रोग के लक्षण दिखाई दे तो कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से 3 बार छिड़काव करें।

4. **करनॉलबंट/कंडवा (लूस स्मट) :** प्रायः यह रोग म.प्र. में नहीं पाया जाता है। फिर भी यदि लक्षण दिखाई दें तो रोगग्रस्त बालियाँ उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।

5. **गेरुआ रोग :** यह लाल भूरा आदि रंग का होता है। सबसे अधिक हानि काले रस्ट से होती है। ज्यादा रोग फैलने पर दाने राई की तरह हो जाते हैं। पौधा लोहे की जंग के रंग का हो जाता है। नियंत्रण के लिए गंधक चूर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर से भुरकाव करें या डायथेन एम-45 (0.2 प्रतिशत) का भुरकाव करें। इस रोग पर घुलनशील गंधक (0.2 प्रतिशत) घोल का प्रयोग करें।

कटाई एवं गहाई

फसल के पूरी तरह पकने पर कटे हुए गेहूँ के बंडल सावधानीपूर्वक बनाएँ। ज्यादा सूखने पर दाने झड़ने का अंदेशा रहता है तथा कटाई के तुरंत बाद थ्रेसिंग कार्य करना चाहिए। ■

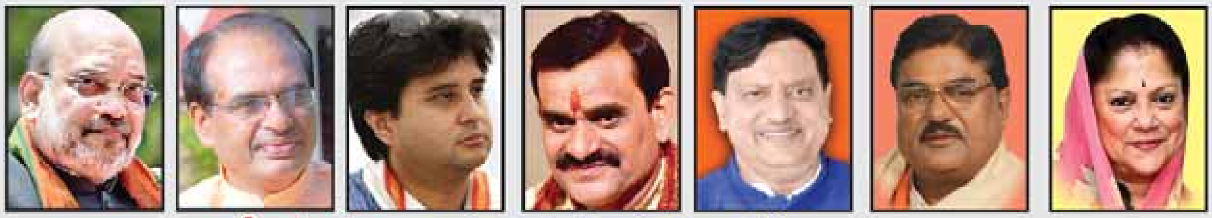

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण | दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)

श्री चन्द्रमौलि शुक्ला (कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री महेन्द्र दीक्षित (आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए. कमाली ([illegible])
श्री पी.एस. पुरी (प्रभारी सीईओ)

सौजन्य से
श्री कमलसिंह झोरण (शा.प्र. बरोठा)
श्री मदनलाल चौधरी (पर्य. बरोठा)
श्री विजय जायसवाल (शा.प्र. हाटपीपल्या)
श्री हुकुमसिंह सोलंकी (पर्य. हाटपीपल्या)
श्री आयुष पाटनी (शा.प्र. देवगढ़)
श्री भीमसिंह परिहार (पर्य. देवगढ़)
श्री अर्केसिंह सोलंकी (शा.प्र. भौरासा)
श्री नंदकिशोर बोडाना (शा.प्र. डबलचौकी)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरोठा, जि.देवास
श्री नितेश नागर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सन्नौड़, जि.देवास
श्री विष्णु मुकाती (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सिरोलिया, जि.देवास
श्री प्रहलाद चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. खोकरिया, जि.देवास
श्री नरहरिसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कैलोद, जि.देवास
श्री रामगोपाल वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पटाड़ी, जि.देवास
श्री बाबूलाल बागवान (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. हाटपीपल्या, जि.देवास
श्री भरत कुमार सेंधव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बरखेड़ा सोमा, जि.देवास
श्री हुकुमसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अरलावदा, जि.देवास
श्री मानसिंह सिकरवार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मानकुंड, जि.देवास
श्री कुंजीलाल आन्जना (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नेवरी, जि.देवास
श्री बिहारीसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. करनावद, जि.देवास
श्री सुरेश वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. देवगढ़, जि.देवास
श्री सत्यनारायण चौधरी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़ियामांडु, जि.देवास
श्री धीरजसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. आमलाताज, जि.देवास
श्री भीमसिंह परिहार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टप्पा सुकलिया, जि.देवास
श्री भीमसिंह परिहार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. डबलचौकी, जि.देवास
श्री राधेश्याम बोडाना (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. नार्याखेड़ा, जि.देवास
श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अकबरपुर, जि.देवास
श्री संतोष नानकिया (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भौरासा, जि.देवास
श्री तेजसिंह राजपूत (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. पोलाय जागीर, जि.देवास
श्री बोंदरसिंह यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बौलासा, जि.देवास
श्री राकेश सिंह बैस (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सँवरसी, जि.देवास
श्री विक्रमसिंह चौधरी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

श्रद्धांजलि : मुलायमसिंह यादव

राजनीतिक युग का अवसान

■ **कलराज मिश्र**
राज्यपाल, राजस्थान

मुलायम सिंह यादव का बिछोह राजनीति के एक युग का अवसान है। वह बहुत नेकदिल सच्चे इंसान थे। मैं यह मानता हूं, वह संबंधों का मर्म समझते हुए रिश्तों को शिद्दत से निभाने वाली विरल शख्सियत थे। याद नहीं पहली भेंट उनसे कब हुई थी, परंतु राजनीति के आरंभिक दिनों से ही उनसे एक निकट का नाता हो गया था। बाद के दिनों में यह नाता और गहरा होता गया। प्यार और सम्मान के गहरे अर्थों में समाहित होता चला गया। राजनीतिक दल को ध्यान में रखें, तो हम दोनों भले ही सदा अलग-अलग रहे, परंतु जो अपनापन और प्यार, सम्मान उन्होंने दिया, उसे मैं कभी भुला नहीं सकता।

मुझे याद है, आपातकाल के दौरान उन्होंने भी बहुत कष्ट झेले थे और जेल में रहे थे। भारतीय जनता पार्टी बनने के पश्चात उत्तर प्रदेश में भाजपा और लोकदल का राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा बना था, इसके अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव थे और महामंत्री मैं था। हमने बहुत से स्तरों पर साथ-साथ काम किया। राजनीति में रहते हुए इस बात को मैंने निकट से अनुभव किया कि उनमें न केवल उत्तर प्रदेश की गहरी भौगोलिक व सामाजिक समझ थी, बल्कि उनकी राजनीतिक दृष्टि भी बहुत व्यापक थी। अपने कार्यकर्ताओं के प्रति उनके मन में गहरा लगाव भी मैंने शुरू से ही देखा, महसूस किया। शायद इसी गुण के चलते वह अपनी पार्टी को सत्ता तक पहुंचा पाए।

राजनीति में जमीन से जुड़े उन जैसा नेता इस समय बहुत कम रह गए हैं। ऐसे में, मुलायम सिंह लोगों को और अधिक याद आएंगे। वह जन-जन से जुड़ाव रखने वाले सही मायने में जमीनी नेता थे। उन्हें सब 'नेताजी' ऐसे ही नहीं कहते थे, वह नेतृत्व के अद्भुत गुण रखने वाले नेता थे और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करते थे। इसीलिए हर कोई उनके नेतृत्व में कार्य करने के लिए भी तत्पर रहता था। याद है, उत्तर प्रदेश में जब मायावती मुख्यमंत्री थीं, तब मैं उस समय सार्वजनिक निर्माण विभाग का मंत्री हुआ करता था। इटावा में तब हमने सार्वजनिक निर्माण विभाग से भवन बनवाए थे। उन्हीं दिनों समाजवादी पार्टी का एक अखिल भारतीय सम्मेलन वहां होने वाला था। उन्होंने फोन करके सम्मेलन में आने वाले लोगों के लिए वह भवन उपलब्ध कराने और दूसरी कुछ छोटी-मोटी व्यवस्थाएं करने के लिए आग्रह किया। उनकी छवि ऐसी थी कि उनका आग्रह न मानने का सवाल ही नहीं उठता था। मुझे याद है, बाद में मुलायम जब भी मिलते, तो इस प्रकरण का जिक्र जरूर छेड़ते थे। इस तरह की मदद कोई ऐसी बड़ी बात नहीं थी, लेकिन यह उनका व्यक्तित्व था कि वह भी किसी स्तर पर कोई सहयोग करता, तो उसको कभी भूलते नहीं थे।

मुलायम सिंह दलगत राजनीति से बहुत ऊपर थे, संबंध निभाना जानते थे और जिससे भी निकटता होती थी, उसके लिए दलीय लीक से हटकर कुछ करना होता, तो वह उसमें चूकते नहीं थे। बहुत से ऐसे और भी प्रसंग हैं, जो आज याद आ रहे हैं और आगे भी याद आएंगे। कई ऐसे मामले भी हैं, जब मैंने राजनीतिक रूप से उन्हें कोई सलाह दी थी और उन्होंने ज्यादा सोचे बगैर ही मान लिया। ऐसे भी मौके आए, जब अपने स्वयं के दल के अंतर्गत भी कुछ बड़ा निर्णय करना होता था, तब भी वह विचार-विमर्श करते थे। गांवों के विकास, गरीबों के उत्थान में उनकी गहरी रुचि थी। वह बहुत बड़े नेता हो गए, लेकिन उन्होंने अपने गांव और निर्वाचन क्षेत्र को कभी नहीं छोड़ा। गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ वहां के पारंपरिक जीवन से भी उनका निकट का नाता बना रहा। व्यक्तिगत रूप से भी मुलायम सिंह के संबंध लोगों से इतने गहरे बनते थे कि लोग किसी दूसरे दल से भले जुड़ जाते थे, लेकिन मुलायम सिंह से उनका नाता नहीं टूटता था।

उनके साथ की कितनी-कितनी यादें हैं, बातें रह-रहकर मन में इस समय कौंध रही हैं। मैं यह मानता हूं कि जो आत्मीयता और अपनत्व उनके साथ रहा, वह मेरे जीवन की अमूल्य थाती है। उनका बिछोह भारतीय राजनीति में कभी न भरने वाला खालीपन है। उनका अनंत में विलीन होना, सिद्धांत और रिश्तों की मर्यादा निभाते एक भरपूर प्यार-नेह निभाने वाले व्यक्तित्व का सदा के लिए हमसे दूर चले जाना है। मुलायम सिंह यादव का न होना, व्यक्तिगत मेरे लिए ऐसी रिक्तता है, जो कभी नहीं भरी जा सकेगी। ■

कैसे चुनें स्टार्टअप कंपनी का जॉब ऑफर

स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास की गति में उतार-चढ़ाव की खबरें आती रहती हैं। पर, आंकड़े बताते हैं कि कैंपस सेलेक्शन में स्टार्टअप की शिरकत लगातार बढ़ रही है। देखा जाए तो ग्रेजुएट्स के लिए ये मौकों का शानदार मंच बन सकते हैं। लेकिन यह जानना जरूरी है कि क्यों और किन बातों को ध्यान में रखकर स्टार्टअप का ऑफर चुनना चाहिए और ये कैसे युवाओं के लिए अवसर बना रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों की सबसे बड़ी चिंता उनके कैंपस या कैंपस के बाहर से मिलने वाले अवसर को लेकर होती है। इस संदर्भ में स्टार्टअप नए अवसरों के मंच बनकर उभर रहे हैं। जैसे पिछले वर्ष आईआईटी मद्रास में स्टार्टअप कंपनियों के द्वारा छात्रों को दिए जा रहे प्रस्तावों में 100 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इतना ही नहीं, कैंपस के बाहर भी इंडस्ट्री अनुभव के लिए ये अच्छा मौका साबित हो रहे हैं। आकड़ों के अनुसार, बीते दिनों में इस मंच ने 7,86,000 जॉब्स लोगों को दी हैं। नासकॉम के अनुसार 2025 तक 200 स्टार्टअप अपना विस्तार करने जा रहे हैं, ऐसे में जॉब के अवसरों की संख्या बढ़ेगी।

फ्रेशर्स पर है ध्यान

जानकारों का कहना है कि स्टार्टअप कंपनियां अब संस्थानों के फ्रेश ग्रेजुएट्स में दिलचस्पी ले रही हैं। खासकर टेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स के लिए मौके बन रहे हैं। इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट संस्थानों में प्लेसमेंट के लिए स्टार्टअप कंपनियों की भागीदारी बढ़ रही है। वर्ष 2019 में स्विगी ने विभिन्न इंजीनियरिंग कैंपस से 40 के लगभग छात्र लिए थे। 2021 में आईआईएम इंदौर में स्टार्टअप के बड़े नामों की भागीदारी में 80 फीसदी की उछाल देखने को मिला। अनुभवी उम्मीदवारों को स्टार्टअप बेहतर पैकेज देकर आकर्षित कर रहे हैं।

रिमोट वर्किंग का मॉडल

यह भी देखने में आ रहा है कि ये मंच वर्क फ्रॉम होम, रिमोट वर्किंग और गिग जॉब्स के लिए खास राहें बना रहे हैं। इस तरह कंपनी के खर्च बचते हैं, साथ ही छोटे शहरों से भी युवा टैलेंट को चुना जा सकता है। दरअसल, स्टार्टअप कंपनियों को ऐसा ताजा टैलेंट चाहिए, जो उनके वर्क कल्चर में ढलकर भविष्य की लीडरशिप का हिस्सा बन सके। जाहिर है कि फ्रेश ग्रेजुएट्स इसके लिए उपयुक्त उम्मीदवार होते हैं।

दे रहे अच्छे प्रस्ताव

कई स्टार्टअप कंपनियां अपने कर्मियों को जॉब प्रस्ताव में स्टॉक भी देती हैं। हालांकि इसका फायदा एक खास अवधि तक कंपनी में काम करने के बाद ही मिलता है। वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार स्टार्टअप में महत्वपूर्ण 146 जॉब्स को देखें, तो पाते हैं कि स्टार्टअप कंपनियों में 10 लाख से 50 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच सैलरी रही है। बैंगलोर के कई स्टार्टअप ने अपने यहां सैलरी में 15-25 प्रतिशत की औसत वृद्धि की है। वहीं टैलेंट.कॉम के अध्ययन के अनुसार भारत में स्टार्टअप में औसत सैलरी 10 लाख रुपये के लगभग है। जिसमें एंट्री लेवल पदों के लिए शुरुआत में औसतन 4,50,000 रुपये प्रति वर्ष तक मिल जाते हैं। ■

नई सोच को वरीयता

लंबी दूरी के फायदों को देखते हुए स्टार्टअप की नौकरी एक फ्रेशर के लिए अच्छी साबित हो सकती है। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अनुसार स्टार्टअप में भले ही आपको ज्यादा काम करना पड़ सकता हो, लेकिन यह आपको उसकी लीडरशिप का हिस्सा बनने का आसान अवसर देता है। स्टार्टअप में उम्मीदवार को एक से ज्यादा कार्य करने का अनुभव मिलता है। नयी परिस्थितियों में काम करने की कला का विकास होता है। इंडस्ट्री को करीब से समझने का मौका मिलता है। आमतौर से स्टार्टअप में जॉब इंटरव्यू की प्रक्रिया में सीधे संस्थापक या ठीक उससे नीचे के पद के लोगों की सक्रिय भूमिका होती है। सामान्यत स्टार्टअप के जॉब इंटरव्यू में आपसे यह जानने की कोशिश होती है कि आप इस नई कंपनी के लिए क्या नया कर सकते हैं, समूह में आप कैसा महसूस करते हैं और कंपनी आगे बढ़ाने के लिए आपकी क्या सोच है। एक स्टार्टअप की संस्कृति में कार्यशैली की स्वतंत्रता अधिक होती है।

शुभ दीपावली

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव (भारसाधक अधिकारी)
श्री हीरालाल मालवीय (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति दलौदा, (जि.मंदसौर)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री अर्जुनसिंह भदौरिया (भारसाधक अधिकारी)
श्री पर्वतसिंह यादव (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति शामगढ़, (जि.मंदसौर)

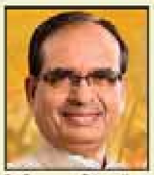
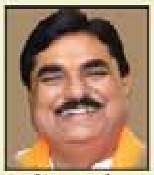

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

सुश्री कविता बड़ोले (भारसाधक अधिकारी)
श्री सुरेन्द्र सिंह भिलाला (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सुवासरा (जि.मंदसौर)

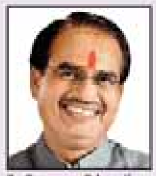

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री राजवर्धन सिंह (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री प्रवीण वर्मा
(संयुक्त संचालक उज्जैन संभाग)

श्री संदीप शिवा (भारसाधक अधिकारी)
श्री रमेशचंद्र मुजावदिया (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सीतामऊ (जि.मंदसौर)

सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सूरत में कृभको के बायो-इथेनॉल परियोजना का शुभारंभ किया

कृभको के जैव इथेनॉल से किसानों की आय बढ़ेगी

सूरत। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात के सूरत में कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड की बायो-इथेनॉल परियोजना कृभको हजीरा का शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल और रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि कृभको की जैव-इथेनॉल परियोजना, कोऑपरेटिव क्षेत्र, पर्यावरण सुधार, किसानों की आय को दोगुना करने, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने व ग्लोबल वॉर्मिंग की चुनौती का सामना करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा चलाए जा रहे लाए जा रहे बहुआयामी अभियान की दिशा में एक सार्थक कदम है। इस परियोजना से हज़ीरा में 2 लाख 50 हज़ार लीटर की दैनिक क्षमता वाला बायो-इथेनॉल संयंत्र स्थापित होगा जो 8.25 करोड़ लीटर जैव-ईंधन का उत्पादन करेगा, इससे ढाई लाख मीट्रिक टन मक्का या पर्याय उपजों को अच्छा बाज़ार भी मिलेगा। गुजरात के लगभग नौ ज़िलों में मक्का मुख्य उपज है और इसके अलावा राज्य के दस ज़िलों में मक्का की पैदावार हो सकती है और इस संयंत्र के माध्यम से किसानों को बहुत फ़ायदा हो सकता है। साथ ही इससे ख़राब मक्के का भी ईंधन बनकर देश के अर्थतंत्र और विदेशी मुद्रा भंडार को फ़ायदा होगा और ये संयंत्र निराश किसानों के जीवन में एक नई आशा का संचार करेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि कृभको एक जानी-मानी और अनेक प्रकार की गतिविधियों से जुड़ी संस्था है। कृभको देश का एक बड़ा सफल सहकारी प्रकल्प है जो दुनियाभर में देश के कोऑपरेटिव के मॉडल रूप में जाना जाता है। उन्होने कहा कि कृभको के फुल फॉर्म में कृषक भारती शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि क्योंकि कृभको भारत के किसानों का प्रतिनिधित्व करती है।

मत्स्य पालकों की आर्थिक उन्नति के लिए विशेष ध्यान

इंदौर। मछुआ कल्याण तथा मत्स्य पालन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में मछली पालन क्षेत्र का अहम योगदान है। प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में मार्केटिंग, ब्रांडिंग और एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए कारगर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के मत्स्य पालकों के सामाजिक तथा आर्थिक उन्नति के लिये भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिये अनेक लाभकारी योजनाएँ और कार्यक्रम शुरू कर उनका लाभ मत्स्य पालकों तक पहुँचाया जा रहा है।

श्री सिलावट मत्स्य पालन के क्षेत्र में मार्केटिंग, ब्रांडिंग और एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए इंदौर में संपन्न हुई राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में 5 देशों तथा 8 राज्यों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में मत्स्य उत्पादक, मत्स्य पालक एवं मत्स्य विक्रेताओं ने हिस्सा लिया। सांसद श्री शंकर लालवानी, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, विधायक श्री रमेश मेंदोला, केन्द्र सरकार के मछली पालन विभाग के संयुक्त सचिव श्री सागर मेहरा, राज्य सरकार के मछली पालन विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की सुश्री आर. वनिता तथा राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड हैदराबाद के संचालक श्री विजय कुमार भी उपस्थित थे।

कार्यशाला में मत्स्य महासंघ द्वारा मछुआ प्रोत्साहन राशि और आजीविका सहयोग योजना में 11 करोड़ की राशि का वितरण भी किया गया। साथ ही मछली उत्पादन और विक्रय के लिए मदद करने हेतु 50 मोटरसाइकिल, 100 किसान क्रेडिट कार्ड सहित अन्य योजना का लाभ भी मछुआ युवाओं को वितरित किये गये। प्रदेश में नवाचार के रूप में मार्केटिंग के लिए स्मार्ट फिश पार्लर भी खोले जाएंगे।

मोदीजी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पूर्वोत्तर का विकास हुआ

गंगटोक। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सिक्किम की राजधानी गंगटोक में ईस्टर्न एंड नॉर्थ-ईस्टर्न कोऑपरेटिव डेयरी कॉन्क्लेव 2022 का उद्घाटन किया। एक अन्य कार्यक्रम में श्री अमित शाह ने गंगटोक के राजभवन में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर सिक्किम के राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद और मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र डेयरी सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि एक हिमालयन राज्य में 15 साल पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि देश भर की सहकारिता डेयरी कॉन्क्लेव यहां हो सकती है। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन ही महिला सशक्तिकरण, गरीबी उन्मूलन और किसान की आय दोगुना करने का एकमात्र रास्ता है और सिक्किम में छोटे छोटे किसान भाइयों द्वारा प्रतिदिन दो लाख लीटर दूध उत्पादन देखकर मन को बहुत शांति मिलती है और आनंद की अनुभूति होती है। श्री शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने हर पंचायत के अंदर एक मल्टीपर्पज पैक्स की योजना बनाई है जो डेयरी, एफपीओ, कृषि और गैस उत्पादन के वितरण का काम करेंगी। साथ ही एलपीजी वितरण और जहां जरूरत है वहां पेट्रोल पंप और भंडारण की व्यवस्था तथा मार्केटिंग की व्यवस्था भी करेंगी। पैक्स गांव में पीसीओ के माध्यम से सिक्किम जैसे पहाड़ी राज्य के गाँवों को पूरी दुनिया के साथ जोड़ने का भी काम करेंगी। उन्होने कहा कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने इस प्रकार के मल्टीपर्पज और मल्टीडाइमेंशनल पैक्स की योजना बनाई है।

राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार में मध्यप्रदेश को मिले 8 पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2018-19 में एक बार फिर मध्यप्रदेश का परचम लहराया है। विश्व पर्यटन दिवस पर नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने पुरस्कार समारोह में हिंदुस्तान के दिल मध्यप्रदेश को 8 विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार प्रदान किए। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ की गरिमामय उपस्थिति में केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने पुरस्कार प्रदान किए। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर पुरस्कार ग्रहण किए। महापौर इंदौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, महापौर उज्जैन श्री मुकेश टटवाल, प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला और अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री विवेक श्रोत्रिय विशेष रूप से मौजूद रहे।

मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा है कि केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय से मध्यप्रदेश को अवार्ड मिलना गौरवशाली पल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में प्रदेश ने पर्यटन में नित नए नवाचार किए है, जो आगे भी जारी रहेंगे। पुरस्कार पर्यटन विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारियों की मेहनत का फल है।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा है कि राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार, मध्यप्रदेश के लिए प्रेरणा का कार्य करेगा। विश्व पर्यटन दिवस 2022 की थीम 'री थिंकिंग टूरिज्म' पर प्रदेश में पहले से ही कार्य करना शुरू कर दिया गया है। स्थानीय समुदाय को पर्यटन में सहभागी बनाते हुए सबका सहयोग और सबका विकास की अवधारणा के साथ प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

'सिविक मैनेजमेंट ऑफ ए टूरिस्ट डेस्टिनेशन इन इंडिया' (कैटेगरी ए) के लिए देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को पुरस्कार मिला है। इस कैटेगरी में प्रदेश को अब तक 7 अवॉर्ड मिल चुके है। 2010-11 और 2011-12 में मांडू, 2012-13 में पचमढ़ी, 2013-14 में महेश्वर, 2015-16 में खरगोन (कैटेगरी बी) और 2016-17 में ओंकारेश्वर (कैटेगरी बी) सम्मानित हो चुके हैं। 'बेस्ट मेन्टेंड एंड डिसेबल्ड फ्रेंडली मॉन्यूमेंट' के लिए शिव मंदिर, भोजपुर को अवॉर्ड मिला है। इसके पहले 2017-18 में साँची स्तूप, 2014-15 में अमरकंटक मंदिर और 2013-14 में शिव मंदिर भोजपुर के लिए प्रदेश को यह सम्मान मिल चुका है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने एनएससी के जैविक बीज फार्म का किया शिलान्यास

बीज फार्म से किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज मिलेंगे

मुरैना। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मुरैना में राष्ट्रीय बीज निगम (एनएससी) के जैविक बीज फार्म का शिलान्यास किया। इसके प्रारंभ होने पर मध्यप्रदेश के किसानों को तिलहन के नए जैविक बीज उपलब्ध होंगे। इस फार्म से किसान आधुनिक पद्धतियों से अवगत होंगे। उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिलेंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने घोषणा की कि पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राष्ट्रीय चंबल वन्य जीव अभयारण्य की 207 हेक्टेयर भूमि डी-नोटिफिकेशन करने की अनुशंसा का बड़ा फैसला लिया है। यह अभयारण्य क्षेत्र राजस्व भूमि होने से रेत की उपलब्धता स्थानीय स्तर पर होने से रोजगार भी बढ़ेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने बताया कि केंद्र सरकार ने मुरैना में जैविक बीजों के उत्पादन के लिए बीहड़ क्षेत्र में भूमि सुधार कर फार्म स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए म.प्र. सरकार द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्रालय को मुरैना के 4 गाँवों गडोरा, जाखौना, रिठौरा खुर्द, गोरखा में 885.34 हेक्टे. जमीन आवंटित की गई है। चंबल क्षेत्र का बीहड़ होने से कृषि कार्य नहीं हो पा रहा था। एनएससी किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है और 15 लाख क्विंटल गुणवतायुक्त प्रमाणित बीज उत्पादित कर किसानों को उपलब्ध करा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने मुरैना में जैविक बीजों के उत्पादन के लिए फार्म विकसित करने की जिम्मेदारी एनएसपी को सौंपी है। मुरैना में रेवाइंस क्षेत्र में बीज उत्पादन से भूमि में सुधार होगा व भूमि उपजाऊ होगी। स्थानीय किसान भूमि सुधार से प्रेरित होकर अपने खेतों में भी भूमि सुधार कर नवीनतम वैज्ञानिक पद्धति से बीज उत्पादन कर खेती में कम लागत से उच्च आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। कृषकों को यहाँ बीज उत्पादन की नवीनतम तकनीक सीखने को मिलेगी। एनएससी के विशेषज्ञों द्वारा स्थानीय और प्रदेश के किसानों को ट्रेनिंग के जरिये नवीनतम बीज उत्पादन तकनीक सिखाई जाएगी। मुरैना के स्थानीय श्रमिकों को फार्म में भूमि सुधार एवं बीज उत्पादन से रोजगार प्राप्त होगा।

खुडेल सहकारी दुग्ध समिति के सदस्यों को बोनस दिया

इंदौर। दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति खुडेल का बोनस वितरण कार्यक्रम एवं पशुधन पाठशाला का आयोजन गत दिवस किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित इंदौर श्री मोती सिंह पटेल एवं विशेष अतिथि इंदौर दुग्ध संघ के संचालकगण श्री रामेश्वर गुर्जर, श्री विक्रम मुकाती, श्री कृपाल सिंह सेंधव, श्री सुभाष चौधरी उपाध्यक्ष जनपद पंचायत इंदौर, श्रीमती पुष्पा अनिल सेठ सरपंच खुडेल, श्री ए.एन. द्विवेदी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री डॉ. ओ.पी. झा महाप्रबंधक क्षेत्र संचालन थे।

दुग्ध समिति के अध्यक्ष श्री लीलाधर भारतीय एवं संचालक मंडल के सदस्यों श्री संतोष सोमतिया, श्री विक्रम सोमतिया, सुनील मुकाती एवं सचिव हरि मुकाती द्वारा अतिथियों का शाल श्रीफल और पुष्पहार से स्वागत किया गया। दुग्ध समिति के सदस्यों को दुग्ध समिति एवं दुग्ध संघ का बोनस राशि 6 लाख 71 हजार रूपये अतिथियों द्वारा वितरित किया गया। जिसमें श्री मदन मुकाती को 16 हजार 600 रुपये, श्री लक्ष्मीनारायण को 16 हजार 500 रुपये, श्री हमीद खान को 13 हजार 100 रुपये बोनस प्राप्त हुवा। दुग्ध समिति द्वारा अपने सदस्यों को विगत कई वर्षो से 10 से 20 रुपये प्रति किलो फैट दुग्ध संघ द्वारा घोषित क्रय दर के अतिरिक्त दिया जा रहा है। कार्यक्रम को मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए.एन. द्विवेदी द्वारा संबोधित करते हुए पशुधन पाठशाला के विषयों पर प्रकाश डालते हुए दुग्ध संघ की गतिविधियां की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मोती सिंह पटेल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम को श्री रामेश्वर गुर्जर, श्री विक्रम मुकाती, श्री कृपाल सिंह सेंधव, श्री डॉ ओ.पी. झा द्वारा भी संबोधित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक क्षेत्र संचालन श्री एस.के जैन द्वारा एवं आभार सचिव दुग्ध समिति श्री हरि मुकाती द्वारा माना गया।

प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में अपनाने की जरूरत

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि के अभियान को मिशन मोड में लेने के लिए उनका आभार मानते हुए कहा है कि इस पवित्र लक्ष्य से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को सुरक्षित स्वरूप में छोड़ पाएंगे। इन अभियानों से मानव जीवन के साथ जीव-जन्तुओं की सुरक्षा की व्यवस्था भी होगी। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती की दिशा में 2021 से कार्य आरंभ हुआ और अब तक 59 हजार से अधिक किसान इस अभियान से जुड़ चुके हैं। डिजिटल कृषि में क्राप सर्वे, रिफरेंस रजिस्ट्री, फार्मा रजिस्ट्री और पीएम किसान डाटा बेस का उपयोग कर प्रदेश के किसानों के हित में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि पर हुई बैठक में यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री चौहान बैठक में निवास कार्यालय से वर्चुअली शामिल हुए। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मांडविया उपस्थित थे। प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि पर प्रस्तुतिकरण हुआ। बैठक में मणिपुर, असम, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री तथा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं अरुणाचल प्रदेश के कृषि मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि क्षेत्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

पेस्ट फ्री एरिया फॉर एक्सपोर्ट ऑफ़ एग्रीकल्चर कमोडिटीज पर हुई कार्यशाला

कीटों की रोकथाम के लिए सावधानी रखना जरूरी

भोपाल। बेहतर उत्पादन और किसानों को लाभान्वित करने के लिए जरूरी है कि कीटों से फसलों की सुरक्षा बेहतर तरीके से की जाए। फसलों को कीटों से बचाने की जिम्मेदारी कृषि वैज्ञानिकों से लेकर कृषक तक की है। उन्होंने कहा कि फसलों को कीटों से बचाव कर हम बेहतर उत्पादन और बेहतर इनकम प्राप्त कर सकते हैं। यह बात आज अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में 'प्लांट प्रोटेक्शन पेस्ट फ्री एरिया' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्लांट प्रोटेक्शन एडवाइजर फरीदाबाद डॉ. जे.पी. सिंह ने कही। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड की प्रबंध संचालक श्रीमती जी.व्ही. रश्मि ने कहा कि राज्य सरकार 'कृषि और कृषक सबसे पहले' की नीति पर कार्य कर किसानों को लाभान्वित कर रही है।

एमडी मंडी बोर्ड श्रीमती रश्मि ने कहा कि राज्य शासन द्वारा गेहूँ निर्यात को प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश गेहूँ निर्यात के क्षेत्र में देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में सकल निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश स्टेट कॉउंसिल का भी गठन किया गया है। 'कृषि और कृषक सबसे पहले' की नीति पर प्रदेश में फार्म गेट एप्प प्रारंभ कर किसानों को उनके खेत एवं खलिहान से ही उपज के विक्रय का अधिकार एवं साधन उपलब्ध कराये गये हैं। इससे उपज के रख-रखाव और परिवहन में होने वाले समय की बचत की जा सकेगी। कार्यशाला करनाल बंट की रोकथाम पर केंद्रित रही। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूँ की फसल में लगने वाले कीट करनाल बंट से बचाव के उपाय बताए गए। वैज्ञानिकों ने अपने रिसर्च के आधार पर करनाल बंट बीमारी की रोकथाम मध्यप्रदेश में किस तरह की जा सकती है, की जानकारी दी। कार्यशाला में जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश में करनाल बंट बीमारी का कोई भी प्रकरण अभी तक नहीं आया है। विदेशों में मध्यप्रदेश में उत्पादित गेहूँ की अत्याधिक मांग है।

एचओडी प्लांट पैथोलॉजी जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी जबलपुर श्री जयंत भट्ट, आईआईडब्ल्यूबीआर प्रिंसिपल साइंटिस्ट करनाल श्री सुधीर कुमार, ज्वाइंट डायरेक्टर प्लांट प्रोटेक्शन फरीदाबाद श्री ओ.पी.वर्मा सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कृषि अधिकारी मौजूद रहे। कृषि विपणन बोर्ड के अपर संचालक (निर्यात) श्री डी.के. नागेंद्र ने आभार माना।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंको से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री आशीष सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता)
श्री एम.ए.कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री विशेष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. उज्जैन

माननीय सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया को जन्मदिवस की बधाइयाँ
सभी किसान भाइयों को दीपावली की शुभकामनाएँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंको से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री संजय दलेला (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री अरुण मिश्रा (उपायुक्त सहकारिता)
श्री कमल मकाश्रे (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर

बाघ प्रिंट प्राकृतिक रंगों और कारीगरी की अद्‌भुत कला

धार। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बाघ प्रिंट की अद्भुत कला प्रकृति के बहुत नजदीक है। मांडू प्रवास के दौरान मुझे स्व-सहायता समूह की बहनों की बाघ प्रिंट से जुड़ी गतिविधियों को निकट से देखने-समझने का सौभाग्य मिला है। साथ ही मुझे प्राकृतिक रंगों और हाथ की कारीगरी के जादू से मनमोहक कलाकृति को उकेरती यह कला, प्रयोग कर सीखने को मिली है। स्व-सहायता समूह की बहनों और बाघ प्रिंट से जुड़े सभी कलाकारों को मेरी शुभकामनाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान धार जिले के माण्डू में बाघ प्रिंट के कलाकारों की कलाकृति और महिला स्व-सहायता समहों के उत्पाद का अवलोकन कर कलाकारों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान एक जिला-एक उत्पाद, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में हुए कार्यों से भी अवगत हुए। उन्होंने माण्डव के ऐतिहासिक महल, स्मारक और पर्यटन-स्थल देखे। मुख्यमंत्री, माण्डू के दो दिवसीय प्रवास पर थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों द्वारा जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक उत्पादों से निर्मित रंगों से की जा रही बाघ प्रिंटिंग को देखा। मुख्यमंत्री ने बाघ प्रिंट के कार्य को समझा और उसे कपड़े पर उकेरा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व-सहायता समूह की सदस्यों, स्थानीय शिल्पियों के द्वारा किये जा रहे कार्यों, उनके द्वारा निर्मित उत्पाद के संबंध में उनसे संवाद किया और बेहतर प्रगति के लिये तारीफ भी की। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव, पूर्व मंत्री सुश्री रंजना बघेल,जन-प्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचेगा शासकीय योजनाओं का लाभ

रायसेन। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत रखने के साथ ही नशे सहित सभी तरह के अवैध कारोबार को ध्वस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान रायसेन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में संबल 2.0 योजना अंर्तगत 15 हजार 948 श्रमिक परिवार के बैंक खातों में 345 करोड़ 59 लाख रूपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के अनेक जिलों में हुई असमय बारिश से फसलों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि- चिंता मत करना सरकार आपको संकट से पार ले जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा के साथ राहत राशि भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर हाल में गरीबों का सम्मान कायम रखा जाएगा। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान भी इसीलिए चलाया जा रहा है, जिससे कोई भी गरीब शासन की किसी भी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब परिवारों को घर बनाने के लिए जमीन देगी, चाहे खरीद कर जमीन देना पड़े पर सरकार किसी भी गरीब को बिना घर के नहीं रहने देगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंच से ही खाद उपलब्धता और वितरण की समीक्षा करते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि खाद की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने प्रशासन को अपना खुफिया तंत्र मजबूत करने और खाद सहित राशन की चोरी करने वालों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कटनी, छतरपुर, देवास, अशोकनगर और नर्मदापुरम जिलों की महिला हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद किया। श्रम कल्याण मण्डल की तीन विवरणिका का विमोचन किया। उन्होंने रायसेन जिले के संबंल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह राशि के चेक भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर और जिले के अन्य अधिकारियों को मंच पर बुला कर मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की प्रगति की समीक्षा की। श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने भी संबोधित किया। सांसद श्री रमाकांत भार्गव, विधायक श्री रामपाल सिंह और श्री सुरेन्द्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा उपस्थित थे।

जनसेवा अभियान के तहत ग्रामीणों को मिली सौंगातें

हरदा। प्रदेश के वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, कृषि मंत्री श्री कमल पटेल व स्कूल शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने खिरकिया विकासखण्ड की बड़वानी पंचायत के ग्राम भागपुरा में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत सौगातें वितरित की। इस दौरान मंत्रीगण ने बालिका माही कलम व सिया कलम को लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत प्रमाण-पत्र प्रदान किये। उन्होने गांव की कुछ महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन के कागजात गैस चूल्हा, रेगुलेटर व सिलेण्डर प्रदान किये। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा कन्या पूजन कर किया गया।

वित्त मंत्री श्री देवड़ा ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले के सभी गरीब परिवारों को उनकी पात्रता के आधार पर सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों, आदिवासियों, किसानों, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिये कृत संकल्पित है और गरीबों के जीवन स्तर में सुधार के लिये सरकार ने नई-नई योजनाएं प्रारम्भ की है। इस दौरान मांधाता क्षेत्र के विधायक श्री नारायण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, उपाध्यक्ष श्री दर्शनसिंह गहलोद, कलेक्टर श्री ऋषि गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री मनीष अग्रवाल व जिला भाजपा अध्यक्ष श्री अमरसिंह मीणा सहित विभिन्न अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण कार्यकारणी की हुई बैठक

सड़कों का पुनरुद्धार गंभीरता से करें : पंचायत मंत्री

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने कहा है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गाँव-गाँव तक उत्तम गुणवत्ता की सड़कों का निर्माण हुआ है। इस वर्ष अधिक वर्षा होने से बड़ी संख्या में सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इनके रेस्टोरेशन (पनरूद्धार) का कार्य पूरी गंभीरता के साथ किया जाए। कार्य गुणवत्तापूर्ण हों एवं समय-सीमा में पूरा किया जाए। श्री सिसोदिया मंत्रालय में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक ली। श्री सिसोदिया ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के प्रमुख अभियंता श्री बी.एस. चंदेल को निर्देश दिये कि विभागीय अमला अपने क्षेत्रों का निरंतर भ्रमण कर सड़कों का गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करे। साथ ही स्वयं भी अपने निरीक्षण बढाएँ। उन्होंने निर्देश दिये कि विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने निर्देश दिये

कि सड़कों की मरम्मत एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। रायसेन सहित जिन जिलों की सड़कें अधिक खराब हुई हैं, वहाँ तत्परता से कार्य किया जाए। सड़कों के संधारण के लिये प्राथमिकता-प्रणाली पर कार्य करें। जिन जिलों में धान की खेती होती है, वहाँ सड़कें अधिक खराब होती हैं, अतः वहाँ विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा सड़कों के गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिये श्रेष्ठ प्रणालियाँ अपनाई गई हैं। मार्गों के ऑनलाइन निरीक्षण, मूल्यांकन, भुगतान के लिये ई-मार्ग सॉफ्टवेयर, निविदाओं की पारदर्शी प्रक्रिया के लिये ई-टेंडर प्रणाली, निर्माण कार्यों के निरीक्षण के लिये जीओरीच सॉफ्टवेयर, पुलों के गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिये ब्रिज सैल एवं ब्रिज विशेषज्ञों का पैनल बनाया गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के इंदौर आगमन पर आत्मीय स्वागत

इन्दौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इंदौर एयरपोर्ट आये। इंदौर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का आत्मीय स्वागत किया गया। राज्य शासन की ओर से प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा तथा जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने श्री मोदी का स्वागत किया। श्री मोदी उज्जैन में महाकाल लोक के लोकार्पण के लिए एयरपोर्ट से विशेष हेलीकाप्टर द्वारा उज्जैन के लिये रवाना हुये।

एयरपोर्ट पर मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, डीजीपी श्री सुधीर सक्सेना, सांसद गण श्री शंकर लालवानी, सुश्री कविता पाटीदार तथा श्री गजेन्द्र पटेल, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, पूर्व मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, आईजी श्री राकेश गुप्ता, पुलिस कमिश्नर श्री हरिनारायणचारी मिश्र, कलेक्टर श्री मनीष सिंह सहित अन्य अधिकारी और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, विधायकगण श्री रमेश मेंदोला, श्री आकाश विजयवर्गीय, श्रीमती मालिनी गौड़ श्री महेंद्र हार्डिया, पूर्व महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, श्री गौरव रणदिवे तथा श्री राजेश सोनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने भी आत्मीय स्वागत किया।

अलीराजपुर आगमन पर सहकारिता मंत्री का जोरदार स्वागत

अलीराजपुर। विगत दिनों मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान की समीक्षा हेतु अलीराजपुर आए। इस दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक झाबुआ के प्रशासक व संयुक्त आयुक्त सहकारिता संभाग इंदौर श्री जे.एस. कनोज, बैंक महाप्रबंधक श्री आर. एस. वसुनिया, इंदौर डी.आर. तथा सहायक आयुक्त सहकारिता श्री राजेन्द्र सिंह कनेश ने श्री भदौरिया का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस मौके पर नोडल अधिकारी श्री राजेश राठौड, श्री एस.सी. वाघे, श्री जे.एस. भाभर शा.प्र. अलीराजपुर, श्री महेन्द्र सिंह राठौर, श्री दिलीप वाणी सहित कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान की धार हेलीपेड पर हुई अगवानी

धार। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के माण्डू प्रवास के दौरान धार पहुँचने पर धार हेलीपैड पर विधायक श्रीमती नीना वर्मा, कलेक्टर धार डॉ. पंकज जैन, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य प्रताप सिंह, पूर्व केबिनेट मंत्री श्रीमती रंजना बघेल, पूर्व सीसीबी अध्यक्ष श्री राजीव यादव, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री कालीचरण सोनवानिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने अगवानी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान के माण्डू पहुंचने पर कलेक्टर डॉ. पंकज जैन ने उन्हें माण्डू की प्रसिद्ध खुरासानी इमली भेंट की।

शुभ दीपावली

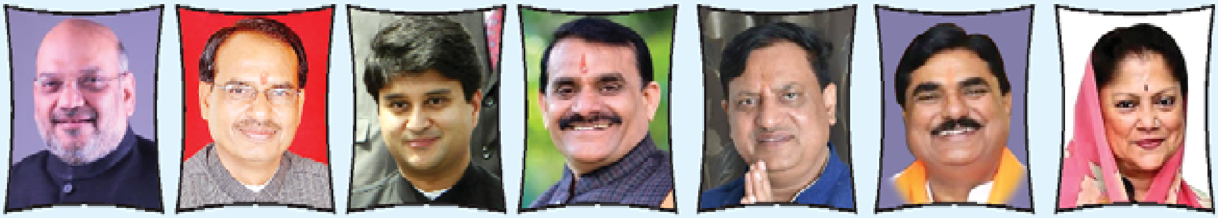

दीपोत्सव की हार्दिक बधाइयाँ

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री दिनेश जैन (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सह.) | श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से : श्री शेषनारायण शर्मा (शा.प्र. आगर शहर) **श्री रविन्द्र शर्मा** (शा.प्र. तनेड़िया)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरवल, जि.आगर
श्री संतोष यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालडा, जि.आगर
श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. वापचा, जि.आगर
श्री दुलेसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झोंटा, जि.आगर
श्री अ. रज्जाक खान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगर, जि.आगर
श्री अशोक कुम्भकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरनावदा, जि.आगर
श्री अमृतलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कसाई देहरिया, जि.आगर
श्री धर्मेन्द्र गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कुवड़िया खेड़ी, जि.आगर
श्री गोविंदसिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढोटी, जि.आगर
श्री श्याम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झलारा, जि.आगर
श्री मोहनसिंह तंवर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घुरासिया, जि.आगर
श्री प्रवीण चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नेवरीमाता, जि.आगर
श्री नारायणसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिपा. हनुमात, जि.आगर
श्री शेखर शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलोनकलां, जि.आगर
श्री महेन्द्र सिंह राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया घाटा, जि.आगर
श्री गंगाराम योगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मलवासा, जि.आगर
श्री राधेश्याम राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिपा. बैजनाथ, जि.आगर
श्री श्याम कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तनेड़िया, जि.आगर
श्री संजय कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गंगापुर, जि.आगर
श्री माँगीलाल केसरिया (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सभी जिलों में पशु औषधियों का पर्याप्त भंडार रखें

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने कहा कि सभी जिले पशु औषधियों का पर्याप्त भण्डार रखें, टीकाकरण सुनिश्चित करें। श्री पटेल की अध्यक्षता में हुई विभागीय बैठक में बताया गया कि लम्पी चर्म रोग को देखते हुए वित्त विभाग ने सभी जिलों में दवा खरीदी के लिये अगले माह जारी होने वाली राशि एक माह पूर्व ही आवंटित कर दी है। पशुपालकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है।

राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम और टोल फ्री नम्बर की स्थापना की गई है। निरंतर निर्देश प्रसारित किये जा रहे हैं। पशुपालकों से कहा गया है कि पशुओं को हल्का बुखार और लम्पी के लक्षण होते ही तुरंत निकट के पशु चिकित्सालय-औषधालय या भोपाल स्थित कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 0755-2767583 पर और टोल फ्री नम्बर 1962 पर सम्पर्क करें। तुरंत इलाज मिलने से लम्पी ठीक हो जाता है।

श्री पटेल और अपर मुख्य सचिव श्री कंसोटिया ने विभागीय योजनाओं की भी जिले और विकासखण्ड वार समीक्षा की। संचालक डॉ. आर.के. मेहिया, प्रबंध संचालक राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम श्री एच.बी.एस. भदौरिया और प्रदेश के सभी संभागों और जिलों से आए हुए वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

उज्जैन संभाग के संयुक्त संचालक ने बताया कि गत सप्ताह उज्जैन में केन्द्रीय सचिव श्री जतीन्द्र नाथ स्वेन ने गुजरात और राजस्थान में, उदभव के बाद उज्जैन जिले में तत्काल लम्पी के विरूद्ध उठाये गये प्रयासों की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश में लम्पी रोग की रोकथाम के लिये किये गये प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसे मॉडल के रूप में अन्य राज्यों को भी भेजा जाएगा।

कृषि वैज्ञानिकों ने भीकनगांव में खेतों का किया निरीक्षण

खरगोन। केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र नागपुर (महाराष्ट्र) के कृषि वैज्ञानिकों के दल ने जिले में भ्रमण किया। दल ने यहाँ कपास फसल के निरीक्षण से पूर्व प्रशिक्षण में कृषको से चर्चा की। बमनाला एवं घुघरियाखेडी में वैज्ञानिक दल एवं विभागीय अधिकारी द्वारा कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने कपास की सम्पूर्ण कृषि कार्यमाला की जानकारी दी। इसमें कपास फसल में होने वाले रोगों एवं कीट नियंत्रण के संबंध में विस्तृत से जानकारी दी गई। दल में शामिल वैज्ञानिकों ने कहा कि कपास में पुष्पन आरंभ होने के साथ ही प्रति एकड़ खेत में 04 फीरोमोन प्रपंच लगाए। इनमें प्रतिदिन एकत्रित होने वाली वयस्क पंखियो का रिकार्ड रखे। जैसी ही खेत में प्रति प्रपंच 08 या अधिक पंखियॉ आने लगे तब खेत से बिना किसी भेदभाव के 10 हरे घेंटो का चयन करे, इन हरे घेंटो में इल्लियों की उपस्थिति को देखे, यदि औसत रूप से 01 या अधिक घेंटो में कीट प्रकोप है तब कीटनाशको का उपयोग आरंभ करे, प्रारंभ में प्रोफेनोफास या थायडिओकार्ब या क्यूनालफास जैसे कम विषैले कीटनाशको में से किसी एक का चुनाव कर उपयोग करे, माह नवम्बर में अधिकतम फलन एवं कीट प्रकोप की स्थिति में ही लेम्डा सायहेलोथ्रिन या एमामेक्टिन बेन्जोएट या क्लोरानट्रिनिपाल या इन्डोक्साकार्ब जैसे अधिक विषैले कीटनाशको को उपयोग करे, उन्होंने कृषको से अपील की कीटनाशको को अनावश्यक मिलान से बचे, एक ही कीटनाशक का बार-बार उपयोग न करे।

भ्रमण कार्यक्रम में केन्द्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र नागपुर (महाराष्ट्र) से गठित वैज्ञानिकों के दल में डॉ. विश्लेश नगरारे (प्रमुख वैज्ञानिक), डॉ. बाबासाहब फंड, डॉ. शैलेष गावंडे, डॉ दीपक नगराले, डॉ. आकाश निकोसे, डॉ. एस.के. परसाई वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रमुख कपास अनुसंधान केन्द्र खण्डवा, डॉ. व्हाय.के.जैन सह संचालक आंचलिक अनुसंधान केन्द्र खरगोन, श्री एम.एल. चौहान उप संचालक कृषि खरगोन, श्री टी.एस. मण्डलोई अनुविभागीय कृषि अधिकारी अनुभाग खरगोन, श्री पियुष सोलंकी सहायक संचालक कृषि, श्री प्रकाश ठाकुर सहायक संचालक कृषि, श्री एस.एल. अटोदे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड भीकनगांव सहित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

शुभ दीपावली

कृषि आदान कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश

किसानों के खेतों तक तमाम प्रबंध प्रत्यक्ष रूप से दर्ज हो

विदिशा। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह ने भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलो में कृषि आदान कार्यो की गहन समीक्षा की। व्हीसी के माध्यम से आयोजित उक्त बैठक में उन्होंने जिलो के कलेक्टरों के साथ-साथ अन्य अधिकारियो को निर्देश दिए है कि कृषि संबंधी तमाम प्रबंध किसानो के खेतो तक प्रत्यक्ष रूप से दर्ज हो के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने जिलेवार खरीफ व आगामी रबी फसल के लिए किए जाने वाले प्रबंधो की बिन्दुवार समीक्षा की है जिसमें मुख्य रूप से खाद, बीज की उपलब्धता के अलावा फसलो के क्षेत्राच्दान में हुए परिवर्तन, उत्पादकता में बढोतरी के लिए की गई तैयारियां, रबी फसल के दौरान उर्वरक व्यवस्था के तहत डीएपी, एनपीके, एसएसपी तथा डीएनपी .एनपीके के अलावा आदान गुण नियंत्रण अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए निर्धारित लक्ष्य बिन्दु तदानुसार उर्वरक गुण नियंत्रण के लक्ष्य, कीटनाश्क गुण नियंत्रण के लक्ष्य तथा बीज गुण नियंत्रण के लक्ष्यों की जिलेवार समीक्षा की है।

बैठक में रबी बीज की उपलब्धता के लिए विभागीय योजनाओं के तहत बीज की फसलवार उपलब्धता की भी जानकारी प्राप्त की गई है जिसमें गेहूं, चना, मटर, मसूर, सरसो, अलसी की क्विंटल मात्रा के आधार पर बीज की आवश्यकता व उपलब्धता के अलावा प्राकृतिक खेती को बढावा देने के लिए मास्टर ट्रेनर्सो, पंजीकृत किसानो की संख्या, रबी हेतु प्रस्तावित कृषको की संख्या, प्राकृतिक खेती हेतु प्रस्तावित रकवा हेक्टेयर में, प्रशिक्षित कृषको की संख्या के अलावा कृषि संगणना वर्ष 2021-22 के आयोजन हेतु जारी समय सारणी तथा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत निहित बिन्दुओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। व्हीसी के माध्यम से आयोजित उपरोक्त समीक्षा बैठक के दौरान एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव के द्वारा जिले में बाढ, अतिवृष्टि से हुई भण्डारित उर्वरकों की क्षति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा किसानो, पशुपालको एवं मछुआरो को जारी होने वाले केसीसी तथा समितियों, डबल लॉक में भण्डारित विभिन्न प्रकार के उर्वरकों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया है।

मध्यप्रदेश पर्यटन ने फ्रांस में दिखाई समृद्ध विरासत की झलक

भोपाल। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) ने पेरिस के पोर्ट डी वर्साय में अंतर्राष्ट्रीय और फ्रेंच ट्रेवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा में भाग लिया। मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध निदेशक श्री शिव शेखर शुक्ला ने किया। ट्रेवल मार्ट में दुनिया के प्रमुख टूर ऑपरेटर, ट्रेवल एजेंट सहित विभिन्न हितधारकों ने हिस्सा लिया। यह बी2बी इवेंट 20 से 22 सितंबर तक चला। पहले दिन प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने यूरोप के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें की और फ्रांसीसी मीडिया के साथ प्रदेश में पर्यटन संभावनाओं की जानकारी साझा की। प्रदर्शनी में 200 से अधिक देश और 1700 से ज्यादा ब्रांड्स मौजूद थे। 34,000 से ज्यादा पर्यटन पेशेवरों ने भाग लिया और 150 सम्मेलन-सत्र किए गए। मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करते हुए प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा, 'मध्यप्रदेश को हिंदुस्तान का दिल' कहा जाता है। पर्यटन की दृष्टि यह एक संपन्न राज्य है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर, वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध, दो ज्योतिर्लिंगों, 3 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और 11 राष्ट्रीय उद्यान हैं, जिनमें 6 टाईगर रिजर्व और 24 वन्य-जीव अभयारण्य शामिल हैं। अब कुछ ही माह बाद आप चीतों को भी प्रदेश के जंगलों में दौड़ते देख सकेंगे। मध्यप्रदेश को 'टाइगर स्टेट ऑफ इंडिया' 'लेपर्ड स्टेट' और 'घड़ियाल स्टेट' का गौरव प्राप्त है। पर्यटन बोर्ड सक्रिय रूप से इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने में प्रयासरत है। साथ ही स्थानीय समुदाय, संस्कृति का संरक्षण और विकास के साथ कार्बन फुटप्रिंट को न्यूनतम करना इसकी प्राथमिकता है। पर्यटन बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर श्री युवराज पडोले ने यूरोप से प्रदेश में भ्रमण के लिए आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए अपनाई जा रही रणनीति पर चर्चा की। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम (एमपीएसटीडीसी) ने इस आयोजन में अपने होटल और रिसॉर्ट्स की श्रृंखला प्रस्तुत की।

मध्यप्रदेश बना देश का सबसे स्वच्छ राज्य, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

इंदौर छठवीं बार देश का स्वच्छतम शहर

इंदौर/ भोपाल/ नई दिल्ली। भारत सरकार द्वारा करवाये गये स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में हर साल की तरह मध्यप्रदेश ने एक बार फिर स्वच्छता के कीर्तिमान स्थापित किये। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में मध्यप्रदेश को 100 से अधिक शहरों वाले राज्यों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ राज्य और इंदौर को देश के स्वच्छतम शहर का अवार्ड प्रदान किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश को बधाई दी। उन्होंने इंदौर को छठवीं बार स्वच्छतम शहर का अवार्ड मिलने पर कहा कि इंदौर शहर के जन-भागीदारी के प्रयासों को सभी को अपनाना चाहिये। सबसे स्वच्छ शहर का अवार्ड इंदौर सांसद श्री शंकरलाल लालवानी और नगर निगम इंदौर की टीम तथा सबसे स्वच्छ प्रदेश का अवार्ड प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री मनीष सिंह एवं उनकी टीम ने प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि पर कहा कि प्रदेशवासियों के लिये यह गर्व का विषय है। उन्होंने नागरिकों का अभिनंदन करते हुए बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी आभार मानते हैं, जिन्होंने स्वच्छता के संकल्प पर निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। अवार्ड समारोह में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी और राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र ने भी बाजी मारी

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण में इंदौर ज़िले को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत-2021-22 में संपूर्ण स्वच्छता हेतु ओडीएफ स्थायित्व तथा ओडीएफ-प्लस के विभिन्न घटकों के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिये वेस्ट झोन में तृतीय रेंक प्राप्त हुई है। यह पुरस्कार आज यहां नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति श्रीमती श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में सांसद श्री शंकर लालवानी और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वंदना शर्मा ने प्राप्त किया। यह पुरस्कार केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री द्वय श्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा श्री बिश्वेश्वर टुडु ने प्रदान किया।

इंदौर। स्वच्छ सर्वेक्षण का पुरस्कार लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित निगम और प्रशासन के अफसर, 19 सीएसआइ और सफाई मित्र इंदौर लौटे। इसके बाद शहर में स्वच्छता जुलूस निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों ने शामिल होकर खुशी मनाई। विमानतल पर इंदौर भाजपा अध्यक्ष गौरव रणदिवे, विधायक महेन्द्र हार्डिया, मालिनी हार्डिया, रमेश मेंदोला आदि ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खाद वितरण की समीक्षा में दिए निर्देश

खाद उपलब्धता के साथ भंडारण-वितरण भी व्यवस्थित हो

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद कुछ स्थानों पर खाद प्राप्त न होने के संबंध में प्राप्त किसानों की शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाए। मध्यप्रदेश को आवश्यकतानुसार खाद उपलब्ध करवाने में केन्द्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री श्री मनसुख लाल मंडाविया से भी समय-समय पर चर्चा होती है और प्रदेश के किसानों के लिए उर्वरक की आपूर्ति का कार्य बिना बाधा के होता रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास पर हुई बैठक में प्रदेश में खाद वितरण कार्य की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में मार्कफेड द्वारा खाद के एक से अधिक विक्रय पाइंट बनाने और स्कंध खत्म होने के पहले भंडारण सुनिश्चित करने पर सहमति हुई। लगातार समीक्षा कर यह कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। ऐसे में मार्कफेड और अन्य संबंधित संस्थाओं द्वारा ऐसी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ कि खाद न मिलने की कहीं से भी शिकायत नहीं आए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को आश्वस्त किया जाना आवश्यक है कि खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। किसी भी स्तर पर इसके उपलब्ध न होने की आशंका के आधार पर अनावश्यक संग्रहण भी न किया जाए।

मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस ने बैठक में वर्चुअली हिस्सा लेते हुए कहा कि पिछले साल इस तरह की शिकायतें नहीं आई थीं। संयुक्त प्रयासों के अच्छे परिणाम आ रहे हैं। सभी संबंधित विभाग और संस्थाएँ मिल कर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। खाद के वितरण के लिए माइक्रो मैनेजमेंट जरूरी है। संबंधित अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव किसान-कल्याण तथा कृषि विकास श्री अजीत केसरी ने बताया कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। केन्द्र सरकार से प्रदेश की माँग पर उर्वरकों की रेक निरंतर मिल रही हैं।

सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने राष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत की

सहकारिता क्षेत्र में टीम इंडिया का भाव लाना होगा

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राज्यों के सहकारिता मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन में सहकारिता राज्यमंत्री श्री बी.एल. वर्मा और 21 राज्यों के सहकारिता मंत्रियों और 2 केन्द्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता को मज़बूत करने के लिए पैक्स को मज़बूत करना सबसे ज़्यादा ज़रूरी है और इसके लिए सरकार कई काम कर रही है। उन्होंने राज्यों के सहकारिता मंत्रियों से कहा कि हम सबको मिलकर सहकारिता क्षेत्र में टीम इंडिया का भाव जागृत करना होगा और बिना किसी राजनीति के एक ट्रस्टी की भूमिका में अपने-अपने राज्य में सहकारिता क्षेत्र को मज़बूत करने और इसके विकास के लिए आगे बढ़ना होगा।

समारोह में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए सहकारिता मंत्री श्री अरविंदसिंह भदौरिया के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सहकारिता के माध्यम से किये जा रहे नवाचारों का प्रेजेंटेशन दिया और शासन द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। समारोह में सहकारिता मंत्रालय के सचिव श्री ज्ञानेश कुमार ने मध्यप्रदेश की सहकारी नीति, उपार्जन नीति की प्रशंसा की जिससे कृषकों को समय पर उचित मूल्य मिला।

शुभ दीपावली

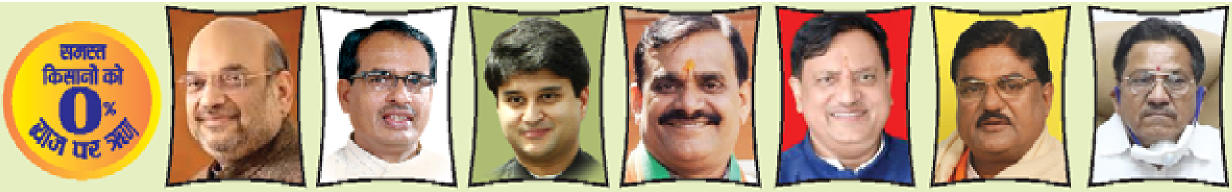

म.प्र. के सहकारिता मंत्री माननीय डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिन की बधाइयाँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण ● खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड ● कृषि यंत्र के लिए ऋण ● दुग्ध डेयरी योजना

सौजन्य से

श्री किशोर पलासिया (शा.प्र. मंडलेश्वर)
श्री अरुण पाटीदार (शा.प्र. भीकनगाँव)
श्री सुभाष गुप्ता (पर्य. भीकनगाँव)
श्री ईश्वरसिंह आड़तिया (शा.प्र. पीपलगोन)
श्री शिवराम यादव (शा.प्र. खामखेड़ा)
श्री तुलसीराम पाटीदार (पर्य. खामखेड़ा)
श्री सीताराम पिराग (शा.प्र. ऊन)
श्री सत्यनारायण बिश्नोले (पर्य. ऊन)
श्री जगदीश पाटीदार (शा.प्र. गोराड़िया)
श्री अब्दुल बहाव शेख (पर्य. गोराड़िया)
श्री मिश्रीलाल मकवाने (शा.प्र. पिपल्या)

श्री जगदीश कन्नौज (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त)

श्री अम्बरीश वैद्य (उपायुक्त सहकारिता)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री राजेन्द्र आचार्य (प्रभारी सीईओ)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. मंडलेश्वर, जि.खरगोन श्री सुनील पाटीदार (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. खामखेड़ा, जि.खरगोन** श्री ओमप्रकाश बिर्ले (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. करौंदिया, जि.खरगोन श्री भँवरलाल पाटीदार (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. मुलठान, जि.खरगोन** श्री दिनेश शर्मा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. चोली, जि.खरगोन श्री दौलतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. कमोदवाड़ा, जि.खरगोन** श्री तुलसीराम पाटीदार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भीकनगाँव, जि.खरगोन श्री राधेश्याम राठौर (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. खेड़ी बु., जि.खरगोन** श्री अम्बाराम मालाकार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. लालखेड़ा, जि.खरगोन श्री चिंताराम शाह (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. ऊन, जि.खरगोन** श्री दीपक पाटीदार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. सुन्द्रेल, जि.खरगोन श्री सेवकराम पाटीदार (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. रायबिड़पुरा, जि.खरगोन** श्री बद्रीप्रसाद सेन (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. शकरगाँव, जि.खरगोन श्री भरत यादव (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. नांदगाँव रोड, जि.खरगोन** श्री नारायण पाटीदार (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. अमनखेड़ी, जि.खरगोन श्री दिनेश पाटीदार (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. गोराड़िया, जि.खरगोन** श्री अब्दुल बहाव शेख (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. साईंखेड़ी, जि.खरगोन श्री वल्लभ गुप्ता (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. शिवना, जि.खरगोन** श्री विनोद बर्वे (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. पीपलगोन, जि.खरगोन श्री गुलाबचंद मीणा (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. दैवित, जि.खरगोन** श्री मदन यादव (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. बाड़ी, जि.खरगोन श्री रमजान खान (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. पिपल्या, जि.खरगोन** श्री रमेश कनाड़े (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. अमलाया, जि.खरगोन श्री दीपेन्द्रसिंह मंडलोई (प्रबंधक)	**सेवा सहकारी संस्था मर्या. बड़दिया, जि.खरगोन** श्री अमरसिंह चावड़ा (प्रबंधक)
सेवा सहकारी संस्था मर्या. भट्याण बु., जि.खरगोन श्री राजेश मालवीय (प्रबंधक)	

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

शुभ दीपावली

अपेक्स बैंक की अमानत राशि 8476 करोड़ रु. हुई

भोपाल। अपेक्स बैंक की अमानत राशि लगातार बढ़ रही है। यह चालू वर्ष में बढ़कर 8476 करोड़ रुपये हो गई है। बैंक लगातार मुनाफा कमाकर किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर लोन भी मुहैया करवा रहा है।

यह कहना है अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. तिवारी का जो अपेक्स बैंक की 58वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित कर रहे थे। इसकी अध्यक्षता संयुक्त आयुक्त सहकारिता श्री बृजेश शरण शुक्ला ने की। बैंक के महाप्रबंधक श्री तिवारी ने बैंक के अंकेक्षित वित्तीय पत्रकों एवं बजट का अनुमोदन कराया। श्री तिवारी ने बताया कि बैंक शासन की मंशानुरूप किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर सहकारी केंद्रीय बैंकों के माध्यम से लोन उपलब्ध करवा रहा है। अंत में मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को मिलेगा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

इंदौर। उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार वर्ष-2022 में शामिल होने के लिए ऑनलाइन प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 निर्धारित की गई है। केन्द्रीय ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज विभाग के पोर्टल https://panchay-ataward.gov.in पर प्रविष्टियां जमा की जाएगी। पंचायती राज मंत्रालय के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों के विभिन्न श्रेणियों के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

इस वर्ष राष्ट्रीय पंचायतों के पुरस्कार स्वरूप एवं संरचना में आमूलचूल परिवर्तन किया गया है जिससे ब्लॉक, जिला एवं राष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण एवं लक्ष्यों से प्राप्त संबंधित विषय क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य करने वाली पंचायतों की पहचान, प्रोत्साहन एवं समुचित सम्मान किया जा सके।

जिले की सभी पंचायतें राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और अन्य पंचायतों को भी इसके लिए प्रेरित करें। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए ब्लॉक एवं जिला स्तर पर पंचायती राज विभाग या राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) के अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है।

धार जिले में 37960 मेट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध कराया

धार। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने बताया कि जिले में आगामी रबी सीजन को देखते हुए कृषि विभाग ने विभिन्न उर्वरकों की पूर्ति के लिये तैयारी पूर्ण कर ली है। धार जिले में गत वर्ष माह अक्टूबर तक विभिन्न उर्वरको जैसे यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी व एमओपी की मात्रा कुल 35100 मेट्रिक टन वितरण किया गया था। जिसका उपयोग कर जिले के कृषकों ने फसल उत्पादन में वृद्धि की थी। कृषकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी जिले में सहकारी संस्था व प्रायवेट विक्रय केन्द्रों पर माह अक्टूबर 2022 तक उर्वरकों की मात्रा जैसे यूरिया 7928 मेट्रिक टन, डीएपी 4765 मेट्रिक टन, एनपीके 8267 मेट्रिक टन, एसएसपी 15856 मेट्रिक टन तथा एनओपी 1144 मेट्रिक टन इस प्रकार कुल 37960 मेट्रिक टन की उपलब्ध कराया गया, जिसमें से 32395 मेट्रिक टन शेष है। इसके अलावा रबी सीजन में किसान भाईयों हेतु उर्वरक की मांग को ध्यान में रखते हुवे मांगलिया रेक पॉईंट से लगभग यूरिया की 2975 मेट्रिक टन तथा विकम नगर रेक पॉईंट से उर्वरक 16:16:16 (एनपीके) 200 मेट्रिक टन, घोसवास रेक पॉईंट से उर्वरक 12.3216 (एनपीके) 500 मेट्रिक टन,बी यूरिया 250 मेट्रिक टन, डीएपी 950 मेट्रिक टन जल्द ही प्राप्त होकर जिले कि सहकारी संस्था व प्रायवेट विकय केन्द्रो पर किसान भाईयों हेतु शीघ्र ही उपलब्ध होने वाला है। उन्होंने किसानो से अपील है कि जमीन में उपयुक्त नमी होने पर ही बोवाई करें। साथ ही उर्वरकों की संतुलित मात्रा में उपयोग करें।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

झाबुआ बैंक द्वारा 412.10 लाख का लाभ अर्जित

झाबुआ। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ की 102वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं प्रशासक श्री जगदीश कनोज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सहायक आयुक्त सहकारिता अलीराजपुर श्री राजेन्द्रसिंह कनेश एवं सहायक आयुक्त सहकारिता झाबुआ श्री डी.सी.भिड़े उपस्थित रहे।

श्री कनोज द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन मे बैंक की वित्तीय स्थिति, उपलब्धियां एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला। जिसमें बैंक की प्रगतिशील अंशपूंजी, अमानते, वसूली एवं खाद, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, लाकर्स सुविधा, नवीन सदस्यता वृद्धि, साख विस्तार कार्यक्रम, एनपीए आदि की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बैंक ने वर्ष 2021-22 मे राशि रूपये 4 करोड 12 लाख का लाभ अर्जित किया गया है। बैंक के महाप्रबंधक श्री आर.एस.वसुनिया ने बैंक द्वारा किये जा रहे कार्यो पर प्रकाश डाला एवं बैंक की योजनाओ से अवगत कराया। साधारण सभा मे बैंक द्वारा उत्कृष्ठ कार्य करने वाली शाखाएँ, संस्थायें एवं अधिकारी/कर्मचारियो को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो भेंट कर समान किया गया जिसमें अमानत संग्रहण मे वृद्धि हेतु शाखा थांदला, बामनिया, रानापुर एवं कृषि ऋणों की वसूली हेतु शाखा चन्द्रशेखर आजाद नगर, रायपुरिया, सारंगी एवं संस्था माण्डली, हरिनगर, फुलमाल तथा बचत बैंक मे अधिक डिपाजिट रखने हेतु संस्था चन्द्रशेखर आजाद नगर एवं बोरखड को पुरस्कृत किया गया । इसी क्रम मे उत्कृष्ठ कार्य करने वाले प्रधान कार्यालय के अधिकारी एच.ए.के.पाण्डेय, हेमन्त नीमा, बी.एस.नायक, महेन्द्रसिंह जमरा, मनोज कोठारी, नोडल अधिकारी जिला-अलीराजपुर राजेष राठौर, प्रभारी शाखा प्रबंधक आशीष माहेश्वरी, देवेन्द्र मिश्रा, सहायक लेखापाल मनीष बैरागी, शैलेष थेपडिया, बैंकिग सहायक श्रीमती अमृता काला, रामचन्द्र पालीवाल, सिमरन शर्मा, पंकज तिवारी, एल-1 इंजीनियर नितिन जौहरी, विजय नासा, कम्प्यूटर आपरेटर शरद जैन, श्रीमती चिन्ता चौहान, हर्षलता नीमा, अभिलाषा चौहान, बैंक जमादार श्री मांगीलाल पालीवाल एवं भृत्य बहादुरसिंह परमार को समानित किया गया।

साथ ही सभा में बैंक की सेवा से वर्ष 2021-22 में सेवानिवृत्त हुये भगवानसिंह चौहान, भैरूसिह ओहरिया, जगदीश पाटीदार, कमलप्रसाद श्रीवास्तव, विक्रम बैरागी, दिनेश भाबर, गुमानसिंह सस्तीया, श्रीमती सेवंती पाटीदार एवं बल्लुसिंह वाखला को शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के बैंक प्रतिनिधिगण/प्रशासकगण इफको/कृभको प्रतिनिधि एवं सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारीगण, समस्त शाखा प्रबंधक एवं प्रधान कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे। संचालन श्रीमती सुशीला डामोर द्वारा किया गया एवं आभार मनोज कोठारी द्वारा माना गया।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक झाबुआ के पहले एटीएम का पारा में शुभारंभ।

सहकारी संस्था हाटपीपल्या की साधारण सभा संपन्न

देवास। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. देवास से संबद्ध उन्नत कृषि सहकारी संस्था हाटपीपल्या में वर्ष 2021-22 की वार्षिक साधारण सभा आयोजित की गई। मुख्य अतिथि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक देवास के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रमेशचंद्र जायसवाल थे। अध्यक्षता उन्नत कृषि सहकारी संस्था के पूर्व अध्यक्ष श्री विजेन्द्र पटेल ने की। विशेष अतिथि के रूप में श्री भोलाराम पाटीदार, नेमीचंद मुकाती, आशीष व्यास, सुरेश तंवर उपस्थित थे। साधारण सभा में आलोच्य वर्ष का लेखा-जोखा, आय-व्यय की जानकारी संस्था प्रबंधक हुकुमसिंह सोलंकी द्वारा देते हुए अनुमानित बजट पेश किया गया जिसमें संस्था को 1 करोड़ रुपये के लाभ में बताया गया। अतिथियों ने शासन द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। संस्था के सदस्य किसानों द्वारा एक स्वर में इफको कंपनी के एनपीके 1 2:32:16 खाद को संस्था में लाने के लिए कहा गया कि इफको के अलावा हम दूसरी कंपनी का खाद नहीं लेंगे। संस्था सचिव ने इफको कंपनी के एनपीके 1 2:32:16 खाद की 1 हजार टन की माँग का प्रस्ताव भेजा गया है। इस अवसर पर संस्था के सदस्य किसान व संस्था कर्मचारी उपस्थित थे।

प्राकृतिक खेती के इच्छुक किसानों से ऑनलाइन पंजीयन करने की अपील

इन्दौर। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए वृहद कार्यक्रम चलाये जाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में प्राकृतिक खेती करने के इच्छुक कृषकों के पंजीयन के लिए पोर्टल तैयार किया गया है। किसानों प्राकृतिक खेती के लिए ऑनलाइन पंजीयन करने के लिए प्रक्रिया अपनाने की अपील की गई है। किसान अपने मोबाइल पर विभागीय वेबसाईट http://mpkrishi.org टाईप करें। वेबसाइट के होमपेज पर नीचे दी गई लिंक पर किसान पंजीयन के लिए क्लिक करें। पंजीयन तीन स्टेप में होगा जिसमें कृषक की जानकारी, मोबाइल का वेरिफिकेशन एवं अन्य जानकारी फीड कर जानकारी भरेंगे। प्रक्रिया पूर्ण कर लेने पर कृषक का प्राकृतिक खेती के लिए पंजीयन हो जाएगा।

इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक की 106वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

आईपीसी बैंक ने 2134.79 करोड़ का व्यवसाय किया

इंदौर। इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक की 106वीं वार्षिक साधारण सभा जाल सभागृह में आयोजित की गई। सभा में बैंक का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्ष ण विवरण पत्रक, लाभ-हानि पत्रक का वाचन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए बैंक के प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता श्री एम.एल. गजभिये ने बैंक की प्रगति के बारे में बताया कि बैंक ने अपने कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि की है। बैंक का व्यवसाय वर्ष 2021-22 में 2134.79 करोड़ रहा है। बैंक की अंशपूँजी वर्ष 2020-21 में 85.33 करोड़ थी जो वर्ष 2021-22 में 90.14 करोड़ हो गई। कार्यशील पूँजी वर्ष 2020-21 में 1604.94 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 1787.11 करोड़ हो गई। इसी प्रकार अमानतें जो 2020-21 में 1270.36 करोड़ थी वह वर्ष 2021-22 में 1336.75 करोड़ हो गई है। बैंक ने वर्ष 2021-22 में कुल 5.99 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया है।

बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनिल हर्षवाल ने वर्ष 2021-22 का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि बैंक द्वारा जून 2022 तक रिकॉर्ड 885.03 करोड़ की वसूली की गई है जिसका प्रतिशत लगभग 75.07 है। बैंक द्वारा ग्राहकों को सीबीएस, एटीएम, केसीसी, रुपे कार्ड, एनईएफटी, आरटीजीएस, ईसीएस, एसीएच, एसएमएस अलर्ट, आईएमपीएस, यूपीआई तथा मोबाईल बैंकिंग एप जैसी आधुनिक डिजिटल सुविधाएँ प्रदान कर रही है।

वर्ष में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्र.सहा. मुख्य पर्यवेक्षक श्री सुनील सतवासकर, नोडल अधिकारी श्री अनिल बावनिया एवं श्री हेमंत ब्रह्मवंशी को सम्मानित किया गया। अमानत वृद्धि के लिए शाखा साकेत नगर, दतोदा एवं सांवेर, अकृषि ऋण वसूली हेतु शाखा महारानी रोड, राऊ एवं गौतमपुरा तथा कृषि ऋण वसूली हेतु संस्था गोकलपुर, छड़ौदा एवं खजराना को सम्मानित किया गया।

बैठक में उपायुक्त सहकारिता (न्यायिक) डॉ. मनोज जायसवाल, अपेक्स बैंक के श्री गणेश यादव, नाबार्ड के डीडीएम श्री नागेश चौरसिया, उपसंचालक कृषि श्री एस.एस. राजपूत, बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री उमानारायण सिंह, पूर्व संचालकगण सर्वश्री गोपालसिंह चौधरी, देवराजसिंह परिहार, अंतरसिंह मौर्य, नारायण मुकाती, ब्रजभूषण शर्मा, हरिसिंह नागर, सत्यनारायण आजाद, बैंक अधिकारीगण अशोक नागौर, पुरुषोत्तम हासीजा, अनिल बावनिया, हेमंत जोशी, ओंकारसिंह भावर, हेमंत ब्रह्मवंशी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री आर.के. देवकर ने किया एवं आभार श्री सुनील सतवासकर ने व्यक्त किया।

उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया

अमानतों में वृद्धि के लिए प्रथम पुरस्कार साकेत नगर शाखा को मिला। शाखा प्रबंधक श्री इन्दरसिंह मंडलोई पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

अमानतों में वृद्धि के लिए द्वितीय पुरस्कार दतौदा शाखा को मिला। शाखा प्रबंधक श्री इसीदौर चम्पावत पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

अमानतों में वृद्धि के लिए तृतीय पुरस्कार सांवेर शाखा को मिला। शाखा प्रबंधक श्री कमल किशोर मालवीय पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

अकृषि ऋण वितरण के लिए प्रथम पुरस्कार महारानी रोड शाखा को मिला। शाखा प्रबंधक श्री रामप्रकाश मौर्य पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

अकृषि ऋण वितरण के लिए द्वितीय पुरस्कार राऊ शाखा को मिला। शाखा प्रबंधक श्री संजय मोतेकर पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

अकृषि ऋण वितरण के लिए तृतीय पुरस्कार गौतमपुरा शाखा को मिला। शाखा प्रबंधक श्री राजेश चौधरी पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

कृषि ऋणों की वसूली के लिए प्रथम पुरस्कार सेवा सह.संस्था गोकलपुर को मिला। संस्था प्रबंधक श्री गिरधर चंदेल पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

कृषि ऋणों की वसूली के लिए द्वितीय पुरस्कार सेवा सह. संस्था छड़ौदा को मिला। संस्था प्रबंधक श्री लाखनसिंह परमार पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

कृषि ऋणों की वसूली के लिए तृतीय पुरस्कार सेवा सहकारी संस्था खजराना को मिला। संस्था प्रबंधक श्री सत्यनारायण जोशी पुरस्कार ग्रहण करते हुए।

बैंक स्तर पर कृषि ऋणों की वसूली में उत्कृष्ट कार्य के लिए आईपीसी बैंक के प्रभारी सहायक मुख्य पर्यवेक्षक श्री सुनील सतवासकर को पुरस्कृत किया गया।

कोर बैंकिंग में उत्कृष्ट कार्य के लिए आईपीसी बैंक के नोडल अधिकारी (सीबीएस) श्री अनिल बावनिया को पुरस्कृत किया गया।

शैलेन्द्र सिंह, आनंद मिलिंद और कुमार शानू को लता मंगेशकर पुरस्कार

लता मंगेशकर की इंदौर में प्रतिमा स्थापित होगी : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में सम्पन्न हुये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह को वर्चुअली रूप से सम्बोधित करते हुये स्वर कोकिला लता मंगेशकर की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिये अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि इंदौर में लता जी के नाम संगीत अकादमी, संगीत महाविद्यालय और संग्रहालय की स्थापना की जायेगी। उन्होंने कहा कि लता जी द्वारा संगीत के क्षेत्र में दिये गये योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता हैं।

राज्य शासन के प्रतिष्ठा प्रसंग राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण समारोह में फिल्मी जगत की गायन एवं संगीत क्षेत्र की तीन हस्तियों श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री आनंद-मिलिंद एवं श्री कुमार शानू को लता मंगेशकर पुरस्कार दिया गया। इन्हें यह सम्मान राज्य शासन की ओर से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने प्रदान किया। वर्ष 2019 का सम्मान पार्श्व गायन के लिये श्री शैलेन्द्र सिंह को वर्ष 2020 का सम्मान संगीत निर्देशन के लिये श्री आनंद-मिलिंद को एवं वर्ष-2021 का सम्मान पार्श्व गायन के लिये श्री कुमार शानू को प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला तथा श्रीमती मालिनी गौड़, पूर्व महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा, अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक श्री जयंत कुमार भिसे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता तथा श्री राजेश सोनकर, श्री मधु वर्मा विशेष रूप से मौजूद थे।

अलंकरण समारोह के पश्चात् संगीत संध्या का आयोजन भी हुआ। इसमें सुप्रसिद्ध गायिका सुश्री अलका याग्निक एवं ग्रुप मुम्बई द्वारा सुरमयी प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर राज्य स्तरीय सुगम संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं द्वारा भी प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने आभार व्यक्त किया। संस्कृति विभाग के संचालक श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया।

यूथ क्लब आईपीसी बैंक द्वारा प्रतिभावान छात्रों का सम्मान

इंदौर। यूथ क्लब आईपीसी बैंक द्वारा वर्ष 2021-22 की परीक्षाओं में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले बैंक कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आईपीसी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनिल हर्षवाल, यूथ क्लब के अध्यक्ष श्री मनीष शर्मा, सचिव श्री वीरेन्द्र पथरिया, उपाध्यक्ष श्री हेमंत जोशी, नीरज कनोजिया एवं कर्मचारी यूनियन के प्रधान मंत्री श्री अनिल बावनिया, यूथ क्लब के सदस्य अशोक नागोर, हरिप्रसाद द्विवेदी, सुनील सतवासकर आदि उपस्थित थे। सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राओं में फिहा मिर्जा हबीब बेग (10वीं/88%), अनामिका रवि वर्मा (10वीं/76%), स्वयं मनोज जोशी (12वीं/90%), शिवांशी रमेशचंद्र पुरोहित (12वीं/84%), संस्कृति विकास शर्मा (12वीं/73%), अंकित रामचंद्र चौहान (बी.फार्मा/77%), धीरज पिता महेन्द्र बनोधा (एमसीए/85%), महेन्द्र खड़गसिंह बुंदेल (एम.एस-सी./77%), अनुज वीरेन्द्र सिलावट (बीबीए/74%) और अमयसिंह वीरेन्द्र सिलावट (एमबीए/74%) शामिल थे।

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | डॉ. नरोत्तम मिश्रा (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।

किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री एच.एस. विश्वकर्मा (भारसाधक अधिकारी)

श्री मदनसिंह अखाड़े (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति गौतमपुरा (जि.इंदौर)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | डॉ. प्रभुराम चौधरी (प्रभारी मंत्री)

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।

किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री संजय शर्मा (भारसाधक अधिकारी)

श्री लतासिंह सेनानी (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति धामनोद (जि.धार)

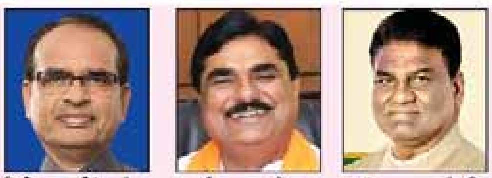

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | डॉ. प्रभुराम चौधरी (प्रभारी मंत्री)

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।

किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री राहुल चौहान (भारसाधक अधिकारी)

श्री हजारीलाल पाटीदार (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति राजगढ़ (जि.धार)

श्री शिवराजसिंह चौहान (मुख्यमंत्री) | श्री कमल पटेल (कृषि मंत्री) | श्री हरदीपसिंह डंग (प्रभारी मंत्री)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ

माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ

किसान भाइयों से विनम्र अपील

मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।

किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)

श्री वीरसिंह चौहान (भारसाधक अधिकारी)

श्री अनिल उजले (मंडी सचिव)

सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति अंजड़ (जि.बड़वानी)

शुभ दीपावली

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. उज्जैन की 104वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

उज्जैन बैंक की अंशपूँजी में 2836.44 लाख की वृद्धि

उज्जैन। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. उज्जैन की 104वीं वार्षिक साधारण सभा भरतपुरी स्थित प्रधान कार्यालय पर संपन्न हुई। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री आशीष सिंह ने बताया कि बैंक की अंशपूँजी में गत वर्ष की तुलना में 2836.44 लाख रु. की वृद्धि हुई है जबकि इस दौरान बैंक को 370.35 लाख रु. की हानि हुई। बैंक से संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों द्वारा कृषकों को अल्पावधि कृषि ऋण 75 प्रश नकद व 25 प्रश वस्तु के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है जिसकी अल्पकालीन ऋण सीमा 5 लाख रु. है जिसमें से 3 लाख रु. तक का ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज पर उपलब्ध कराया जा रहा है। बैंक द्वारा आलोच्य वर्ष में 71.80 प्रश वसूली की गई।

बैंक के महाप्रबंधक श्री विशेष श्रीवास्तव ने इस अवसर पर बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2021 हेतु 84437 ऋणी कृषकों के 79367.81 लाख रु. बीमा धन की प्रीमियम राशि 1587.95 लाख एवं 2483 अऋणी कृषकों की प्रीमियम 50.34 लाख रु. अधिकृत बीमा कंपनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंन्स कंपनी को भेजी गई। रबी 2021-22 हेतु कुल 6 5855 ऋणी कृषकों के 60672.42 लाख रु. बीमा धन की प्रीमियम राशि 910.14 लाख रु. एवं 830 अऋणी कृषकों की बीमा प्रीमियम 14.48 लाख रु. अधिकृत बीमा कंपनी को भेजी गई। वर्ष 2021-22 में चलाए गए सदस्यता अभियान के तहत प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं में 3308 नवीन सदस्य बनाए गए तथा 3308 नवीन सदस्यों को केसीसी प्रदाय किये गये। साथ ही डिजिटल इंडिया कैम्पेन और केशलेस सोसायटी को बढ़ावा देने के लिए रुपे किसान कार्ड प्रदाय किये जा रहे हैं।

इस अवसर पर उपायुक्त सहकारिता श्री ओ.पी. गुप्ता, वरिष्ठ सहकारी नेता श्री किशनसिंह भटोल, बैंक प्रबंधक श्री एम.के. माथुर, सहायक प्रबंधक श्री अनिल सुहाने, दिलीप डागर, राजेन्द्र गुप्ता, दिनेश चौबे, मनोज कुमार शर्मा सहित बैंक से संबंधित शाखा प्रबंधक, समिति प्रबंधक एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

देवास सहकारी बैंक की 71वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

धार। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. देवास की 71वीं वार्षिक साधारण सभा प्रधान कार्यालय भवन में आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री चंद्रमौलि शुक्ला ने कहा कि बैंक की निधियों का वास्तविक मूल्य 13661.55 लाख रु. हो गया है। आलोच्य वर्ष में बैंक द्वारा 584.50 लाख रु. का लाभ अर्जित किया है। इस तरह बैंक 978.90 लाख रु. के संचित लाभ में आ गया है। बैंक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजनांतर्गत 172459 कृषकों को केसीसी जारी किये गये। बैंक की अंशपूँजी आलोच्य वर्ष में 47 करोड़ 10 लाख 3 हजार रु. रही। कुल अमानतें 649 करोड़ 80 लाख 27 हजार रु. हो गई जो विगत वर्ष से 105 करोड़ 69 लाख रु. अधिक है। बैंक द्वारा 58.75 प्रश ऋण वसूली की गई जबकि समिति स्तर पर वसूली 78.74 प्रश रही। बैंक द्वारा 652 करोड़ 79 लाख 77 हजार रु. का अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित किया गया।

बैंक के महाप्रबंधक श्री पी.एस. पुरी ने बताया कि बैंक द्वारा नाबार्ड के सहयोग से मोबाईल एटीएम वेन सुविधा शुरू की जा रही है जो एक चलित शाखा के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था के सदस्यों को सहकारी संस्थाओं तथा इफको व कृभको द्वारा रासायनिक उर्वरकों की खरीदी पर बीमा योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर उपायुक्त सहकारिता श्री महेन्द्र दीक्षित, बैंक अधिकारीगण सर्वश्री दत्तात्रयसिंह सोलंकी, मुकेश त्रिवेदी, रूपकिशोर गुप्ता, घनश्याम वर्मा, संजय कुमार जोशी सहित बैंक से संबंधित शाखा प्रबंधक एवं समिति प्रबंधक तथा बैंक के सदस्यगण उपस्थित थे।

को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन की बैठक संपन्न

इंदौर। ऑल इंडिया को आपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों में त्रिस्तस्तीय व्यवस्था के स्थान पर द्विस्तरीय व्यवस्था लागू करने और सहकारी बैंकों के कर्मचारियों को पेन्शन प्रदान करने हेतु इन्दौर में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक को मुख्य अतिथि राजन नागर (अध्यक्ष, ऑल इंडिया बैंक एम्पलाईज एसोसिएशन) ने संबोधित करते हुए कहा है यह व्यवस्था लागू होने से देश के किसानों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध होगा और इन को-ऑपरेटिव बैंक में ग्राहकों को सुविधाओं में भी सुधार हो सकेगा।

आलोक खरे चेयरमैन ऑल इंडिया बैंक आफिर्सस एसोसिएशन ने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ ही आज देश की को-ऑपरेटिव बैंकों पर भी सरकार निजीकरण करने पर आमदा है जिससे सहकारी आन्दोलन को क्षति पहुंची है। सरकार इनके आर्थिक हानि से बचाने के लिए कोई उपाय करने की जगह इनको किसी तरह बंद करना चाहती है। इसलिए ऑल इंडिया को आपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन ने जो मांग द्विवस्तरीय की उठाई है उसे देशभर की को आपरेटिव बैंकों में संगठित होकर जन आन्दोलन करने की आज अवश्यकता है।

वी.के. शर्मा (महासचिव मध्यप्रदेश बैंक एम्पलाईज फेडरेशन) ने कहा कि मध्यप्रदेश मे को आपरेटिव बैको की हालत बेहद चिन्ताजनक है इन विषम परिस्थियो मे इन को आपरेटिव बैंक के कर्मचारी किसानो और ग्राहको को सुलभ सुविधाऐ प्रदान कर रहे है यह बडी बात है। श्री एम.के.शुक्ला ने कहा कि भविष्य मे द्विस्तरीय व्यवस्था लागू करने हेतु फेडरेशन जो भी आन्दोलन करेगा उसमे मध्यप्रदेश बैंक एम्पलाईज एसोसिएशन और मध्यप्रदेश को आपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन संयुक्त रूप से समर्थन और सहभागिता करेंगे।

ऑल इंडिया बैंक एम्पलाईज एसो.और ऑल इंडिया को आपरेटिव बैंक एम्पलाईज फेडरेशन की ज्वाईन्ट मिटिंग लाभ मंडपम् (अभय खेल प्रशाल) मे आयोजित की गई। इसमें साथी सी.एच. वैंकटाचलम ने कहा कि सार्वजनिक बैंकों में जमा धन जनता का है इसे निजी क्षेत्र के चंद पूंजीपतियों को सौपा जाने का निर्णय हमें स्वीकार नहीं है इसके विरुद्ध हड़ताल की हद तक आंदोलन किया जाएगा। हड़ताल की तारीख की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। इस ऑफिस बेरियर मिटिंग मे खरगोन जिला बैंक से श्री ओमप्रकाश रघुवंशी, श्री प्रकाश आव्हाड, श्री अभिषेकसिंह तोमर उज्जैन जिला बैंक के साथी बसंत दोराया, श्री रवि गुप्ता, श्री सोमानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन तपन कुमार बोस (महासचिव) ने किया और अध्यक्षता जी.आर.निमगांवकर ने की। योगेन्द्र महावर ने सबका आभार व्यक्त किया।

पूर्व आई.ए.एस ने किसानों को दिया प्रशिक्षण

इंदौर। पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र राऊ में फल सब्जी पैदा करने वाले किसानों के लिए उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में ई-फसल योजना संचालित करने वाले पूर्व आई.ए.एस. डॉ.रवीन्द्र पस्तोर ने किसानों को सलाह दी कि ग्रेडिंग कर ग्रेड अनुसार कृषि उपजों की बिक्री व फसल वार एक जैसी पैकेज ऑफ प्रैक्टिस अपनायें। फारमर्स प्रॉड्यूसर कम्पनी का गठन करें। दोनों तरफ़ सप्लाई चैन को छोटा कर उत्पादन लागत कम करें। उत्पादन की मात्रा तथा गुणवत्ता को बढ़ाकर मार्केट के ट्रेंड को समझना होगा। कृषि के जोखिम को कैसे कम किया जा सकता है इस विषय पर प्रगतिशील किसानों को ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम में संयुक्त आयुक्त श्री प्रतीक सोनवलकर और संयुक्त संचालक उद्यानिकी श्री एन.डी. जाटव उपस्थित थे।

शुभ दीपावली

माननीय सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

श्री आशीष सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मनोज गुप्ता (उपायुक्त सहकारिता) | श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री शिरीष श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री नवीन कुमार मैथ्युज (शा.प्र. भरतपुरी) श्री सुनील कुमार माहेश्वरी (शा.प्र. इंगोरिया)
श्री निशिकांत चव्हाण (पर्य. भरतपुरी) श्री मुकेश जोशी (पर्य. इंगोरिया)

प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. मगरोला, जि.उज्जैन श्री अशोक सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. करोहन, जि.उज्जैन श्री कमलसिंह राजावत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. असलावदा, जि.उज्जैन श्री हिम्मतसिंह राणावत (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पंथ पिपलई, जि.उज्जैन श्री कैलाश मकवाना (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. गोदिया, जि.उज्जैन श्री पवन कुमार करनोदिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. बलेड़ी, जि.उज्जैन श्री प्रतापसिंह सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. लेकोड़ा, जि.उज्जैन श्री निशिकांत चौहान (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. हमीरखेड़ी, जि.उज्जैन श्री सुनील मेहता (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. सुवासा, जि.उज्जैन श्री जगदीश बोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. तालोद, जि.उज्जैन श्री संतोष सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. इंगोरिया, जि.उज्जैन श्री चंद्र देव चौधरी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चिकली, जि.उज्जैन श्री पदमसिह अंजाना (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चन्देसरा, जि.उज्जैन श्री जीवनलाल पोरवाल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. पलसोड़ा, जि.उज्जैन श्री राजेश जायसवाल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. उनालजा, जि.उज्जैन श्री अनोखी लावरिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. आकासोदा, जि.उज्जैन श्री संतोष माथुर (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. धुड़ावन, जि.उज्जैन श्री संदीप त्रिवेदी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. घड़सिंगा, जि.उज्जैन श्री अर्जुन जोशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. चिंता जवासिया, जि.उज्जैन श्री अबरार खान (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. दंगवाड़ा, जि.उज्जैन श्री मुकेश जोशी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह.संस्था मर्या. वमनापाती, जि.उज्जैन श्री मुकेश जोशी (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

जिला सहकारी बैंक मंदसौर की 104वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

मंदसौर सहकारी बैंक को 208.31 रु. लाख का लाभ

मंदसौर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मंदसौर की 104 वीं वार्षिक साधारण सभा राजेन्द्र परिणय रिसोर्ट मंदसौर में कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री गौतम सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला मंदसौर एवं नीमच की 172 प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं, दोनों जिलों की मार्केटिंग सोसायटी एवं अन्य प्रकार की सहकारी समितियों के प्रशासक एवं प्रतिनिधि वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री गौतम सिंह, बैंक सीईओ श्री पी.एन. यादव, श्री आनंद बड़ोनिया उप संचालक कृषि, श्री कार्तिकेय भट्ट जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड एवं श्री राधेश्याम इन्देरिया लीड बैंक प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मां सरस्वती एवं मां लक्ष्मी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। बैंक प्रशासक महोदय श्री गौतम सिंह द्वारा अपने उद्‌बोधन में बैंक की प्रगति एवं अमानतों, निधियां, अंशपूंजी, ऋण वितरण आदि में वृद्धि तथा वर्ष 2021-22 में हुए शुद्ध लाभ राशि रू. 208.31 लाख का उल्लेख किया।

बैंक सीईओ श्री पी.एन. यादव के द्वारा साधारण सभा में उपस्थित सभी अतिथियों का मंच से स्वागत् करते हुए बैंक का वर्ष 2021-22 का वार्षिक प्रतिवेदन एवं वर्ष 2023-24 के लिए बैंक की प्रस्तावित कार्य योजना का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया,जिसे हर्ष ध्वनि से सर्वानुमति से स्वीकृति प्रदान की गई। पश्चात् वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित प्रतिनिधियों में से वरिष्ठ प्रतिनिधियों द्वारा बैंक प्रशासक श्री गौतम सिंह एवं बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पीएन यादव को बैंक के कार्य व्यवहार को कुशलतापूर्वक संचालन करते हुए बैंक की अमानतों, अंशपूंजी एवं लाभार्जन में आशातीत वृद्धि के लिए बधाई दी। साथ ही साधारण सभा में उपस्थित बैंक प्रतिनिधि श्री शोभागमल जैन, श्री अमृतलाल चौधरी, श्री भोपाल सिंह सिसोदिया, श्री महेश जूनवाल द्वारा अपने सुझाव व्यक्त किए, जिनका बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री यादव के द्वारा उत्तर दिया गया एवं शीर्ष कार्यवाही किए जानें का आश्वासन भी दिया गया। साथ ही श्री आनंद बडोनिया उप संचालक कृषि, श्री कार्तिकेय भट्ट जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड, श्री राधेश्याम इन्देरिया लीड बैंक प्रबंधक ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी.एन. यादव द्वारा आभार व्यक्त किया गया

सहकारी समितियों का रजिस्ट्रेशन केवल ऑनलाइन होगा

इंदौर। सहकारी समितियों का पंजीयन अब केवल ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा। ऑनलाइन प्रक्रिया से समितियों का पंजीयन करवाने के लिए संबंधित व्यक्तियों को कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। समितियों के पंजीयन हेतु विभागीय ऑनलाईन पोर्टल www.icmis.mp.gov.in के माध्यम से 21 व्यक्ति मिलकर सहकारी समिति का गठन कर सकते हैं। पोर्टल पर नवीन संस्था का आवेदन करने के लिए आवेदक उल्लेखित लिंक पर जाकर स्वयं एमपी ऑनलाईन नागरिक सुविधा केन्द्र के माध्यम से आवेदन कर सकता है।

आवेदक को पोर्टल पर अपना लॉग इन क्रिएट करना होगा। लॉग इन क्रिएट करने के लिए आधार से लिंक मोबाईल नंबर प्रविष्टि कर ओटीपी सत्यापन होगा। प्रस्तावित संस्था की जानकारी एवं प्रथम आवेदन की जानकारी भरकर पासवर्ड निर्मित करेगा। तत्पश्चात आवेदक का लॉगिन निर्मित हो जायेगा। अंशपूंजी का मूल्य दर्ज करके प्रस्तावित सदस्यों के फोटो एवं हस्ताक्षर अपलोड कर तदर्थ कमेटी नामांकित कर दस्तावेज अपलोड कर अंशों का मूल्य एवं सदस्यता प्रवेश शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करेगा। आधार नंबर से वर्चुएल आईडी जनरेट होगा और आवेदक का ई-साईन कर आवेदन ऑनलाईन जमा करना होगा।

विभाग द्वारा आवेदन प्राप्त होने पर अधिकतम 45 दिवस के भीतर आवेदन पर कार्यवाही की जायेगी। कुछ कमियां होने पर पोर्टल पर दर्ज किया जायेगा। जिसकी सूचना एसएमएस से दी जायेगी। पंजीयन पोर्टल पर आवेदन मान्य होने पर पोर्टल से ही पंजीयन प्रमाण-पत्र जनरेट होगा जिसमें डिजिटल हस्ताक्षर रहेंगे।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. धार की 97वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

धार सहकारी बैंक 339.82 लाख रु. के शुद्ध लाभ में

धार। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. धार की 97वीं वार्षिक साधारण सभी विगत दिनों संपन्न हुई जिसमें बैंक महाप्रबंधक श्री पी.एन. धनवाल ने बताया कि बैंक की वर्ष 2021-22 की स्थिति पर शुद्ध लाभ 339.82 लाख रु. रहा। वर्तमान में बैंक की जिले में चार एटीएम कार्यरत हैं। उपायुक्त सहकारिता एवं बैंक प्रशासक श्री परमानंद गोडरिया ने वार्षिक साधारण सभा को दौरान बैंक ने नो मिस कॉल अलर्ट की सुविधा का भी शुभारंभ किया। उक्त सुविधा लाभू होने से बैंक के लगभग 2.50 लाख अमानतदारों को लाभ प्राप्त होगा। बैठक में योजना विकास एवं स्थापना अधिकारी ममता शुक्ला, प्रभारी लेखा राजेन्द्र कुमार पाटिल सहित बैंक के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन श्री दीपक शुक्ला ने किया।

रतलाम सहकारी बैंक की 73वीं साधारण सभा सम्पन्न

रतलाम। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. रतलाम की 73 वीं साधारण सभा कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में नवीन कलेक्टोरेट परिसर में सम्पन हुई। जिसमें कलेक्टर द्वारा बैंक की प्रगति का प्रतिवेदन सम्माननीय सदस्यों के समक्ष रखते हुए कहा कि बैंक के एन.पी.ए. की वसूली हेतु सभी सदस्यों के सहयोग की अपेक्षा की गई।

बैंक के महाप्रबंधक श्री आलोक जैन द्वारा बैंक का वार्षिक लेखा-जोखा तथा वर्ष 2023-24 की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई जिसमें ऋण वितरण हेतु रू. 73000.00 लाख का, अमानतों हेतु रू. 83708.00 लाख एवं वसूली हेतु रू. 88 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया। श्री जैन द्वारा बताया गया कि इस वर्ष बैंक द्वारा 218.90 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। बैंक की वर्तमान अंशपूंजी 4481.78 लाख एवं अमानतें 63293.28 लाख तथा बैंक की कार्यशील पूंजी 92349.98 लाख है। इस वर्ष बैंक की वसूली 78.04 प्रतिशत रही है। इस वर्ष भी सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। बैंक प्रदेश के चुनिंदा सफल सहकारी बैंको में होकर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

श्री जैन द्वारा बताया गया कि बैंक द्वारा अमानतों पर सर्वाधिक ब्याज दर 6.25 प्रतिशत् 26.09.2022 से लागू की गई है तथा वरिष्ठ नागरिको को 1 प्रतिशत् अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ दिया जा रहा है।आमसभा को बैंक प्रतिनिधि श्री देवेन्द्रकुमार शर्मा, श्री सूर्यनारायण उपाध्याय, श्री सोभागमल कोठारी, श्री सत्यनारायण झाला ने भी संबोधित कर अपने सुझाव दिये जिस पर आगामी वर्ष में कार्यवाही की जावेगी। बैठक के पश्चात् बैंक शाखाओं एवं संस्थाओं में विभिन्न कार्यों में उत्कृष्ट योगदान के लिये कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

शुभ दीपावली

जिला सहकारी बैंक विदिशा की 107वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

विदिशा सहकारी बैंक की वसूली 79.30 प्रश रही

विदिशा। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की 107वीं वार्षिक साधारण सभा बैंक के प्रशासक एवं कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव के आतिथ्य एवं बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि बैंक ने

लाभप्रदता के क्रम को निरंतर बनाये रखते हुए वर्ष 2021-22 में 29,93,45,990 रु. का लाभ अर्जित किया है। बैंक द्वारा वर्ष 2021-22 के लाभ से 437.60 लाख रु. का प्रावधान संदिग्ध एवं डूबंत ऋणों के विरुद्ध किया। वर्ष 2021-22 में बैंक द्वारा 1217.66 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है। बैंक की वसूली 79.30 प्रश रही।

बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनयप्रकाश सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ 2020 में 80080 ऋणी व 44629 अऋणी एवं रबी वर्ष 2020-21 में 149004 ऋणी एवं 3857 अऋणक्ष कृषकों को बीमा कराया गया। इस वर्ष दो अमानतदारों की मृत्यु पर उनके नामितों को 2-2 लाख रु. की बीमा क्लेम राशि प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि बैंक द्वारा सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2022.23 में 451057.92 मीट्रिक टन खरीदी 205 खरीदी केंद्रों द्वारा की गई। किसानों को केसीसी कार्ड वितरित किये जा रहे हैं।

इस अवसर पर प्रभारी उपायुक्त सहकारिता श्री पुष्पेन्द्र कुशवाह, बैंक के दिनेशचन्द्र शर्मा, सत्यप्रकाश आर्य, शाखा प्रबंधक विजय कुमार साहू एवं बैंक के कर्मचारी तथा सहकारी समितियों के बैंक प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

कंप्रेस्ड बायो गैस उत्पादन योजना के लिए समिति गठित

इंदौर। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश कंप्रेस्ड बायो गैस उत्पादन योजना के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में समिति गठित की है। समिति में अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं डेयरी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास और वन को सदस्य बनाया गया है। इसके अतिरिक्त प्रमुख सचिव सहकारिता, ऊर्जा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण, चिकित्सा शिक्षा और अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण और सचिव सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भी सदस्य होंगे। समिति में प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण सदस्य सचिव होंगे।

समिति प्रदेश में कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट स्थापना के संबंध में कृषि, वन अपशिष्ट, डिस्टिलरी अपशिष्ट और नगरीय निकायों के ठोस अपशिष्ट उपलब्धता की समीक्षा करेगी। साथ ही योजना से संबंधित कार्य-योजना बनाने और प्रदेश में उपलब्ध विभिन्न भौगोलिक अपशिष्ट के अनुसार बायो गैस प्लांट स्थापना के लिए सुझाव देगी। समिति 3 माह में कम से कम एक बैठक अवश्य करेगी।

किसानों के लिए प्रदेश का पहला लहसुन ग्रेडिंग पैकिंग सेंटर शुरू

इंदौर। ई-फसल एवं मुकेश ट्रेडर्स इन्दौर के संयुक्त तत्वाधान में मध्यप्रदेश का पहला किसानों एवं लहसुन के ख़रीददारो के लिए ग्रेडिंग एवं पैकिंग सेन्टर, नेहरू नगर, राऊ, इन्दौर में इस दशहरा से शुरू किया गया है। इस सेन्टर पर ई-फसल द्वारा किसान एवं व्यापारी के लहसुन की ग्रेडिंग कर क्वालटी का सर्टिफिकेशन किया जाता है तथा ख़रीददार के हिसाब से पैकिंग करवा कर सम्पूर्ण देश में

अग्रिम भुगतान प्राप्त कर बेचने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ख़रीदारी के पूर्व ख़रीदने वालों को ग्रेडिंग का लाईव वीडियो, फ़ोटो व क्वालिटी व वजन का प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस व्यवस्था से लहसुन के व्यवसाय के जोखिम को समाप्त कर टेन्शन फ्री व्यवसाय की सुविधा दी जा रही है। विस्तृत जानकारी के लिए 9617891010 व 9303955288 नंबरों पर संपर्क करें।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. राजगढ़ की 71वीं वार्षिक साधारण सभा

राजगढ़ सहकारी बैंक को 286.05 लाख का लाभ हुआ

हर्ष दीक्षित

डी.आर. सरोठिया

राजगढ़। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. राजगढ़ की 71वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते हुए कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री हर्ष दीक्षित ने कहा कि बैंक को आलोच्य वर्ष 2021-22 में 286.05 लाख रु. का लाभ हुआ है तथा बैंक 1229.03 लाख रु. के संचित लाभ में है। वित्तीय वर्ष में बैंक द्वारा समितियों के माध्यम से खरीफ मौसम हेतु नकद व वस्तु रूप में 86908 कृषकों को 18384.45 लाख रु. तथा रबी हेतु 76621 कृषकों को 14470.85 लाख रु. का ऋण वितरण किया गया। बैंक के महाप्रबंधक श्री डी.आर. सरोठिया ने बताया कि बैंक द्वारा नाबार्ड एवं राज्य शासन की योजनांतर्गत कृषकों को खाद, बीज एवं नकद ऋण प्रदान करने के लिए सभी समितियों में किसान क्रेडिट कार्ड योजना लागू की गई है। बैंक अपनी समस्त शाखाओं को कम्प्यूटरीकृत करते हुए ग्राहकों को कोर बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। साथ ही ग्राहकों को एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस, बीबीपीएस व एसएमएस अलर्ट की सुविधा भी दी जा रही है। एटीएम कार्ड भी ग्राहकों को प्रदान किये जा रहे हैं। साधारण सभा में उपायुक्त सहकारिता श्री जे.पी. सोनकुसरे सहित बैंक के अधिकारी-कर्मचारी गण, शाखा एवं समिति प्रबंधक तथा बैंक के सदस्य उपस्थित थे।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

सीहोर सहकारी बैंक 1098.49 रु. के संचित लाभ में

चंद्रमोहन ठाकुर

मुकेश श्रीवास्तव

सीहोर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. सीहोर की वार्षिक साधारण सभा बैंक के प्रधान कार्यालय भवन में आयोजित की गई। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री चंद्रमोहन ठाकुर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में बैंक द्वारा 659.14 लाख रु. का लाभ अर्जित किया गया है तथा बैंक 1098.49 लाख रु. के संचित लाभ में है। वर्तमान में बैंक की अंशपूँजी 11807.24 लाख, निधियाँ 13006.41 लाख, कार्यशील पूँजी 179612.06 लाख एवं अमानतें 73860.64 लाख हैं। बैंक की वसूली 73.71 प्रतिशत है तथा एनपीए 66.94 प्रश है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि बैंक द्वारा खरीफ सीजन में 84805 कृषकों का एवं रबी सीजन में 99210 कृषकों का फसल बीमा तथा 74468 कृषकों का दुर्घटना बीमा कराया गया है। बैंक द्वारा कृषकों के लिए चलाई जा रही शासन की सभी योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जा रहा है। इस अवसर पर उपायुक्त सहकारिता श्री भूपेन्द्र सिंह, सहायक प्रबंधक श्री मनोज शर्मा, प्रभारी सहायक प्रबंधक श्री मोहम्मद हनीफ खान, शाखा प्रबंधक श्री बालमुकुंद शाक्य एवं अनिल सोलंकी, प्रभारी शाखा प्रबंधक डॉ. श्रीमती रजनीगंधा राठौर एवं श्री प्रमोद गौतम, श्री दिनेश कचनेरिया, श्री मनोज वर्मा, श्री मंसूर अली खान, श्री मनोज बाथम, रामनरेश बवेले, प्रदीप उपाध्याय, कृष्णमोहन वर्मा, विजय राठौर, जे.पी. विश्वकर्मा, जी.पी. मीणा सहित बैंक के अधिकारी-कर्मचारी एवं बैंक से संबद्ध शाखा प्रबंधक एवं समिति प्रबंधक उपस्थित थे।

पं. गोविंद नारायण पटैरिया का स्वर्गवास

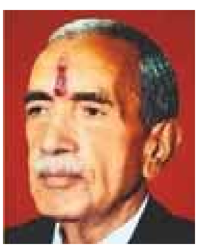

गोविंद नारायण पटैरिया

इंदौर। सिंचित खेती के संपादक एवं अ.भा. ब्राह्मण एकता परिषद के प्रदेश सचिव लक्ष्मीनारायण पटैरिया के पिता पं. गोविंद नारायण पटैरिया का विगत दिनों स्वर्गवास हो गया। शिक्षाविद् एवं कवि स्व. पटैरिया अत्यंत मिलनसार एवं समाजसेवी व्यक्ति थे। स्व. पटैरिया के निधन पर सर्वश्री राजेन्द्र चतुर्वेदी, लक्ष्मीनारायण पाठक, श्याम बिहारी, ओमप्रकाश, आदित्य नारायण, रमेश, महेश लिटौरिया, जिझौतिया ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष महेश चतुर्वेदी, हरिनारायण तिवारी, ग्राम संस्कृति के संपादक रामप्रकाश शर्मा, कृषि मंथन के परीक्षित शर्मा और अशोक पाण्डे, नेहुल, रितुल सहित समाज के गणमान्य नागरिकों ने अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि व्यक्त की। हरियाली के रास्ते परिवार दिवंगत के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

शुभ दीपावली

जन-जन के लाड़ले नेता और मध्यप्रदेश के लोकप्रिय सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

समस्त किसान भाइयों को

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसान भाइयों को 0% ब्याज दर पर फसल ऋण

श्री दिनेश जैन (कलेक्टर एवं प्रशासक) | श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री ओ.पी. गुप्ता (उपायुक्त सह.) | श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री राणा शक्ति सिंह
(शा.प्र. सुसनेर)
श्री राणा प्रदीप सिंह
(शा.प्र. सोयतकलां)

प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सुसनेर, जि.आगर श्री राणा छत्रपाल सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मालनवासा, जि.आगर श्री कालू सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. गणेशपुरा, जि.आगर श्री सौरभ जैन (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. खेराना, जि.आगर श्री महेन्द्रसिंह कावल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मोड़ी, जि.आगर श्री देवेन्द्र जोशी (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सोयतकलां, जि.आगर श्री कमलेश गुर्जर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. मैना, जि.आगर श्री जब्बार खान (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. ढोलाना, जि.आगर श्री मानसिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. डोंगरगाँव, जि.आगर श्री भँवरलाल कारपेंटर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. जामुन्या, जि.आगर श्री देवीलाल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. लटुरीगेह, जि.आगर श्री कालू सिंह (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. सोयतखुर्द, जि.आगर श्री ओमप्रकाश झाला (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

शुभ दीपावली

इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ की 39वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

इंदौर दुग्ध संघ को 9.57 करोड़ का शुद्ध लाभ

इन्दौर। इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ की 39वीं वार्षिक साधारण सभा देवी अहिल्या विवि ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। वार्षिक साधारण सभा की अध्यक्षता दुग्ध संघ के अध्यक्ष श्री मोतीसिंह पटेल द्वारा की गई। दुग्ध संघ के अध्यक्ष श्री मोती सिंह पटेल द्वारा दुग्ध संघ की गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अवगत कराया कि दुग्ध संघ का वर्ष 2021-22 का वार्षिक टर्न ओवर 647.78 करोड़ रहा हैं, जो आगामी वित्तीय वर्ष 2022-23 में वार्षिक कार्ययोजना अनुसार टर्न ओवर राशि 750.00 करोड़ होना संभावित हैं। दुग्ध संघ द्वारा वर्ष 2021-22 में राशि 9.57 करोड़ का शुद्ध लाभ एवं दुग्ध समितियों द्वारा भी राशि 944.00 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया हैं, जो संघ की प्रगति का परिचायक हैं।

उन्होंने अवगत कराया गया कि दुग्ध सहकारी समिति के कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके वारिस को गत वार्षिक साधारण सभा में लिये गये निर्णय अनुसार राशि रू. 2.00 लाख से बढ़ाकर राशि रू. 3.00 लाख का भुगतान किया जा रहा है। दुग्ध संघ की लाभात्मकता बढ़ाने हेतु इन्दौर दुग्ध संघ द्वारा 30 मेट्रिक टन प्रतिदिन की क्षमता का नवीन दुग्ध चूर्ण संयंत्र (पावडर प्लांट) का कार्य प्रगति पर है। दुग्ध संघ द्वारा साँची पार्लरों पर उत्पाद श्रृंखला को बढाते हुए साँची कुकीज का निर्माण प्रारंभ किया जाकर स्थानीय बाजार में विक्रय हेतु उपलब्ध कराया गया है। साथ ही दुग्ध संघ में कृत्रिम गर्भाधान एवं अन्य प्रशिक्षण हेतु शीघ्र ही प्रशिक्षण केन्द्र स्थापना की जानकारी दी गई। वर्तमान में इन्दौर दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध उत्पादक किसानों को सर्वाधिक क्रय भाव राशि रू. 770.00 प्रति किलो फेट प्रभावशील किया गया है। साथ ही दुग्ध संघ द्वारा वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 के लाभांश एवं बोनस राशि रू. 11.37 करोड़ का वितरण दुग्ध समितियों के माध्यम से दुग्ध उत्पादक किसानों को दीपावली के पूर्व किया जाउगा।

दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए.एन. द्विवेदी द्वारा दुग्ध संघ प्रतिनिधियों के समक्ष वार्षिक साधारण सभा की विषय सूची रखी गई। जिसका सदस्यों द्वारा सर्वानुमति से अनुमोदन किया गया। सभा को दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री उमरावसिंह मौर्य, श्री रामेश्वर गुर्जर, श्री विक्रम मुकाती, श्री महेन्द्र चौधरी संचालक इन्दौर दुग्ध संघ एवं एमपीसीडीएफ प्रतिनिधि श्री डी.ए.के.व्ही. राव, उपमहाप्रबंधक, पूर्व संचालक श्री रमेशचन्द्र जायसवाल द्वारा भी संबोधित किया गया। वार्षिक साधारण सभा के अवसर पर 18 उत्कृष्ठ दुग्ध समितियों एवं उनके सचिव सर्वाधिक दूध विक्रय करने वाले 5 वितरकों को प्रशस्ति पत्र के साथ पुरुस्कृत किया गया।

किसानों को सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये कृषि को उन्नत बनाना जरूरी है। उन्नत कृषि के लिये यंत्रीकरण भी अत्यावश्यक है। उन्होंने कहा कि किसानों को सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों ने कोरोना काल जैसी विषम परिस्थिति में साबित कर दिया है कि वे महज अन्नदाता ही नहीं, जीवनदाता भी हैं। मंत्री श्री पटेल कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल में कस्टम हायरिंग केन्द्रों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। श्री पटेल ने कहा कि कृषि को उन्नत बनाने में यंत्रीकरण की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। ड्रोन टेक्नालॉजी से समय और लागत में निश्चित ही कमी आयेगी। साथ ही गुणवत्ता में भी सुधार आयेगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रारंभ होने से किसानों का निश्चित ही कौशल उन्नयन होगा।

अपर मुख्य सचिव कृषि श्री अजीत केसरी ने कहा कि प्रदेश में कृषि यंत्रीकरण में संस्थानों को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध करायेंगे। कस्टम हायरिंग केन्द्रों के सम्मेलन में प्रदेश में ड्रोन स्कूल और कृषि यंत्रीकरण के लिये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिये 2 एमओयू साइन किये गये।

संचालक कृषि अभियांत्रिकी मध्यप्रदेश श्री राजीव चौधरी ने बताया कि सम्मेलन में ड्रोन स्कूल की स्थापना के लिये कृषि अभियांत्रिकी ने निदेशक इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय उड़ान एकेडमी अमेठी के निदेशक श्री कृष्णेन्दु गुप्ता के साथ एमओयू साइन किया। उन्होंने बताया कि ड्रोन स्कूल के लिये राज्य सरकार द्वारा सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। श्री चौधरी ने बताया कि एक और एमओयू एग्रीकल्चर स्किल कॉउंसिल ऑफ इण्डिया, कौशल विकास मंत्रालय के सीईओ श्री सत्येन्द्र आर्य के साथ 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना के लिये भी एमओयू साइन किया गया है। यह देश का पहला सेंटर है। इस सेंटर में कृषि यंत्रीकरण के क्षेत्र में युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकों से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिये जायेंगे। कौशल विकास के लिये आवश्यक कोर्स तैयार किये जायेंगे।

सभी नेशनल पार्क में प्लास्टिक थैलियों पर लगेगा प्रतिबंध

भोपाल। वन मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह ने कहा है कि वन विभाग के सभी नेशनल पार्क में प्लास्टिक बोतल और थैलियों पर एक जनवरी 2023 से प्रतिबंध लगाया जायेगा। डॉ. शाह राष्ट्रीय वन विहार उद्यान की विहार वीथिका में वन्य-प्राणी सप्ताह के समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि सभी नेशनल पार्क में वाटर एटीएम लगाये जायेंगे, जिनसे पर्यटकों को कम कीमत पर पानी मिलेगा। साथ ही पार्क में खाद्य सामग्री आदि की थैलियाँ ले जाने पर प्रतिबंध लगाया जायेगा, जिससे पर्यावरण-संरक्षण को बल मिलेगा।

वन मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि देश में विलुप्त हो रहे चीतों के पुनर्स्थापन को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के सार्थक प्रयासों से 72 साल बाद चीता के रूप में प्रदेश को नायाब तोहफा मिल सका है। उन्होंने कहा कि वन विभाग अफ्रीका से आये चीतों के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति सतत रूप से निगरानी रख रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल के आसपास टाइगर मूवमेंट को देखते हुए इस क्षेत्र को अभयारण्य बनाने पर विचार किया जा सकता है। इसके लिये जन-प्रतिनिधियों, वन्य-प्रेमी और बुद्धिजीवी वर्ग को आगे आना चाहिये। वन मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि प्रदेश में अफ्रीका से चीता आने के बाद अब जेब्रा और जिराफ को भी 26 जनवरी, 2023 के पहले वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में लाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

वन मंत्री डॉ. शाह ने वन विहार के वन्य-प्राणी राजू की नजर से बुकलेट, मध्यप्रदेश राज्य जैव-विविधता बोर्ड द्वारा आयोजित 'मध्यप्रदेश राज्य जैव-विविधता क्विज-2022' का पोस्टर जैव-विविधता बोर्ड एवं विश्व प्रकृति निधि भारत द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित 'ड्रेगन फ्लाई' पर केन्द्रित पुस्तक एवं डॉ. ए.बी. श्रीवास्तव की पुस्तक 'जंगली बिल्लियों के पोस्टमार्टम हेतु मेन्युअल' और मध्यप्रदेश वनांचल संदेश की त्रैमासिक पत्रिका का विमोचन किया। वन मंत्री ने वन्य-प्राणियों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिये सभी को शपथ भी दिलाई।

सरकार लोगों के जेब में पैसा डालने का काम कर रही

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अपने भेंट-मुलाकात अभियान के तहत नवगठित सक्ती जिला के जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम काशीगढ़ पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का शाल भेंट कर, फूल माला और धान की बाली पहना कर उत्साहपूर्वक उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, विधायक श्री रामकुमार यादव, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार लोगों के जेब में पैसा डालने का काम कर रही है। सक्ती नवगठित जिला है, यहां काफी काम किया जाना है। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों से जानकारी मिली कि वे और भी अन्य गतिविधियों से जुड़ना चाहती हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार ने ग्रामीण औद्योगिक पार्क की शुरुआत करने का निर्णय लिया है। प्रारंभिक चरण में प्रत्येक ब्लॉक में दो पार्क बनाए जा रहे हैं, आवश्यकतानुरूप इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके लिए शासन द्वारा 600 करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया है। जिन गांवों में गौठान नहीं बने हैं, वहां जल्द गौठान बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए जा रहे हैं। हमारी सरकार शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा ने के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परम्पराओं को सहेजने तथा संवारने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

सहकारी प्रशिक्षण संस्थान के नवीन परिसर का लोकार्पण

रायपुर। वन एवं परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने अपेक्स बैंक द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान पंडरी रायपुर के नवीन परिसर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा एवं अध्यक्षता अपेक्स बैंक अध्यक्ष श्री बैजनाथ चंद्राकर द्वारा की गई। इस अवसर पर सचिव सहकारिता, पंजीयक एवं सहकारी संस्थाएं श्री हिमशिखर गुप्ता, महाप्रबंधक नाबार्ड डॉ. सुरेन्द्र बाबू भी उपस्थित थे।

मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बधेल के नेतृत्व में आज छश्रीसगढ़ की सहकारी संस्थाओं में नई सोच तथा नये उत्साह के साथ कार्य हो रहे है। किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए 725 नवीन सहकारी समितियों का गठन किया गया।

अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री बैजनाथ चंद्राकर ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को छत्तीसगढ़ में आगे ले जाने का जो अभियान प्रारंभ हुआ है उसका श्रेय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को जाता है। अपेक्स बैंक द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ सहकारी प्रशिक्षण संस्थान को नवीन साज-सज्जा के साथ क्लास रूम, कम्प्युटर लैब से पूर्णतः कम्प्युटरीकृत किया गया है।

कार्यक्रम को पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर उपसचिव सहकारिता श्री पी.एस. सर्पराज, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री के.एन. कान्डे, अपेक्स बैंक डीजीएम एवं प्राचार्य श्री भूपेश चंद्रवंशी, ओएसडी श्री अविनाश श्रीवास्तव, ओएसडी अनूप अग्रवाल, अपेक्स बैंक ए.जी.एम. श्री एल.के. चौधरी, एजीएम व शाखा प्रबंधक श्री अजय भगत, शाखा प्रबंधक शारदा चौक श्री सी.पी. व्यास, प्रबंधक श्री ए.के.लहरे, प्रबंधक श्री जी एस ठाकुर, प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के सीईओ रायपुर श्री एस.के. जोशी, जगदलपुर श्री आर.ए. खान, दुर्ग सीईओ श्रीमती अपेक्षा व्यास, बिलासपुर सीईओ श्री कांत चंद्राकर, राजनांदगांव सीईओ श्री सुधीर सोनी तथा अपेक्स बैंक व जिला सहकारी बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

शुभ दीपावली

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
डॉ. प्रभुराम चौधरी
(प्रभारी मंत्री)
समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ
माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
आज़ादी का अमृत महोत्सव
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री राजेश कोचले
(भारसाधक अधिकारी)
श्री जुवानसिंह जामोद
(प्रभारी मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति गंधवानी (जि.धार)

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री इन्दरसिंह परमार
(प्रभारी मंत्री)
माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
आज़ादी का अमृत महोत्सव
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री अनिल भाना
(भारसाधक अधिकारी)
श्री प्रेमसिंह हिहोर
(प्रभारी मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति थांदला (जि.झाबुआ)

समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ
श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
आज़ादी का अमृत महोत्सव
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्रीमती वंदना चौहान
(भारसाधक अधिकारी)
श्री रमेशचंद्र वास्के
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति सेगाँव (जि.खरगोन)

श्री शिवराजसिंह चौहान
(मुख्यमंत्री)
श्री कमल पटेल
(कृषि मंत्री)
श्री हरदीपसिंह डंग
(प्रभारी मंत्री)
समस्त किसान भाइयों को दीपावली की बधाइयाँ
माननीय कृषि मंत्री श्री कमल पटेल जो जन्मदिवस की शुभकामनाएँ
किसान भाइयों से विनम्र अपील
मंडी प्रांगण में प्रवेश करते समय अपनी कृषि उपज आवश्यक रूप से दर्ज कराएँ और प्रवेश पर्ची प्राप्त करें।
किसान भाई अपनी फसल का क्रय-विक्रय मंडी प्रांगण में ही आकर करें।
नीलामी के समय किसान भाई अपनी उपज के पास ही उपस्थित रहें।
मुख्यमंत्री भावांतर भुगतान योजना का लाभ उठाएँ और सही तौल एवं समय पर भुगतान पाएँ।
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करें।
मुख्यमंत्री हम्माल-तुलावटी योजना का लाभ प्राप्त करें।
किसान ही हमारे सच्चे मित्र हैं।
आज़ादी का अमृत महोत्सव
श्री महेन्द्रसिंह चौहान
(संयुक्त संचालक इंदौर संभाग)
श्री जगदीश रंधावा
(भारसाधक अधिकारी)
श्री देवीसिंह धनपार
(मंडी सचिव)
सौजन्य से
कृषि उपज मंडी समिति बलवाड़ी (जि.बड़वानी)

आशीष वचनम्

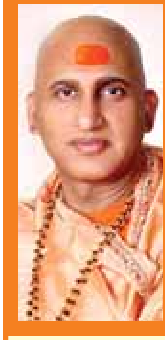

स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए योग उपयोगी

स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए उपयोगी है - योग। पवित्र अंतःकरण ही वह दर्पण है, जिसमें आत्मा का दर्शन और ब्रह्म का संदर्शन होता है। शुद्ध अंतःकरण में बुद्धि आकाशवत् निर्मल और स्वच्छ रहती है, मन गंगा जैसा पवित्र रहता है, चित्त ऐसा स्थिर रहता है जैसे बिना वायु के अविचल दीपक की ज्योति और सम्पूर्ण चेतना ईश्वर में मिलने के लिए ऐसी बहती है जैसे समुद्र में मिलने के लिए नदियाँ। जैसे दर्पण में अपना चेहरा तभी दिखलायी पड़ता है, जबकि दर्पण साफ और स्थिर हो, इसी प्रकार शुद्ध अंतःकरण से ही परम ब्रह्म के दर्शन होते हैं। योग एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करता है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करता है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से प्रसन्न और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करता है। 'ध्यान और योग से हम अपने अन्तःकरण की सफाई बहुत अच्छी तरह से कर सकते हैं। योग का प्रयोजन है, मन की गांठों को खोलना और उनका उपचार करना।'। योग द्वारा हमारी बुद्धि, मन एवं शरीर संतुलित रहता है। मिलावट के इस दौर में हम अपने आप को योग द्वारा ही बचा सकते हैं ...।

सोयाबीन को रोगों से बचाव के लिए किसानों को सलाह

इंदौर। सोयाबीन की फसलों में विभिन्न रोगों जैसे फली का गिरना एवं हरित अर्द्धकुण्डलित इल्ली के प्रकोप आदि से बचाने के लिये किसानों को सलाह दी गई है। किसानों से कहा गया है कि वे अपने फसलों की सतत निगरानी करें। कीटव्याधि दिखाई देने अथवा इल्लियों का प्रकोप होने पर तुरंत उपचार करें। सोयाबीन में तना मक्खी, सफेद मक्खी, गर्डल बीटल, तम्बाकू की इल्ली, चने की सुण्डी एवं हरित अर्द्धकुण्डलित इल्ली के प्रकोप की आशंका रहती है। जिसमें तना मक्खी कीट से प्रभावित पौध मुरझा कर सूख सकतें हैं। इसके निदान के लिए कीटनाशक दवा का छिड़काव करने की सलाह दी गई है। किसानों से कहा गया है कि वे कीट का प्रकोप होने पर मुख्य रूप से सोयाबीन किस्म जेएस-9560, जेएस- 9305, जेएस- 2034 में निदान के लिए क्लोरेन्ट्रानिरिप्रोल 10 प्रतिशत + लेम्बडासाइलोथ्रिन 5 प्रतिशत जिंक 80- 100 मिली एकड या बीटासाइफ्लूथ्रिन 8.49 प्रतिशत + इमिडाक्लोप्रिड 19.81 प्रतिशत ओडी 140 मिली एकड या थायोमिथाक्साम 12.6 प्रतिशत+ लेम्बडासाइलोथ्रिन 9.5 प्रतिशत जिंक 80 मिली/एकड का 150-200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करे। सोयाबीन फसल में उकठा रायजोबियम एरियल ब्लाईट रोगों के लक्षण दिखाई देने पर कीटनाशक दवाओं के साथ फफूँदनाशक थायोफिनेट मिथाईल 70 प्रतिशत डब्ल्यूपी 400 ग्रा/एकड़ या टेबुकोनोजाल 10 प्रतिशत + सल्फर 65 डब्ल्यूजी 400 ग्राम/एकड़ का छिड़काव एवं एन.पी.के. 19:19:19 एक किग्रा/एकड़ का छिड़काव करने की सलाह दी गयी है।

स्वसहायता समूह से ऋण लेकर अपना व्यवसाय खड़ा किया

शाजापुर। शाजापुर जनपद पंचायत के ग्राम कांजा की निवासी श्रीमती सुशीला बाई पति अम्बाराम ने अपने ग्राम के ही स्वसहायता समूह से ऋष्ा लेकर अपना स्वयं का व्यवसाय खड़ा किया है। आज वह रेल्वे स्टेशन पर स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों को बेच रही है, वही क्षेत्र के हॉट बाजारों में भी अपने उत्पाद बेचकर लाभ कमा रही है।

श्रीमती सुशीलाबाई ने बताया कि मध्यप्रदेश डे- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के पहले उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वह और उसके पति मजदूरी कर-कर अपना घर चला रहे थे। मध्यप्रदेश डे- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की जानकारी मिलने पर वह महाकाल स्वसहायता समूह से जुड़ी। समूह से जुड़ने के बाद नियमित बैठकों में भाग लेने लगी। समूह को प्राप्?त चक्रिय कोश की राशि 12000 तथा सीआईएफ की राशि 75000 रूपये इकट्ठा हुई। इस राशि से उसने 50 हजार रूपये का ऋण लिया। इस राशि से उसने चूड़ी एवं खाने-पीने की सामग्री बनाकर आसपास के हॉट बाजारों में बेचने का काम शुरू किया, इससे उसे अच्छी आमदनी होने लगी। हॉल ही में उसे रेल्वे स्टेशन पर स्टॉल लगाने का अवसर मिला। इस प्रकार उसे अब लगभग 10000 रूपये प्रतिमाह की आमदनी होने लगी है। इसके लिए वह मिशन की आभारी है, जिसने उसकी आर्थिक स्थिति में बदलाव लाया है। वह अन्य महिलाओं को भी स्वसहायता समूह बनाकर आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की सलाह देती है।

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी।

वृषभ

बाहरी व्यक्तियों से सावधानीपूर्वक वार्तालाप करें व यात्रा में भी सावधानी रखना होगी। स्थानीय मामलों में सफलता के साथ प्रसन्नता रहेगी। स्त्री पक्ष के मामलों में सावधानी रखना होगी।

मिथुन

भाग्य में अनुकूलता होने से कार्य में प्रगति आएगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। नौकरीपेशा अपने कार्य में प्रगति के साथ लाभान्वित होंगे। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। शत्रुपक्ष पर प्रभाव बना रहेगा।

कर्क

भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए सहयोगवादी समय रहेगा।

सिंह

प्रभाव में वृद्धि होगी, वहीं स्वास्थ्य ठीक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधित मामलों में सावधानी रखना होगी। व्यापार-व्यवसाय में संतोषजनक स्थिति रहेगी। जमीनी कार्य से लाभार्जन कर सकते हैं।

कन्या

ईष्ट मित्रों व भाइयों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी के कार्य में अनुकूल स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा के लिए समय मिला-जुला रहेगा। अधिकारी वर्ग का सहयोग लेकर चलें। स्वास्थ्य अधिकतम ठीक रहेगा।

तुला

दांपत्य जीवन में मधुर वातावरण रहेगा। संतान पक्ष में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग में अनुकूल स्थिति रहेगी। आर्थिक प्रयासों में अनुकूल सफलता पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए समझदारी से चलना होगा।

वृश्चिक

इच्छित कार्य में सफल होंगे, मानसिक सुख-शांति रहेगी। पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। मातृपक्ष से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सुखद स्थिति पाएंगे। अधिकारी वर्ग भी सुखद स्थिति पाएंगे।

धनु

आर्थिक प्रयासों में तेजी आएगी। संतान पक्ष के कार्यों में सहयोग देना होगा। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। रुके कार्य स्वप्रयत्नों से पूरे होंगे।

मकर

मानसिक प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा। उत्साहजनक समाचार मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक हेगी। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे।

कुम्भ

भाग्यबल द्वारा आपके कार्य बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति अनुकूल रहेगी। नौकरीपेशा अनुकूल स्थिति पाएंगे। संतान के कार्यों में खर्च होगा। परिवार में शुभ कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

मीन

अधिकारी वर्ग का सहयोग मिलने से कार्य कुशलतापूर्वक बनेंगे। धन-कुटुम्ब के मामलों में सहयोग के साथ उत्तम स्थिति रहेगी। आर्थिक मामलों में स्वप्रयत्नों द्वारा लाभान्वित होंगे। सोचे कार्यों में थोड़ी बाधा रहेगी।

सबसे ज्यादा देखी जाने वाली वेब सीरीज बनी कर्म युद्ध

कर्म युद्ध जो डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है, सतीश कौशिक, पाओली डैम और आशुतोष राणा के शानदार प्रदर्शन के साथ एक पावरफुल रिवेंज ड्रामा है। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी दिलचस्प कहानी, बेहतरीन निर्देशन और शानदार प्रदर्शन के कारण, यह सभी प्लेटफार्मों पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज बन गई है। कर्म युद्ध एक अमीर बंगाली परिवार, द रॉयस के भीतर सत्ता की लड़ाई की कहानी है। सत्ता की तलाश में खून कैसे खून के खिलाफ हो जाता है कि रिश्तों में भावनाओं का कोई जगह नहीं बचती है। कहानी को एक विशिष्ट शैली में तैयार किया गया है, जो दर्शकों को पूरी तरह से एक अलग यात्रा पर ले जाती है, जो मानवीय भावनाओं को फैलाती है और जिसमें गुस्से से लेकर खुशी, ईर्ष्या और लालसा तक होती है।सतीश कौशिक, पाओली डैम, आशुतोष राणा, अंजना सुखानी और प्रणय पचौरी जैसी प्रतिभाशाली स्टार-कास्ट ने बाकी लोगों के साथ एक मास्टर पीस पेश की है, जिसे हर कोई पसंद कर रहा है। यह शो पूरे सोशल मीडिया पर टॉप 10 रुझानों में ट्रेंड कर रहा था, क्योंकि नेटिज़न्स सीरीज से मंत्रमुग्ध थे। इस सीरीज को सभी मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उल्लेखनीय फिल्म और मीडिया हस्तियों से भी तारीफ मिल रही है। कर्म युद्ध अपनी रोमांचक कहानी के साथ, कोलकाता की खूबसूरत बैकड्राप और एक बिजनेस परिवार की शतरंज की बिसात की रणनीति ने हर तरफ दर्शकों के बीच रुचि पैदा की है, जिससे यह ओटीटी स्पेस में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज में से एक के रूप में सामने आई है।

टीवी एक्टर्स में बढ़ते डिप्रेशन का टीना ने खोला राज

बॉलीवुड हो या फिर टीवी इंडस्ट्री, एक्टर्स में तनाव के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में एक्टर्स के सुसाइड करने के कई मामले सामने आए हैं। टीवी और सिनेमा जगत में क्यों डिप्रेशन इतना ज्यादा बढ़ता जा रहा है इस मामले पर हाल ही में एक्ट्रेस टीना दत्ता ने बात की। बिग बॉस सीजन 16 की कंटेस्टेंट टीना दत्ता ने शो में बातचीत के दौरान बताया कि एक्टर्स को क्या कुछ फेस करना पड़ता है। टीना दत्ता ने बिग बॉस हाउस में अंकित गुप्ता के साथ बातचीत में बताया था कि एक्टर बनना इतना भी आसान नहीं है। टीना ने बताया कि कलाकारों को कई बार 14-15 घंटे तक लगातार काम करना पड़ता है। टीना दत्ता ने बताया कि कई शूट ऐसे होते हैं जो लगातार चलते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि दिन का ज्यादातर वक्त कलाकार सेट पर ही बिता देते हैं। इतना ही नहीं कलाकारों को बमुश्किल ही छुट्टियां मिलती हैं। क्योंकि ज्यादातर टीवी शोज और फिल्में एक तय समय सीमा के भीतर खत्म करनी होती हैं ऐसे में छुट्टी की गुंजाइश नहीं बचती। दूसरे शहरों से आकर काम करने वाले एक्टर्स कई-कई महीनों तक परिवार से नहीं मिल पाते। टीना दत्ता की बताई ये बातें सुनकर अंकित गुप्ता शॉक्ड नजर आए। मालूम हो कि एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत को सुसाइड बताने वाले यह तर्क देते हैं कि वह बहुत ज्यादा डिप्रेशन में थे जिसके बाद उन्होंने अपनी जिंदगी खत्म कर ली।

जन-जन के लाड़ले नेता और
मध्यप्रदेश के यशस्वी सहकारिता मंत्री
डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को जन्मदिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ
किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री जगदीश कन्नौज
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री एम.एल. गजभिये
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्री गणेश यादव
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री अनिल हर्षवाल
(प्रभारी सीईओ)
सौजन्य से : इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लि., इंदौर

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंदसिंह भदौरिया को
जन्मदिवस की हार्दिक बधाइयाँ
सभी किसान भाइयों को दीपावली की हार्दिक बधाइयाँ
अमानतों पर अन्य वाणिज्यिक बैंकों से अधिक ब्याज
मुख्यमंत्री कृषक ऋण सहायता योजना का लाभ उठाएँ
आवास ऋण, वाहन ऋण, उपभोक्ता उपकरण ऋण
कालातीत ऋण जमा पर 75 प्रश ब्याज की छूट
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री गौतम सिंह
(कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री बी.एल.मकवाना
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री सुनील सिंह
(उपायुक्त)
श्री एम.ए.कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री पी.एन.यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)
सौजन्य से : जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17